RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 MAY 2018

अंक – 11 (मासिक) वर्ष – 13 मई 2018 मूल्य 20/–

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

आओ बचाएं जल सुरक्षित रहे कल

म.प्र.पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा की बैठक में उप लोकायुक्त श्री माहेश्वरी का हुआ सम्मान

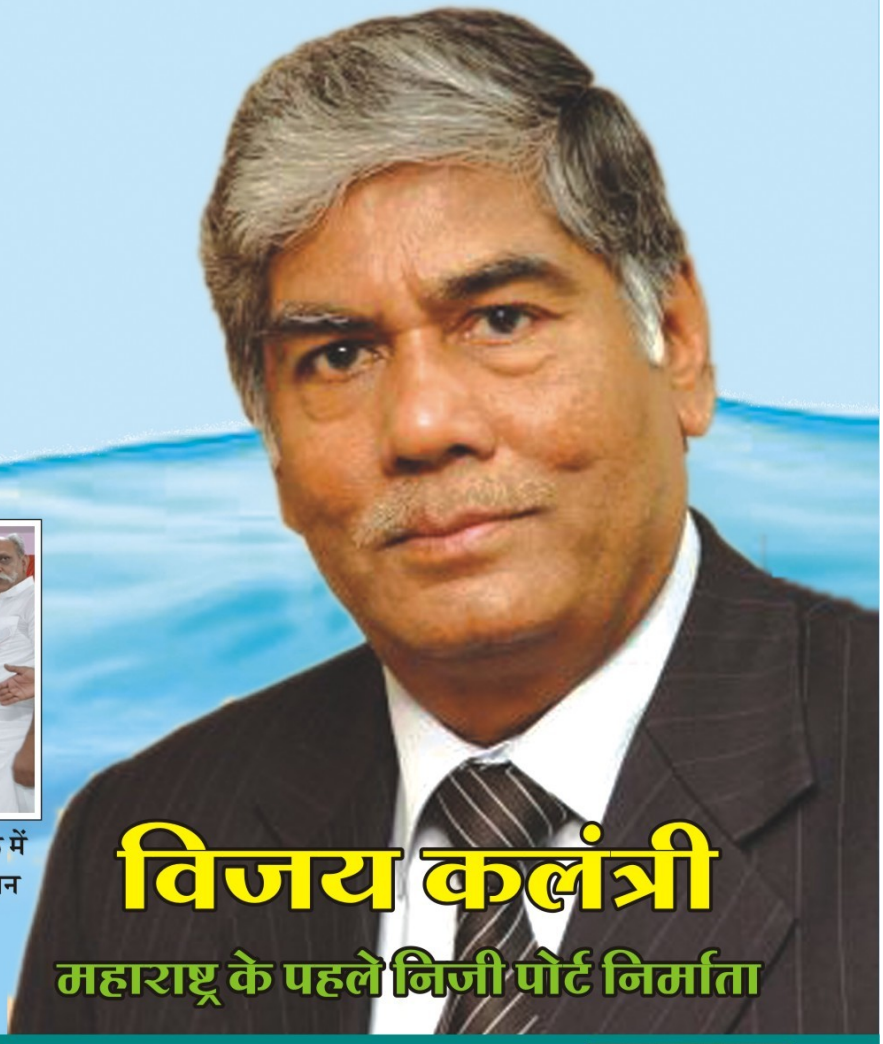

विजय कलंत्री

महाराष्ट्र के पहले निजी पोर्ट निर्माता

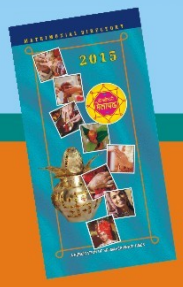

विवाह योग्य युवक–युवतियों की डायरेक्ट्री
माहेश्वरी मेलापक–2018
प्रकाशन को तैयार

16 मई 2018 से
पुरुषोत्तम मास
प्रारंभ

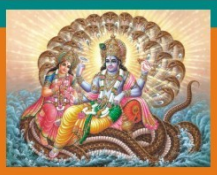

RR ELECTRIC

REDEFINING COMFORT AND CONVENIENCE.

Lighting & Appliances

Switches & Fans

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : executive.rrel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894

www.rrelectric.in • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-11 ▸▸ मई 2018 ▸▸ वर्ष-13

प्रेरणास्त्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
रमेश कुमार बंग, हैदराबाद

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

29
महाराष्ट्र के प्रथम निजी पोर्ट के निर्माता
विजय कलंत्री

31
जल नहीं तो कल हम नहीं

41
इस बार ज्येष्ठ माह रहेगा पुरुषोत्तम मास

अयोग्य के सम्मान का फल

विचार क्रान्ति

एक दिन मुल्ला नसरुद्दीन अपने गधे को घर की छत पर ले गए। जब नीचे उतारने लगे तो गधा नीचे उतर ही नहीं रहा था.. बहुत कोशिश के बाद भी जब नाकाम हुवे तो ख़ुद ही नीचे उतर गए और गधे के नीचे उतरने का इंतज़ार करने लगे। कुछ देर गुज़र जाने के बाद मुल्ला नसरुद्दीन ने महसूस किया कि गधा छत को लातों से तोड़ने को कोशिश कर रहा है। मुल्ला नसरुद्दीन बहुत परेशान हुए कि छत तो नाज़ुक है इतनी मज़बूत नहीं की गधे की लातों को बर्दाश्त कर सके। वापस ऊपर भागे और गधे को नीचे लाने की कोशिश की लेकिन गधा अपनी ज़िद पर अटका हुआ था और छत को तोड़ने में लगा हुआ था। मुल्ला आख़िरी कोशिश करते हुए उसे धक्के देकर नीचे लाने की कोशिश करते रहे, गधे ने मुल्ला को लात मारी और वो नीचे गिर गए। गधा फिर छत को तोड़ने लगा आख़िरकार छत टूट गयी और गधे समेत ज़मीन पर आ गिरी। मुल्ला काफी देर तक इस वाकिये पर ग़ौर करते रहे और फिर ख़ुद से कहा कि कभी भी गधे को ऊँचे मुक़ाम पर नहीं ले जाना चाहिये, एक तो वो ख़ुद का नुकसान करता है, दूसरा ख़ुद उस जगह को भी ख़राब करता है और तीसरा ऊपर ले जाने वाले को भी नुक़सान पहुंचाता है।

सार - हमेशा किसी भी व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार ही पद-प्रतिष्ठा देना चाहिए।

सम्पादकीय

बिन पानी सब सून

पानी की महत्ता को लेकर जितना चिंतन-मनन इस समय विश्व समुदाय कर रहा है, उतना शायद पहले कभी नहीं हुआ। पहले के लोगों ने निठल्ला चिंतन करने की बजाए जीवन चर्चा में पानी की बचत, शुद्धता और संरक्षण को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने उपदेश देने की बजाए इसे स्वाभाविक मानवीय प्रवृत्ति में ढालने का काम किया। वास्तविकता यही है कि आज के दौर में पानी पर चिंतन ज्यादा हो रहा है, उसके संरक्षण और संवर्धन पर काम कम हो रहा है। हर कोई दूसरे को उपदेश देने पर उतारू है लेकिन स्वयं की ओर झांकने को तैयार नही कि मैंने इसके लिये क्या किया? मई की तपती गरमी में देश के अखबार जल संकट के चित्रों से भयावह भविष्य की तस्वीर खीचेंगे। सोश्यल मीडिया पर चिंताए जाहिर होंगी, लेकिन वे लोग विस्मृत ही रह जाएंगे जिन्होंने चिंतन की बजाए ऐसा कुछ करने का प्रयास किया जो दूसरो के लिए प्रेरणीय हो सके तथा संकट से बचाव में कहीं मददगार बन सकें। पानी के बिना जीवन संभव नही है। यह तो सब जानते हैं लेकिन इस पानी को बचाने, साफ और सुरक्षित रखने के लिए क्या हमने कुछ किया? यह सवाल यदि हम अपने आपसे कर लें तो ही बहुत कुछ ठीक हो जाएगा। अ.भा. माहेश्वरी महासभा भी इस मुद्दे पर गौर करे और समाज में रैनवाटर हार्वेस्टिंग, जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन को समाज की प्रवृत्ति में ले आए तो संभवतः हमारा समाज जल संरक्षण का ध्वजवाहक बन सकता है। इति।

बात समाज की प्रेरणा की निकल आई है तो भीलवाड़ा के दुःखद हादसे का जिक्र भी होना चाहिए। जहां टैंक में एक माहेश्वरी व दो अन्य लोगों की गैस की चपेट में आने से असामयिक मौत हो गई। माहेश्वरी समाज ने इस हादसे में दिवंगतजनों के परिवारों की मदद के लिए अभियान चलाया। समाज के लोग आगे आए। परिवारों को दुःख की इस घड़ी में समाज का संबल मिला। ऐसे प्रेरणीय कार्य के लिए समाजजन साधुवाद के पात्र है।

और आसाराम के बहाने.....न्यायालय ने अंततः आसाराम को उम्रकैद की सजा सुना दी। दुष्कर्म के जुर्म में अब आसाराम की बची उम्र भी काल कोठरी में अपने कुकृत्य पर पछतावा करते बीत जाएगी। यह भारतीय न्याय व्यवस्था की गरिमा है। इससे उन लोगों की जुबान पर ताला पड़ जाएगा जो जब तब इस पर सवाल उठाते रहते है। उन लोगों के लिए भी सबक है जो जन आस्था का सम्मान नहीं करते। शायद उन आस्थावानों के लिए भी यह सबक है कि आस्थावान बनें अंध श्रद्धा में मतिभ्रष्ट न हो जाए।

अब अपनी बात... श्री माहेश्वरी टाईम्स आपके बीच 'मत-सम्मत' व 'आपकी आवाज' लेकर हाजिर है। यह कतई संगठन या व्यक्ति की खिलाफत का मोर्चा नहीं बल्कि आम समाजजन को अपनी बात कहने का मंच भर है। आप अपनी बात बेबाक तरीके से हमें संक्षिप्त में लिख भेज सकते है। संपादकीय मंडल के चयन के आधार पर आपके विचारों को प्रकाशित किया जाएगा।

अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादकीय

हैदराबाद निवासी श्री रमेशकुमार बंग का जन्म 24 अप्रैल सन् 1965 को भाग्यनगर के धर्म परायण दंपति स्व. श्री रामप्रसाद एवं स्व. श्रीमती धापीबाई बंग के यहां हुआ। आप दक्षिण भारत की प्रथम मल्टी स्टेट शेड्यूल्ड बैंक दि एपी महेश को ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के चेयरमैन इमीरेट्स हैं। बैंक के इतिहास में इस शीर्षस्थ पद पर पहुँचने वाले आप सबसे युवा पदाधिकारी हैं। इसके साथ आज आप नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन को ऑपरेटिव बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज लि. के निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित टास्क फोर्स कमेटी ऑफ को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स ओडीशा के सदस्य, नईदिल्ली स्थित राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद की संस्था सहकारी प्रबंध संस्थान हैदराबाद के प्रबंध समिति सदस्य, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के चेयरमैन, अभा भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, अभा भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निवृत्तमान अर्थ मंत्री, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियटल व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई के प्रबंध समिति सदस्य सहित कई संस्थाओं को अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अभी तक आप राष्ट्रीय संस्था देहली तेलुगु अकादमी द्वारा ''एक्सीलेंस अवॉर्ड'', पद्ममोहना आर्टस द्वारा ''सहकार विभूषण'', अभा मारवाड़ी युवा मंच द्वारा ''युवा रत्न'', मारवाड़ी मूंडवा नागरिक मंडल हैदराबाद-सिकंदराबाद एवं धारणा पब्लिक सेवा ट्रस्ट, उदयपुर द्वारा क्रमशः मूंडवा विभूति एवं भारत गौरव अवॉर्ड आदि से सम्मानित हो चुके हैं।

नि:स्वार्थ भाव से सभी को साथ लेकर चलें

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समय चक्र बहुत तेजी से बदल रहा है। इस परिवर्तन का सीधा प्रभाव मनुष्य जीवन पर भी पड़ा है। एक सीधी सी बात है कि आप भले ही सीधे रास्ते से जा रहे हों परंतु यदि आप रास्ते के बीच में ही ठहर जाएंगे तो पीछे से आने वाले लोग आपको धकेलते हुए आगे बढ़जाएंगे। कहने का मतलब है कि जीवन में परिवर्तन जिस तेजी से आ रहे हैं, हमारी सोच में भी बदलाव जरूरी है। बच्चों के सोचने का तरीका बदल रहा है परंतु माता-पिता, दादा-दादी का सोचने का तरीका वही पुराना है। हम बच्चों पर अपनी सोच का दबाव डालते हैं और उसे उसकी रुचि और भीतर छिपी प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने से रोकते हैं। यह तरीका बदलने की शुरुआत करनी चाहिए।

आज शिक्षा की प्रणाली ने बालकों के लिए विकास के कई नए अवसर पैदा कर दिए हैं। हमारे समाज का युवा वर्ग इंजीनियरिंग, डॉक्टरी, कंपनी सेक्रेटरी आदि लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के आधार पर बहुत बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। परंतु मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि देश की प्रशासनिक सेवाओं में हमारा समाज बहुत पीछे है। परिवार के मुखिया के नाते अपने बालकों को आईएएस, आईपीएस, आईआरएस, आईएफएस आदि प्रशासनिक सेवा की ओर प्रेरित करें। आज हमारी युवा पीढ़ी जब काम करने के लिए तैयार होती है। उसके सामने इतने विकल्प होते हैं कि वह यह निश्चित नहीं कर पाता कि उसके लिए कौन सा व्यापार या सेवा कार्य उचित होगा। सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से नियमित अंतराल पर सफल उद्योगपतियों अथवा सफल सेवा कर्मियों के साथ विचार गोष्ठियों के आयोजन से हमारी नई पीढ़ी के सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना होगा। निरंतर परिवर्तनशील इस युग में वर्तमान समय में समाज हमसे क्या अपेक्षाएं रखता है। इस पर चिंतन एवं मनन भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण बात है समाज में कुछ करने के लिए मैं की भावना का परित्याग। एक सक्षम कार्यकर्ता के मन में मैं की भावना या स्वहित की बात का प्रवेश उसको लक्ष्य से विमुख कर सकता है। समाज हित का कोई भी कार्यक्रम हो, कोई भी योजना हो टीम की भावना के साथ सभी की सकारात्मक भूमिका तथा सामूहिक सहभागिता के अभाव में उनकी सफलता संदिग्ध है। एक मनोवैज्ञानिक सच है कि जैसे-जैसे व्यक्ति तरक्की करता है उसकी विचारधारा में उसके कामों में सर्वेसर्वा होने के भाव उसके पतन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है सबको साथ लेकर चलने की। संकुचित और आत्म केंद्रित मानसिकता रखकर हम संगठित और सुदृढ़समाज की कल्पना नहीं कर सकते।

हमारे समाज ने कई चुनौतियों का सामना किया है। आज सबसे गंभीर है हमारी संख्या में निरंतर कमी का होना। हमारे मंचों से अंतरजातीय विवाह का कई बार विरोध हुआ है परंतु जो स्थिति और घटनाएं घटित हुई हैं, वे हमारी कथनी और करनी में स्पष्ट अंतर का बयान कर रही है। ऐसे संक्रमण काल में एक बात विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि सामाजिक संगठनों में हमारी निर्लिप्तता समाज व संगठन के लिए हितकारी नहीं होती। यदि कोई कुछ गलत करता है और हमें क्या लेना-देना की भावना से उसका प्रतिरोध नहीं करते हैं। यह जानते हुए कि संगठन में नेतृत्व देने वालों में एकाधिकार या निरंकुशता की प्रवृत्ति पनप रही है। नेतृत्व करने वाले की यह भावना कि हमने कह दिया सो पत्थर की लकीर। एक निष्ठावान कर्मठ कार्यकर्ता यदि मौन रहता है, इस प्रवृत्ति का विरोध न कर समाज के मंच पर अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं देते तो यह मौन, तटस्थता व निर्लिप्तता न केवल संगठन से जुड़े लोगों को विमुख करेगी अपितु समाज में भी अलगाव या विघटन के बीज बो सकती है। माहेश्वरी समाज को परोपकारी एवं सेवा कार्यों द्वारा श्रेष्ठ समाज की पहचान मिली है। बदलते समय में हमारे संस्थागत कार्यक्रमों में समयोचित प्राथमिकताओं का निर्धारण तथा हर एक को साथ लेकर परस्पर समन्वय करते हुए यदि हम आगे बढ़ेंगे तो ही हमारी श्रेष्ठता की सौरभ चहुर्दिश फैलेगी।

रमेशकुमार बंग
अतिथि सम्पादक

श्री माँ यक्षणी माताजी

श्री यक्षणी माताजी माहेश्वरी जाति की जागेटिया खाँप की कुलदेवी हैं। इन्हें झांखण माताजी के नाम से भी जाना जाता है। छिपा, पारीक व माली आदि जातियाँ भी श्री यक्षणी माताजी को विशेष रूप से पूजती हैं।

माताजी का मंदिर राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के माण्डल कस्बे में स्थित है। माण्डल भीलवाड़ा से 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। माताजी का यह मंदिर अतिप्राचीन है। इसकी स्थापना के ठोस तथ्य तो ज्ञात नहीं है लेकिन मंदिर के एक गुम्बद पर शिलालेख में सं. 1661 अवश्य लिखा हुआ है। 80 वर्षीय पुजारी मांगूलाल माली बताते हैं कि पैतृक रूप से उनके दादा-परदादा के समय से उनका परिवार पूजा करता चला आ रहा हैं। माताजी की मूर्ति अत्यंत प्राचीन व चमत्कारिक है जिससे स्थानीय श्रद्धालुओं का आना जाना भी यहाँ सतत् रूप से चलता रहता है।

एक धड़, दो चेहरे

माताजी का स्वरूप अप्रतीम और दुर्लभ है। मूर्ति का धड़ तो एक है लेकिन चेहरे दो हैं। माताजी को चाँवल, चुरमा व लापसी का भोग लगता है। प्रतिदिन दो आरती होती हैं। नवरात्रि में विशेष आयोजन होते हैं। मंदिर में अखंड ज्योत जलती हैं।

रमणीय वातावरण

मंदिर माण्डल गाँव के बीच में ऊँचाई पर स्थित होने से विशेष रूप से रमणीय है। यहाँ से प्राकृतिक सौन्दर्य की अनुपम छटा नजर आती है। ऊँचे टीले पर स्थित इस मंदिर तक पहुँचने के लिये सीड़ियाँ तो हैं ही साथ ही वाहनों के लिये घुमावदार कच्चा रास्ता भी बना हुआ है। माताजी मंदिर के पीछे टीले पर शिव मंदिर व परिसर के नीचे भैरव देवस्थान व विभिन्न माताजी भी स्थापित हैं।

कैसे पहुँचें

माण्डल कस्बा भीलवाड़ा से 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। भीलवाड़ा से सड़क मार्ग से माण्डल पहुँचने हेतु प्रति 10 मिनिट पर वाहन उपलब्ध है। माण्डल रेल मार्ग से भी जुड़ा हुआ है यह जयपुर-रतलाम मीटरगेज लाइन पर स्थित है। वायुमार्ग से उदयपुर या जयपुर जाना पड़ता है। यहाँ से भीलवाड़ा होते हुए माण्डल पहुँचा जा सकता है।

कहाँ ठहरें

मंदिर परिसर में ठहरने के लिये सामान्य सुविधायुक्त दो धर्मशालाऐं हैं। यहाँ शौचालय, स्वच्छ पानी व बिजली की व्यवस्था है। माण्डल कस्बे में जागेटिया परिवार तो नहीं हैं लेकिन अन्य खाँप के 200 माहेश्वरी परिवार हैं जो बाहर से आऐ समाज बंधुओं के सहयोग के लिये तत्पर रहते हैं।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क कर सकते है

श्री बृजमोहन जागेटिया
गोपाल द्वारा गली, बड़े मंदिर के पास भीलवाड़ा (राज.)
फोन नं. 092145-31919, 092149-20808

सृजन से विसर्जन तक समाज का साथ–उपलोकायुक्त माहेश्वरी

प्रतिभा सम्मान के साथ पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की बैठक संपन्न

धार. समाज के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा है। व्यक्ति की पहचान समाज से होती है। सृजन से लेकर विसर्जन तक समाज साथ देता है। इसलिए हर व्यक्ति को समाज के लिए सबकुछ करना चाहिए। उक्त उद्बोधन माहेश्वरी समाज की धर्मशाला में उपलोकायुक्त उमेश माहेश्वरी ने व्यक्त किये। उन्होंने यह भी कहा कि मैं समाज की पूंजी हूँ, समाज जब चाहे मेरा उपयोग ले सकता है।

पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति व कार्यकारिणी मंडल बैठक गत 24 अप्रैल को सागौर (पीथमपुर) जिला धार में संपन्न हुई। श्री माहेश्वरी इस बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। सागौर माहेश्वरी समाज व श्याम भंगाडिया परिवार द्वारा बैठक का संयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। महासभा द्वारा ट्रस्टों से दी जाने वाली सहायता की विधिवत जानकारी प्रकाश बाहेती व भरत सारडा द्वारा दी गई। आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण फॉर्म का 80 प्रतिशत कार्य अधिकतम जिलों द्वारा हो गया है। इस तरह लगभग 20 प्रतिशत कार्य और होना बाकी है। यह जानकारी जिलेवार महेश तोतला द्वारा दी गई। प्रदेशभर से आए प्रतिनिधियों से खुली चर्चा में महेश सोमानी मंदसौर, बाबूलाल राठी रतलाम, रवींद्र राठी, बंशीलाल भूतड़ा किरण, कांतिलाल राठी, राजेश धूत देवास, विशाल राठी गौतमपुरा इंदौर ग्रामीण, पंकज अटल व गिरिश मालपानी ने अपनी-अपनी बात रखी। इस अवसर पर उपलोकायुक्त उमेश माहेश्वरी को शॉल श्रीफल एवं सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र का वाचन नारायण लड्ढा ने किया। आयोजक श्याम भंगड़िया का सपत्नीक सम्मान किया गया। राम तोतला, अनिल मंत्री, मुकेश असावा व हनीष अजमेरा ने भी अपना पक्ष रखा। मीटिंग का संचालन मानद मंत्री पुष्प माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन रोहित झंवर बाग ने किया। मानद मंत्री पुष्प माहेश्वरी ने आभार माना।

बैठक में यह भी हुआ

सितंबर में ही रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा द्वितीय रोजगार जॉब फेयर आयोजित करने हेतु निश्चम किया गया। प्रादेशिक सभा का संभागीय सम्मेलन इस हेतु संभागीय जिलों से चर्चा की गई। माहेश्वरी पत्रिका के सदस्य बनाने का हर जिले को लक्ष्य दिया गया। रोजगार प्रकोष्ठ के प्रभारी रूपेश भूतड़ा ने प्रकोष्ठ की बात रखी। प्रदेश महिला संगठन से अरुणा बाहेती व युवा संगठन से पीयूष राठी ने अपने संगठन की रिपोर्ट दी। प्रदेश सभा की पुस्तक ''परिचय दर्पण'' का विमोचन उपलोकायुक्त द्वारा किया गया। संपादक पीसी हेड़ा व राजेश भट्टड़ ने सहयोग प्रदान किया। प्रदेश सरकार द्वारा सम्मान प्राप्त समाजबंधुओं को सम्मानित किया गया।

प्रदेश की प्रतिभाओं का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के सभी जिलों के समाज की मुख्यधारा एवं युवा संगठन के जिलाध्यक्ष मंत्री एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इसी कार्यक्रम में उपलोकायुक्त न्यायाधीश श्री माहेश्वरी, प्रदेश सभा अध्यक्ष श्री ईनाणी, महिला मंडल अध्यक्ष अरुणा बाहेती, आलीराजपुर के समाजसेवी गोविंद गुप्ता को जनहितैषी युवक मंडल के माध्यम से विभिन्न सामाजिक सेवाओं, प्रदेशभर में 10 हजार से अधिक भोजन पैकेट वितरण करवाने तथा बाग के जयप्रकाश तापड़िया को भी पत्रकारिता क्षेत्र में शानदार काम कर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत होने के उपलक्ष्य में सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही श्रीमती दिव्या गोविंद गुप्ता को प्रदेश की पहली माहेश्वरी महिला बॉक्सर होने के साथ बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने, बॉक्सिंग खेल में समाज का परचम राष्ट्रीय स्तर पर फहराने के लिए सम्मान प्रदान किया गया। इनके साथ अन्य प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस आयोजन के दौरान समाज के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी, मानद सचिव पुष्प माहेश्वरी, श्रीराम तोतला, राष्ट्रीय महासभा कार्यसमिति सदस्य महेश तोतला, रवींद्र राठी, महिला अध्यक्ष अरुणा बाहेती, अनिल मंत्री, श्याम भांगड़िया, पंकज अटल आगर, राजेश होलानी कांटाफोड़, पंकज डागा मंदसौर, रूपेश माहेश्वरी इंदौर, युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष पीयूष राठी महिदपुर, मंत्री आशीष बाहेती इंदौर, डॉ. गुंजन बाहेती रतलाम, मयंक राठी, पीयूष चिचानी राणापुर, जयेश मालानी आलीराजपुर, ओमप्रकाश मूंदड़ा जीरापुर, जयप्रकाश राठी उज्जैन, अजय मूंदड़ा सहित प्रदेशभर के माहेश्वरी सभा एवं युवा संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे।

टैंक की जहरीली गैस से माहेश्वरी सहित 3 की मौत

भीलवाड़ा. शहर के पटेलनगर के सेक्टर नौ में घर में बना पानी का टैंक सोमवार रात मौत का कुआं बन गया। टैंक ने तीन लोगों की जान ले ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर में 35 वर्षीय मुकेश माहेश्वरी के मकान के अंदर टैंक बना है। रात करीब 8.30 बजे मुकेश सफाई के लिए टैंक में उतरे कि जहरीली गैस के कारण अंदर ही अचेत हो गए। करीब 20 मिनट तक मुकेश की आवाज नहीं आई तो रसाई में खाना बना रही पत्नी ने टैंक में देखा। पति को गिरा देखकर चीखी, जिसे सुनकर पड़ोसी आए। पड़ोसी विनोद पाराशर (22) भी करीब दस फीट गहरे टैंक में उतर गए। जहरीले गैस से वे भी अचेत हो गए। बचाने के लिए घर के पास रहने वाले श्याम टेलर (40) भी टैंक में उतरे और गश खाकर गिर गए। एक के बाद एक तीनों के अचेत हो जाने से अफरा-तफरी मच गई। घटनाक्रम देख रहे युवक शीशपाल चौधरी ने हिम्मत दिखाई। वह मुंह पर कपड़ा बांध टैंक में उतरा। प्रतापनगर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने लोगों के सहयोग से तीनों को निकाला। एम्बुलेंस से उनको एमजीएच लाया गया। जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। बीड़ी के सेल्समैन मुकेश की पत्नी गर्भवती हैं और दो छोटे बच्चे हैं। इस घटना से समाज व शहर में शोक की लहर छा गई।

हास्य कवि काबरा पुरस्कृत

40 वर्षों से भी अधिक समय से देश-विदेश में विभिन्न माध्यमों से हँसी बांटने वाले हास्य कवि, संचालक और लेखक सुभाष काबरा को गजेंद्र भंडारी और ओमप्रकाश कावड़िया के संयोजन में मीरा-भायंदर नागरिक संस्था द्वारा ब्ल्यू मून क्लब में आयोजित समारोह में 'श्याम ज्वालामुखी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। विधायक नरेंद्र मेहता तथा राज्यमंत्री राज पुरोहित ने शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न और नकद राशि प्रदान कर श्री काबरा के योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कवि, लेखक, पत्रकार, राजनेता आदि मौजूद थे।

हनुमान जन्मोत्सव मनाया

अमृतसर. स्थानीय माहेश्वरी समाज की ओर से शिवाला बाबा भूतनाथ में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें माहेश्वरी समाज, मारवाड़ी समाज व मंदिर के भक्तों का सहयोग रहा। राधेश्याम साबू ने बताया कि नीलम-राजेश साबू, कांता-शोभा धूत, मनीषा-रेखा साबू, उमा पारिक आदि उपस्थित थे।

नागपुर (महाराष्ट्र) में श्री माहेश्वरी टाईम्स के लिये समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें

पुरुषोत्तम पनपालिया

क्षेत्रीय प्रतिनिधि (नागपुर)

94221-03831

संचुरी ऑफ दी ज्येष्ठ माहेश्वरी

जलगांव. स्थानीय माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप की ओर से सेंचुरी ऑफ दी ज्येष्ठ माहेश्वरी माहेश्वरी शतायु ज्येष्ठ सम्मान योजना अंतर्गत डॉ. भगवानदास शिवजी तोतला का सम्मान किया गया। इसमें फ्रेंड्स ग्रुप के अध्यक्ष राजेश आगीवाल, सचिव महेश आगीवाल, प्रकल्प प्रमुख प्रकाशकुमार लाठी, सुरेंद्र काबरा, दीपक हेड़ा, श्रीराम बिरला, अनिल जाखेटे, अरविंद दहाड़, अमोल सोमाणी एवं तोतला परिवार उपस्थित था। उल्लेखनीय है कि क्लब द्वारा 90 वर्ष से अधिक आयु के जेष्ठ समाजजनों का विशेष सम्मान किया जाता है।

महिला मंडल ने मनाया वार्षिकोत्सव

अजमेर. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल का वार्षिकोत्सव 'दास्तान-ए-मोहब्बत' माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, वैशाली नगर में गत 11 अप्रैल को संपन्न हुआ। दास्तान-ए-मोहब्बत एक अमर प्रेम कहानियों पर आधारित कार्यक्रम था। इसमें भगवान श्रीकृष्ण व राधारानी सहित इतिहास के विभिन्न प्रेमी युगलों की कहानियों संक्षिप्त में नृत्य-नाटिका के रूप में मंचित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्य राजस्थान प्रादेशिक महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता रादंड, समाजसेविका सुनीता नवाल व विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष चंद्रा बूब रहीं। पूरी टीम की मेहनत और कार्य के प्रति समर्पण ने कार्यक्रम को नए मुकाम पर पहुंचा दिया। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष रश्मि हेड़ा ने सभी का स्वागत किया और सचिव सुधा मालू ने सभी का आभार व्यक्त किया। सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सुरमई शाम मधुर गीतों के नाम

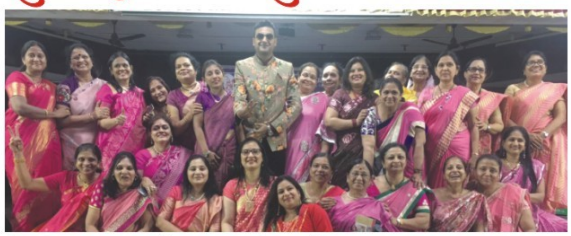

चेन्नई. तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रादेशिक महिला संगठन एवं श्री माहेश्वरी महिला मंडल चेन्नई ने गत 14 अप्रैल को प्रस्तुत 'सुरमई शाम मधुर गीतों के नाम' कार्यक्रम में कोलकाता के मशहूर गायक आलोक डागा ने प्रस्तुति दी। माहौल में उत्साह भरने वाला गाना रहा 'माहेश्वरी हैं हम'। कार्यक्रम की संचालिका शिवानी मूंधड़ा ने बताया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा मुहैया कराना। इसकी पूर्ति हेतु कुछ बच्चों की शिक्षा राशि प्रदान की गई।

सुश्रिता सम्मान योग्य नारी स्पर्धा

चंद्रपुर. विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा सुश्रिता सम्मान योग्य माहेश्वरी नारी स्पर्धा का आयोजन स्थानीय महेश भवन चंद्रपुर में प्रादेशिक अध्यक्ष उषा करवा की अध्यक्षता व राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़ (कानपुर), मध्यांचल संयुक्त मंत्री मंगल मर्दा (वापी-गुजरात), पद्मश्री रानी बंग एवं डॉ. अनुराधा सालफले की विशेष उपस्थिति में किया गया। यह स्पर्धा तीन उम्र समूह में संपन्न हुई। प्रथम राउंड परिचय राउंड था और समय सीमा थी 1 मिनट। सभी ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से अपना परिचय प्रस्तुत किया। द्वितीय राउंड था चिट राउंड जिसमें 1.30 मिनट में सोचकर अगले 1.30 मिनट में अपने विचार रखे गए। अंतिम राउंड था प्रश्नोत्तर, जिसमें ज्वलंत सामाजिक समस्याओं पर निर्णायक द्वारा पूछे गए प्रश्न का सभी ने सटीक उत्तर केवल आधे मिनट में दिया। इस स्पर्धा में अ-विभाग (45 से कम) में प्रथम पुरस्कार चंचल राठी (खामगांव), द्वितीय डॉ. रुजुता मूंदड़ा (चंद्रपुर) एवं तृतीय कांचन मूंदड़ा (वर्धा)। ब-विभाग (45 वर्ष से ऊपर) में प्रथम पुरस्कार नीता मूंदड़ा (अमरावती), द्वितीय जयश्री पनपालिया (वर्धा), तृतीय दिशा पनपालिया (खामगांव) एवं क- विभाग (70वर्ष से ऊपर) में राजकंवर लड्ढा (अकोला) विजयी रहीं। सभी विजेता सदस्याओं का शॉल श्रीफल एवं अवॉर्ड से सम्मान किया गया।

माहेश्वरी प्रदेशस्तर पर सम्मानित

शुजालपुर. जया माहेश्वरी आईसीटीसी काउंसलर सिविल हास्पिटल शुजालपुर को वर्ष 2017 से मार्च 2018 तक स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के आयोजन करवाने एवं सराहनीय व मानवीय कार्य हेतु हमीदिया ब्लड बैंक भोपाल द्वारा सम्मानित किया गया। उनके इन रक्तदान शिविरों में साईं भक्त मंडल शुजालपुर, जनअभियान परिषद शुजालपुर, भारतीय विश्व हिंदू परिषद, राठी मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, हनुमान भक्त मंडल आदि का सहयोग रहा।

सुरभि मरूधरा का हुआ आयोजन

अमरावती. विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा राजस्थान की वीरता, देशभक्ति, त्याग एवं संतों की भक्ति की गाथाओं से रूबरू कराने हेतु सुरभि मरुधरा का आयोजन चंद्रपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महेश भवन चंद्रपुर में किया गया। इस अवसर पर विदर्भ की माहेश्वरी बहनों का सत्कार कर उत्कृष्ट जिला महिला संगठनों को वार्षिक प्रकल्पों के तहत प्रोत्साहन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अजय काबरा के करकमलों द्वारा पद्मश्री डॉ. रानी बंग के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष उषा करवा, सम्मानीय अतिथि डॉ. अनुराधा सालफले चंद्रपुर व विशेष उपस्थिति मंजू बांगड़ कानपुर एवं मंगल मर्दा वापी की रही। नाट्य प्रतियोगिता में अकोला जिला महाराणा प्रताप, अमरावती जिला-पन्ना धाय, बुलढाणा जिला महाराणी पद्मीनी, चंद्रपुर जिला-संत मीराबाई, नागपुर जिला-महाराणा उदयसिंह, वाशिम जिला ने महाराणा हमीर सिंह, वर्धा जिला-महाराणा पृथ्वीराज चौहान के चरित्र की प्रस्तुति दी। वार्षिक सक्रियता पुरस्कार भी विभिन्न संगठनों व पदाधिकारियों को प्रदान किए गए।

कीर्तन का किया आयोजन

रायसिंह नगर (श्रीगंगानगर). उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष मामा बंग ने बताया कि गत 16 अप्रैल को रायसिंग नगर महिला मंडल द्वारा स्थानीय ठाकुरजी के मंदिर में कीर्तन का आयोजन किया गया। इसमें लता मूंदड़ा सहित संगठन की कई सदस्याएं शामिल हुईं।

रेलवे सलाहकार समिति में काबरा

अहमदनगर (महाराष्ट्र). स्थानीय रेल स्टेशन सलाहकार समिति में डॉ. मुरलीधर सूरजमल काबरा का सन 2018-2019 के लिए चयन किया गया। स्टेशन प्रबंधक ए.के. दास व मुख्य वाणिज्य निरीक्षक आर.के. गांधी ने चयन पत्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

अच्छी लगने लगी हैं ये खामोशियाँ भी अब हमें
किसी को जवाब देने का सिलसिला जो खत्म हो गया।

जल संकट से बचाने के लिए समाज में जागरूकता जरूरी

माहेश्वरी मांगलिक भवन में जल देवता, पानी का अधिकार व कर्तव्य विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला

हरदा. जलसंकट समाज में झगड़े का कारण बन रहा है। नर्मदा में इतना कम पानी पहले कभी नहीं देखा। जलसंकट से बचने के लिए समाज के सभी वर्गों में जागरुकता जरूरी है।

उक्त विचार माहेश्वरी सेवा न्यास के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में उज्जैन से आए डॉ. विवेक चौरसिया ने व्यक्त किए। माहेश्वरी मांगलिक भवन में ''जल देवता, पानी का अधिकार और कर्तव्य'' विषय पर सम्पन्न कार्यशाला में पानी पर पुस्तक लिखने वाले डॉ. चौरसिया ने कहा कि पानी की कमी सभी जगह है। कहीं कम तो कहीं ज्यादा। अभी नहीं चेते तो बाद में कोई मौका नहीं मिलेगा। इसके लिए पानी के प्रति लोगों को जागरूक करना प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेतहाशा दोहन के कारण जलस्रोत सिमट रहे हैं। नर्मदा में पानी की इतनी कमी पहले कभी नहीं देखी। भविष्य में और भी विकट परिस्थितियां बनेंगी। डॉ. चौरसिया ने बताया कि किस व्यास के नल को कितनी देर खुला छोड़ देने से कितने लीटर पानी हमारी जरा सी चूक से बेकार बह जाता है। हम थोड़ी से जागरुकता से इसे बचाकर आने वाले कल के लिए पानी बचा सकते हैं। पानी बचाने की जागरुकता के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे राजेंद्र माहेश्वरी ने कहा कि इसके लिए सभी को आगे आकर लोगों को अभी से सचेत करना होगा।

जल बचाव को बनाया मुहिम

इस साल भीषण गर्मी तथा जलसंकट की आहट भांपकर समाजसेवी राजेंद्र माहेश्वरी और पार्षद मनोज महलवार सहित अन्य समाजसेवियों द्वारा पर्चे तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को पानी का महत्व बताया जा रहा है। उसे व्यर्थ न बहाने की अपील की जा रही है। बीते एक पखवाड़े से सार्वजनिक एवं धार्मिक कार्यक्रम में लोगों से जल संरक्षण की अपील की जा रही है। इसी क्रम में स्थानीय माहेश्वरी धर्मशाला में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ था। इस मुहिम को सार्थक बनाने के लिए सुझावों का आदान-प्रदान किया गया। माहेश्वरी सेवा न्यास के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री माहेश्वरी टाईम्स उज्जैन के संपादक पुष्कर बाहेती की सराहनीय भूमिका रही। इस अवसर पर जल संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। इस दौरान माहेश्वरी सेवा न्यास के अध्यक्ष रमेश सादानी, सत्यनारायण सोमानी, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष गिरीराज तोतला, कौशल काबरा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। समाजसेवी राजेंद्र माहेश्वरी ने कहा कि जीवनदायनी मां नर्मदा में जिस प्रकार पानी की कमी देखी गई है, यह जल संकट की ओर इशारा करता है। जलस्रोत सूख रहे हैं। वहीं जलाशय भी मैदान में तब्दील हो रहे हैं। ऐसे में भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।

जरूरतमंदों को कूलर वितरण

रायपुर. इस भीषण गर्मी में कितने ही परिवार ऐसे हैं जिन्हें बिना कूलर के रहना पड़ता है। उनकी परेशानी को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी युवा मंडल एवं युवा मंडल महिला समिति द्वारा जरूरतमंदों व निःशक्तजनों के बीच 15 कूलर का वितरण किया गया। जी.ई. रोड स्थित महेश भवन में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर युवा मंडल अध्यक्ष आशीष राठी, सचिव मनीष मोहता, महिला समिति अध्यक्षा रेखा हुरकट और सचिव संगीता राठी सहित ज्योति राठी, उषा मोहंता, प्रतिभा नत्थानी, शशि बागड़ी एवं नंदा भट्टर मौजूद थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीलिमा लड्ढा, नीना राठी, प्रीति राठी, प्राची मोहता, पूजा बल्दुआ, अर्चना राठी, शीतल मूंधड़ा, हेमा गांधी आदि ने सहयोग दिया।

मारवाड़ी समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

हैदराबाद. अभा मारवाड़ी सम्मेलन की भुवनेश्वर में संपन्न बैठक में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष कोलकाता निवासी संतोष सर्राफ एवं वर्तमान अध्यक्ष प्रहलादराय अग्रवाल का सम्मान महेश बैंक की ओर से किया गया। इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, रामपाल अट्टल, महाराष्ट्र के विधायक डॉ. जयप्रकाश मूंदड़ा एवं पूर्व मंत्री रमेशचंद्र बंग आदि उपस्थित थे।

ऐसा नहीं था के हम चिराग नहीं थे।
बस कमी ये थी हम उजालों में जले।

विदर्भ महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

चंद्रपुर. विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन के अष्टम सत्र की पंचम कार्यकारिणी सभा का आयोजन चंद्रपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महेश भवन, तुकुम चंद्रपुर में किया गया। विदर्भ अध्यक्ष उषा करवा की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़ (कानपुर) एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मध्यांचल मंगल मर्दा (वापी-गुजरात) विशेष रूप से उपस्थिति थीं। पूर्वाध्यक्ष डॉ. सुधा राठी, डॉ. तारा माहेश्वरी, आशा लड्ढा, मीना सांवल, ज्योति बाहेती सहित विदर्भ के 11 जिलों से 200 सदस्याएँ मौजूद थीं। श्रीमती करवा ने आगामी ग्रीष्मकालीन संस्कार शिविरों, उद्योजकता प्रशिक्षण, पशु-पक्षियों हेतु चारा, नीर घर वितरण के समाजोपयोगी प्रकल्पों के साथ हर सामाजिक ज्वलंत समस्या पर परिचर्चा, टॉक-शो एवं समस्या के कारण एवं निवारण पर मार्गदर्शन आयोजित करने का आह्वान किया। श्रीमती बांगड़ ने सशक्त संगठन तथा मंगल मर्दा ने 'प्री वेडिंग शूट' पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर कमला मोहता, नागपुर एवं माधुरी सुदा अमरावती का अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होने पर प्रदेश द्वारा शॉल-श्रीफल देकर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन अलका चांडक सचिव चंद्रपुर जिला एवं स्वागत भाषण हेमलता सोमानी द्वारा दिया गया।

आवश्यकता है

व्यवस्थापक की

बिछायत केंद्र एवम् डेकोरेशन व्यवसाय के अग्रणी केंद्र को आवश्यकता है अनुभवी व्यक्तीयोंकी जो व्यवस्थापक पद को सुचारु रुप से कार्यान्वित कर सके

पोस्ट - १ - बिछायत केंद्र कार्यालय के लिए
पोस्ट - २ - सुपरवायझर डेकोरेशन कार्य के लिए

माहेश्वरी बंधुओं को विशेष रुप से प्राध्यानता!
वेतन - अनुभव के आधार पर

संपर्क श्रीकांत राठी
श्री बिछायत केंद्र
शिवाजी चौक, वर्धा, महाराष्ट्र-442001. मो. 09822235678

लिबासो का शौक़ रखते थे
जो कभी
आख़री वक्त कह न पाए
ये कफ़न ठीक नहीं।

पूर्वी राजस्थान सभा की बैठक सम्पन्न

कोटा. गत 18 मार्च को पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा कार्यसमिति की बैठक माहेश्वरी भवन झालावाड़ रोड कोटा में राजेशकृष्ण बिड़ला के मुख्य आतिथ्य, नारायणस्वरूप कालानी के विशिष्ट आतिथ्य व पुरुषोत्तम नुवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। घनश्याम लाठी प्रदेश मंत्री ने भगवान महेश की वंदना प्रस्तुत की व गत बैठक की कार्रवाई पढ़कर सुनाई। नरेंद्रमोहन मूंदड़ा अर्थमंत्री ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। कोटा-बूंदी-बारां के जिलाध्यक्षों ने जिले की गतिविधियों का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। महिला मंडल की प्रदेश मंत्री कुंति मूंदड़ा ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। नारायणस्वरूप कालानी ने अभा माहे महासभा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के साथ माहेश्वरी छात्रावास की जानकारी दी। कोटा जिला मंत्री ओम गट्टानी ने कोटा जिला माहेश्वरी सभा द्वारा आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण कार्य वैतनिक कर्मचारी लगाकर पूरा करवाने का आश्वासन दिया।

प्रियांशु सोनी का नया गीत रिलीज

इंदौर. शहर के युवा म्यूजिक प्रोड्यूसर व प्रख्यात प्रोडक्शन कंपनी लॉग-वे प्रोडक्शन्स के प्रियांशु सोनी द्वारा तैयार नया गीत 'धत्त' भी धूम मचा रहा है। यह गाना वेलेंटाइन डे को रिलीज हुआ। इसे आप म्यूजिक एप्प सावन, आई ट्यूंस, विंक, स्पॉटीफाई, डीजर जैसे 300 प्लेटफॉर्म पर सुन सकते हैं। इंडियन टॉकी के यूट्यूब पर म्यूजिक वीडियो मार्च से टीवी चैनल पर रिलीज हुआ। प्रियांशु का पहला गाना 'सहर' जो दिसंबर 2014 के पेशावर स्कूल अटैक की कहानी पर आधारित है, वह भी बहुत पसंद किया गया था।

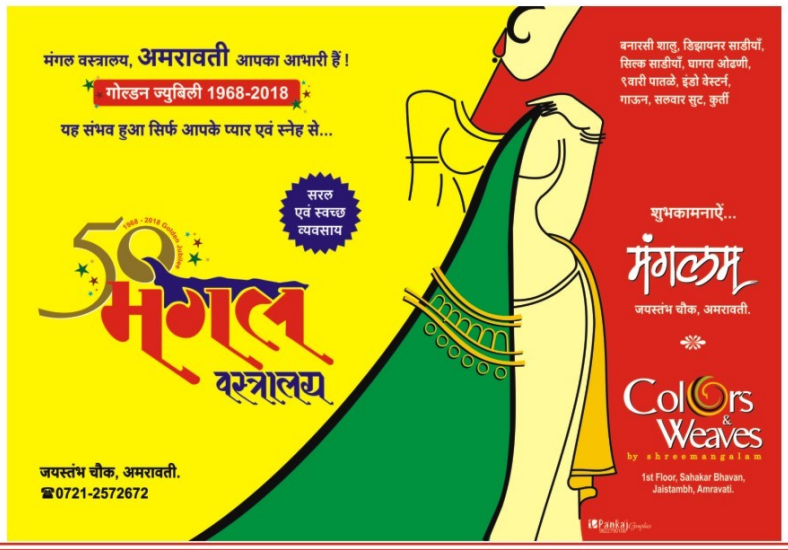

जयप्रकाश तापड़िया हुए सम्मानित

बाग. पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में पत्रकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक और नईदुनिया के धार जिले के बाग संवाददाता जयप्रकाश तापड़िया को मप्र सरकार के जनसंपर्क विभाग के प्रतिष्ठापूर्ण पत्रकारिता सम्मान के लिए चयनित किया गया उनका इंदौर संभाग से वर्ष 2015 के लिए राहुल बारपुते आंचलिक पत्रकारिता सम्मान के लिए निर्णायक मंडल ने चयन किया है। यह सम्मान उन्हें भोपाल में आयोजित समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। पुरस्कार के तौर पर 1 लाख 1 हजार रुपए की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कुलश्रेष्ठ को आंचलिक पत्रकारिता सम्मान

उज्जैन. मप्र शासन द्वारा उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय तथा आंचलिक पत्रकारिता सम्मानों से पत्रकारों को गत 10 अप्रैल को सम्मानित किया गया। इसी के अंतर्गत उज्जैन के प्रतिष्ठित पत्रकार संदीप कुलश्रेष्ठ को कन्हैयालाल वैद्य आंचलिक पत्रकारिता सम्मान से मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास पर सम्मानित किया। पुरस्कार के तौर पर श्री कुलश्रेष्ठ को 1 लाख 11 हजार रुपये की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर पुष्कर बाहेती, दिनेश माहेश्वरी, जयप्रकाश राठी, कैलाश डागा, नवल माहेश्वरी, राजेश जाजू, श्रीपाल जैन, प्रमोद मंत्री, नीतिन गरुड़, सुनील जैन, अक्षय आमेरिया सहित अन्य स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

ईनानी बने बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष

इंदौर। मप्र पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राजेंद्र ईनानी के सुपुत्र एडवोकेट रितेश ईनानी इंदौर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के भारी बहुमत से उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

84 छात्रों को 3.52 लाख की छात्रवृत्ति

भीलवाड़ा. बद्रीलाल सोनी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 84 प्रतिभावान और जरूरतमंद छात्रों को 3 लाख 52 हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर मुक्तानंद अग्रवाल थे। ट्रस्ट अध्यक्ष रामपाल सोनी ने बताया कि पेशेवर, उच्च शिक्षा, स्कूल वर्ग के 500 विद्यार्थियों को 45 लाख रुपए की छात्रवृत्ति देने का लक्ष्य है। समारोह में आरएल नौलखा, वीके सोडानी, अनुराग सोनी, देवकरण गग्गड़, हनीफ मोहम्मद, भंवरलाल सोनी, कैलाश कोठारी, दीनदयाल मारू, केदार जागेटिया समेत विद्यार्थी व परिजन मौजूद थे।

कमजोर परिवार को दिलाएंगे मकान

भीलवाड़ा. माहेश्वरी सहयोग संस्थान की पंचम आमसभा आजाद नगर माहेश्वरी भवन में सीए जगदीश जैथलिया के नेतृत्व में आयोजित की गई। इसमें कमजोर परिवारों को वितरित नकद सहयोग 39 लाख रुपये से अधिक का विवरण देकर शहर में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना में आवंटित छोटा मकान लेने के लिए समाज की ओर से 25 हजार रुपये की नकद सहायता एवं एक हजार रुपए प्रतिमाह किश्त जमा में सहयोग की घोषणा की गई। इस अवसर पर योजना के परिचालन में एक परिवार का चयन कर राशि स्वीकृत की गई। राशि का पुनर्भरण समाजसेवी कार्यकारिणी सदस्य पवन झंवर की ओर से किया गया। इस वर्ष 5 परिवारों को लाभ देने का निश्चय किया गया। योजना संचालन के लिए निदेशक कैलाश काबरा को बनाया गया। 435 सदस्यों की संस्था ने अगले 5 वर्ष में एक हजार सदस्य संख्या बनाने का निश्चय किया। केदार जागेटिया, सत्यनारायण डाड, कन्हैयालाल खटोड़ ने भी संबोधित किया। निःशुल्क भवन उपलब्धि पर सचिव कैलाश नुवाल द्वारा प्रबंध कार्यकारिणी के निर्णयों का अनुमोदन करवाया गया।

इंसान बहुत कमाल का है...
पसंद करें तो बुराई नहीं देखता
नफरत करें तो अच्छाई नहीं देखता।

युवा संगठन की कार्यकारिणी ने ली शपथ

बूंदी. शहर के जैतसागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में जिला माहेश्वरी युवा संगठन की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि अभा माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या थे। अध्यक्षता पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष मनीष भदादा ने की। इस अवसर पर पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश मंत्री घनश्याम लाठी, जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष घनश्याम नकलक, माहेश्वरी पंचायत संस्थान के अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, युवा संगठन के राष्ट्रीय कार्यालय महामंत्री शिवकुमार कासट व प्रदेश मंत्री गौरव आगीवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सहित 45 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। जिलाध्यक्ष नरेश लाठी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। संचालन युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष मनीष मंत्री ने किया। आभार प्रदर्शन महामंत्री निशांत नुवाल ने किया।

डागा की पेंटिंग की सराहना

कोलकाता. गत 20 अप्रैल को इम्पार्ट आर्ट गैलरी द्वारा तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन प्रसिद्ध बंगला फिल्म अभिनेत्री कोनिनीका बैनर्जी द्वारा किया गया। इसमें उमा-शंकर की राम राम शब्दों से कविता-राजेश डागा द्वारा बनाई गई पेंटिंग की सभी ने सराहना की। इस नई कला को दर्शकों ने काफी पसंद किया एवं अपनाने में रुचि दिखाई।

डॉ. मूंदड़ा बने वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर

बुरहानपुर. वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आई.एल. मूंदड़ा रिकॉर्ड मतों के अंतर से लायंस क्लब के द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निर्वाचित हुए। उल्लेखनीय है कि डॉ. मूदड़ा गत 43 वर्षों से लायंस से जुड़े हैं और अपनी समर्पित सेवाओं हेतु लायंस क्लब द्वारा विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किए जाते रहे हैं। आप गुरु गोविंदसिंह डेंटल कॉलेज बुरहानपुर में ऑनरेरी एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ मेडिसिन तथा निमाड़ अस्पताल में संचालक भी हैं। सन 2010 से 2017 तक आप रेडक्रॉस सोसायटी बुरहानपुर के चेयरमैन रहे एवं वर्तमान में श्री अन्नपूर्णा मंदिर समिति बुराहानपुर के अध्यक्ष, लायंस क्लब ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं लायंस नेत्र चिकित्सालय के प्रोजेक्ट चेयरमैन हैं।

बोली बता देती है इंसान कैसा है।
बहस बता देती है ज्ञान कैसा है।

गड़चिरोली जिला का किया भ्रमण

अमरावती. विदर्भ प्रदेश का गड़चिरोली जिला अपनी वनसंपदा, आदिवासी बहु जनसंख्या, नक्सली गतिविधियों एवं पद्मश्री डॉ. अभय-रानी बंग के शोधग्राम के कारण अपना विशेष स्थान रखता है। विपरीत परिस्थितियां होने के बावजूद यहां का माहेश्वरी संगठन प्रदेश में सक्रियता से कार्यरत है। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उषा करवा ने राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़, मध्यांचल संयुक्त मंत्री मंगल मर्दा, पूर्वाध्यक्ष आशा लड्ढा, तारा माहेश्वरी, ज्योति बाहेती एवं कोषाध्यक्ष शीला टावरी के साथ गड़चिरोली जिला भ्रमण का आयोजन किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संगीता सारडा व सचिव संगीता धूत ने सभा का आयोजन किया। 40 घरों का जिला होने पर भी करीब 100 माहेश्वरी महिला-पुरुषों ने सभा में उपस्थित रहकर अपनी सक्रियता का परिचय दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश सारडा, प्रफुल्ल सारडा, संतोष राठी, नंदकिशोर सारडा, मंजू काबरा ने अपना योगदान दिया।

वाटर कूलर का हुआ लोकार्पण

हनुमानगढ़. गत 19 अप्रैल को उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी व स्थानीय माहेश्वरी महिला सगंठन के अथक प्रयास व बैंक ऑफ बड़ौदा के सौजन्य से हनुमानगढ़जक्शन रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर स्थापित वाटर कूलर का लोकार्पण बैंक ऑफ बड़ौदा के उपमहाप्रबंधक पीयूष नाग, सुमीता नाग, उत्तर-राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन अध्यक्ष लता मूंदड़ा व स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रादेशिक महिला संगठन की संयुक्त मंत्री मंजू करनाणी, प्रदेश संगठन मंत्री हंसा चितलांग्या, प्रदेश उपाध्यक्ष कुसुम मूंदड़ा व स्थानीय माहेश्वरी महिला सगंठन अध्यक्ष इंदू बिहाणी, कांता सारडा, सचिव सुशीला राठी व रेखा सोनी, जिला उपाध्यक्ष पुष्पा राठी, सीमा बिहाणी, अनिता लखोटिया, शीलू गट्टाणी आदि मौजूद थीं। महेश बंधुओं में अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा सदस्य रतनलाल लाहोटी, जिलाध्यक्ष शिवभगवान ढुढाणी, स्थानीय अध्यक्ष नारायण राठी, सचिव विजय सिकची, युवा सगंठन अध्यक्ष प्रकाश ढुढाणी आदि मौजूद थे। महिला संगठन सचिव सुशीला राठी व रेखा सोनी ने आभार माना।

गगडानी ने की पंच दिवसीय नेपाल यात्रा

मैची जिला सहित कई स्थानों पर किया मेल मिलाप

दिल्ली. अभा माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कलपना गगडानी ने गत 4 से 8 अप्रैल तक नेपाल की पंच दिवसीय यात्रा की। अपनी इस यात्रा में उन्होंने मैची जिले के सोलह स्थानों, सुनचरी के इनरवा, इटेरी, घरान, सदरमाथा के राजविराज हनुमान नक्षत्र, विराटनगर, भैरवा, बुटवल, काठमांडू आदि के माहेश्वरी परिवारों से मेलमिलाप किया।

मैची विराटनगर एवं काठमांडू में टॉक शो रखे गए। इनकी अवधि दो घंटे थी किंतु श्रोताओं की उत्सुकता एवं प्रश्नों ने इसे चार से साढ़े चार घंटों तक पहुंचा दिया। टॉक शो में महिलाएं, पुरुष एवं युवा वर्ग सामान्य रूप से सहभागी रहे। महासभा व नेपाल के शीर्षस्थ नेतृत्वकर्ता रमेश तापड़िया, जयकिशन सारडा, श्री सोनी, श्री चितलांग्या आदि उपस्थित थे। विराट नगर के मेयर मीप पराजुली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वे अपना आशीवर्चन देकर ही जाने वाले थे किंतु कल्पनाजी के परिचय से प्रभावित हो ढाई घंटे तक रुके रहे।

समाज ने खोजा समस्याओं का समाधान

टॉक शो के विषय अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग थे। इनमें बच्चों का ''लालन-पालन-समस्या और समाधान'' ''पीढ़ियों का अंतरकारण एवं निराकरण'' तथा ''बदलते परिवेश में व्यक्तिगत-पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याएं'' था। इसके अलावा सदन ने अपनी अनेकों जिज्ञासाओं से जुड़े प्रश्नों का भी निराकरण किया। श्रीमती गगडानी का मैची में प्रेस व नेपाल टीवी द्वारा इंटरव्यू भी लिया गया। इस यात्रा में सुश्रिता समिति प्रभारी गिरिजा सारडा एवं नेपाल चैप्टर अध्यक्ष उमा राठी का सहयोग रहा।

राठी सचिव, लड्ढा कोषाध्यक्ष

बीकानेर. माहेश्वरी युवा संगठन बीकानेर शहर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रितेश करनाणी ने संस्था की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये सचिव पद पर व्यवसायी कमल राठी एवं कोषाध्यक्ष पद पर कपिल लड्ढा का चयन किया। श्री करनाणी ने आशा व्यक्त की कि उपरोक्त पदाधिकारी अपने पद की गरिमा के अनुरूप् कार्य करते हुये समाज को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे।

विद्यार्थियों को पेय वितरण

नौहर. श्री माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से सामाजिक सरोकारों के तहत निकटवर्ती ग्राम सोतीबडी के राजकीय उत्कृष्ट उच्च प्रावि के विद्यार्थियों को ठंडे पानी की बोतल व फ्रूटी का वितरण किया गया। उक्त पुनित कार्य की शालाप्रधान सुभाषचंद्र बोयत, हरीशकुमार जोशी व सुश्री ज्योति ने सराहना की। श्री माहेश्वरी महिला मंडल की संगीता सोनी अध्यक्षा, प्रियंका बजाज मंत्री, उमा बागड़ी प्रदेश सह मंत्री, सुशीला राठी जिला उपाध्यक्ष, अरुणा राठी उपमंत्री, मन्जु तोषणीवाल कोषाध्यक्ष, मंजू चांडक उपाध्यक्ष व निर्मला थिराणी संरक्षक आदि माहेश्वरी समाज की कई महिलाएं मौजूद थीं।

कलशयात्रा का किया स्वागत

गुना. गायत्री परिवार द्वारा करवाए गए 108 कुंडीय महायज्ञ की कलश यात्रा में माहेश्वरी समाज द्वारा 3 हजार लोगों को छाछ का वितरण किया गया। साथ ही 11 हजार रुपए की नकद राशि भी दी गई। इसमें माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रवीण सोमानी, महिला मंडल अध्यक्ष आशा राठी, सचिव पद्मा लाहोटी, ममता माहेश्वरी, स्नेह दूदानी सहित कई समाजजनों ने योगदान दिया।

रेलवे स्टेशन सेवा में सहयोग

श्रीगंगानगर. उत्तर-राजस्थान प्रादेशिक महिला समिति एवं श्री माहेश्वरी महिला समिति की स्थानीय इकाई ने बैंक ऑफ बड़ौदा के सौजन्य से रेलवे स्टेशन पर वाटर कूलर तथा सेनेट्री नेपकिन वेंडिंग डिस्ट्रोयर मशीन लगाई। लोकार्पण बैंक उपमहाप्रबंधक पीयूष नाग ने रेलवे स्टेशन पर किया। समारोह में महिला समिति अध्यक्ष सरिता बिहाणी, सचिव सुनीता बिहाणी, प्रकल्प संयोजिका सुप्रिया चितलांगिया, लता मूंधड़ा, समाज के प्रमुख जयदीप बिहाणी, राजेंद्र राठी, विक्रम चितलांगिया, मनोज चितलांगिया, महेश नढाणी, रेलवे राजभाषा अधिकारी अनिल शर्मा सहित कई समाजजन मौजूद थे।

शब्दों का और सोच का ही
अहम किरदार होता है दूरियां बढाने में.....
कभी हम समझ नहीं पाते हैं
और कभी समझा नहीं पाते हैं...

निःशुल्क पारिवारिक मेडिक्लेम बीमा होगा

भीलवाड़ा. जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल की बैठक तहसील शाहपुरा के ग्राम ढिकोला में जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू की अध्यक्षता में हुई। इसमें अतिथि के रूप में देवकरण गग्गड़ उपसभापति (पश्चिमांचल) महासभा, ममता मोदानी उपसभापति (पश्चिमांचल) अभा माहेश्वरी महिला मंडल, राजकुमार काल्या राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा संगठन, कैलाशचंद्र कोठारी अध्यक्ष द. राज. प्रा. माहेश्वरी सभा, राधेश्याम चेचाणी अध्यक्ष महेश सेवा समिति, प्रहलादराय लढ़ा मंत्री जिला महेश सेवा निधि, कैलाशचंद्र मूंदड़ा उपाध्यक्ष पुष्कर सेवा सदन, देवेंद्र सोमानी जिलाध्यक्ष आदि उपस्थित थे। जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी के अनुसार जिलाध्यक्ष श्री मारू ने अपने उद्‌बोधन में सदन को अवगत कराया कि जिले का ईको सर्वे लगभग पूर्ण हो चुका है एवं ईको सर्वे में प्राप्त आंकड़ों के आधार पर जिले में एक लाख तक की वार्षिक आय वाले परिवारों का निःशुल्क पारिवारिक मेडिक्लेम बीमा करवाया जाएगा। इसकी प्रीमियम राशि का पच्चीस प्रतिशत जिला सभा व 75 प्रतिशत बांगड़ ट्रस्ट द्वारा वहन किया जाएगा। महासभा के निर्देशानुसार ''जिला सभा आपके द्वार'' कार्यक्रम के तहत जिले में निवासरत एक लाख रुपए तक की आय वाले परिवारों से संपर्क कर उनके उन्नयन के लिए भी रूपरेखा तैयार की जाएगी।

जैथलिया मोटर कंपनी का शुभारंभ

भीलवाड़ा. सोनी धर्मशाला रोड पर फतेहलाल पुरुषोत्तम कुमार, रमेशचंद्र, महेशकुमार जैथलिया के नए प्रतिष्ठान जैथलिया मोटर कंपनी का शुभारंभ गत 22 अप्रैल को हुआ। प्रतिष्ठान के प्रोपायटर रमेशचंद्र जैथलिया ने बताया कि इस नए प्रतिष्ठान पर सीईएटी टायर व मारुति के जेन्युइन पार्ट्स व एसेसरीज की ऑटो पार्ट्स डिस्ट्रीब्यूटरशिप भी हैं। प्रतिष्ठान पर होलसेल व्यापार होगा। इस अवसर पर ऑटो पार्ट्स से जुड़े व्यापारी, समाज के अनेक पदाधिकारी सहित कई गणमान्यजन व्यक्ति मौजूद थे।

दुश्मन
इतनी आसानी से कहाँ मिलते हैं
बहुत लोगों का भला करना पड़ता हैं।

आइडियल इंटरनेशनल स्कूल का लोकार्पण

फुलेरा (जयपुर). आइडियल इंटरनेशनल स्कूल की स्थापना सत्र 2015-16 में फुलेरा जिला जयपुर में की गई थी। स्कूल के चेयरमैन अशोक सोमानी के अनुसार फुलेरा से लगभग 45 किमी की परिधि में सही मायने के अंग्रेजी माध्यम का स्कूल नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को अधिक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 02 बीघा जमीन में नये भवन का निर्माण कराया गया। नवनिर्मित भवन में अब आठवीं तक कक्षाएं प्रारंभ होंगी। नवनिर्मित भवन के लोकार्पणकर्ता भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी व मुख्य अतिथि आयकर कमिश्नर जयपुर मुकेश वर्मा थे। विशिष्ट अतिथि अधिशाषी अभियंता भगवानसहाय जाजू, आरएफएल के एमडी रवि शर्मा, तहसीलदार अशोक शर्मा, पूर्व चेयरमैन आईसीएआई भीलवाड़ा अशोक जैथलिया सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

109वीं पारिवारिक भागवत की पूर्णाहुति

जयपुर. शुक संप्रदायाचार्य श्रीश्री 1008श्री अलबेली माधुरी शरणजी महाराज की विशेष कृपापात्र श्रीमती राजश्री चितलांग्या 'मोसीराम' ने गृहस्थ जीवन की संपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए वर्ष 2007 में श्रीमद्‌भागवत कथा का वाचन शुरू किया। आप अब तक सात दिवसीय 72 भागवत कथाओं का वाचन कर चुकी हैं। इसके साथ ही जनवरी वर्ष 2017 में आपने अपने सद्‌गुरुदेव की प्रेरणा से 108 परिवारों में एक दिवसीय पारिवारिक भागवत वाचन का संकल्प भी लिया था, जिसे मात्र 13 माह में अलग-अलग स्थानों पर बिना किसी साज सज्जा, चढ़ावा, दानपात्र व विज्ञापन के साधारण व्यवस्था में पूर्ण किया। इसके अंतर्गत 109वीं भागवत का विश्राम उन्होंने अपने जयपुर निवास पर किया। इसमें कई गणमान्य भक्तों ने भाग लिया।

जैन समाज ने किया बियानी का सम्मान

खरगोन. अक्षय तृतीया के दिन जैन समाज द्वारा वार्षीतप का पर्व मनाया जाता है। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का पूरे वर्ष का उपवास खुला था। इस कार्यक्रम में जिला माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष स्मिता बियानी का सम्मान हुआ। इसमें अलग-अलग समाज अध्यक्षों का भी सम्मान हुआ।

समाज भवन एवं विश्रामगृह का लोकार्पण

रामेश्वरीदेवी शंकरलाल हुरकट चेरिटेबल ट्रस्ट ने बनवाया भवन

जायल। खिंबाला में रामेश्वरीदेवी शंकरलाल हुरकट चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में कमलादेवी असावा की ओर से निर्मित समाज भवन का समारोहपूर्वक लोकार्पण किया गया। समारोह में रामविलास हुरकट, माहेश्वरी सभा जायल के अध्यक्ष नथमल दरक, रमेशचंद काकाणी, कालूराम असावा, सत्यनारायण बजाज, घनश्याम असावा, श्रीनिवास बजाज, कमल बजाज, सत्यनारायण जखोटिया, ललित व्यास, रामानुज असावा, मांगीलाल असावा, राजाराम हुरकट, अशोक हुरकट आदि उपस्थित थे। इसी प्रकार गोटर में टूंकालिया गांव स्थित बीसहथ माता मंदिर परिसर में रामेश्वरीदेवी शंकरलाल हुरकट चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नवनिर्मित विश्रामगृह का लोकार्पण हुआ। ट्रस्टी रामविलास, राजाराम माहेश्वरी ने बताया कि बीसहथ माता मंदिर के नीचे तलहटी में ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के लिए विश्रामगृह का निर्माण करवाया है। विश्रामगृह में 10 कमरे, रसोईघर, हॉल, स्नानघर, पेयजल टंकी का निर्माण करवाया गया है।

सुश्रिता नारी स्पर्धा के साथ बैठक सम्पन्न

दिल्ली. प्रदेश द्वारा द्वितीय कार्यकारिणी बैठक व सुश्रिता नारी 2018 प्रतियोगिता गत 7 अप्रैल को आयोजित की गई। इसमें गुलाबी रंग की साड़ी में सजी-धजी बहनों के साथ दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक के इस कार्यक्रम में गणमान्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़, राष्ट्रीय उत्तरांचल सहमंत्री शर्मिला राठी, राष्ट्रीय सुलेखा समिति प्रभारी मंजू माधनिया, राष्ट्रीय सुश्रिता समिति संयोजिका उर्वशी साबू, सुश्रिता समिति सहसंयोजिका प्रभा जाजू थीं। सर्वप्रथम प्रदेशाध्यक्ष किरण लढा द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद प्रदेश सचिव श्यामा भांगडिया द्वारा रिपोर्ट पढ़ी गई एवम क्षेत्रीय अध्यक्ष व सचिव द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे सभी ने बहुत सराहा। इसके पश्चात शुरू हुई प्रदेश की सुश्रिता नारी प्रतियोगिता में प्रथम 3 राउंड 25 प्लस, द्वितीय 3 राउंड 45 प्लस के रखे गए। 10 व 7 बहनों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित सुश्रिता नारी 2018 प्रतियोगिता में 25 प्लस आयु वर्ग में सुश्रिता नारी अमृता दम्माणी, प्रथम रनरअप वामिका बाहेती और द्वितीय रनरअप डॉ.ज्योति डागा चुनी गईं। 45 प्लस में सुश्रिता नारी डॉ. शशिलता लढ़ा, प्रथम रनरअप बेला सारडा व द्वितीय रनरअप मंजू सारडा व निर्मला भट्टड़ रहीं। सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का संचालन प्रभा जाजू, राजश्री मोहता, इंदू लढ़ा व प्रीति झंवर ने किया। अंत में शर्मिला राठी का जन्मदिवस भगवान को समर्पित माला पहनाकर व गीत गाकर मनाया गया। श्रीमती राठी ने 5000 रुपये का चेक प्रदेश कोष में दिया।

विवाह समस्याओं का होगा निदान

रायपुर. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति की बैठक स्थानीय महेश भवन में आयोजित हुई। संगठन मंत्री राजकुमार राठी ने बताया कि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्यांचल उपसभापति मोहन राठी ने महासभा द्वारा प्री-वेडिंग शूट को प्रतिबंधित करने की जानकारी देते हुए इस नियम का पूरे प्रदेश में सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेशाध्यक्ष बिट्ठल भूतड़ा ने विवाह योग्य युवक-युवतियों के विवाह में आने वाली दिक्कत को दूर करने के लिए विवाह प्रकोष्ठ का विस्तार करने व दुर्ग की तरह पुनः हर वर्ष विशाल सामूहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन करने की घोषणा की। इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. रवि राठी ने 13 मई को रायपुर के गुढ़यारी स्थित महेश भवन में विशाल स्वास्थ्य शिविर लगाने की जानकारी दी। संविधान समिति अध्यक्ष राजकिशोर गांधी ने संविधान समिति द्वारा अभा माहेश्वरी महासभा के मॉडल विधान में दिए गए सुझाव से अवगत करवाया व महेश नवमी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए सुशील लाहोटी को जवाबदारी दी गई। बैठक में श्याम सोमानी, डीडी भूतड़ा, नारायण राठी, नरेंद्र लोहिया, अशोक राठी, राजकुमार राठी, गोविंद इनानी, राधेश्याम राठी, रामकिशोर केला, रामरतन मूंदड़ा, प्रकाश माहेश्वरी, डॉ. रमेश भट्टड़, राजकुमार गांधी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश मंत्री नारायण राठी ने किया। आभार प्रदर्शन संगठन मंत्री राजकुमार राठी ने किया।

मात्र 40 परिवारों ने उठाया भव्य भवन निर्माण का बीड़ा

सभी परिवार मध्यमवर्गीय फिर भी दो मंजिल तक किया निर्माण, अब सहयोग की दरकार

नेवरा तिल्दा . किसी की प्रेरणा और समाज के गौरव की चिंता किस तरह इतिहास रचवा सकती है, इसका प्रमाण बन रहा है, नेवरा तिल्दा (बालौदा बाजार) का माहेश्वरी भवन। दृढ़संकल्प हो तो हर बाधा छोटी पड़ जाती है, इसे यहाँ के 40 माहेश्वरी परिवारों ने सिद्ध कर दिखाया है।

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के भूतपूर्व अध्यक्ष बंसीलाल राठी चेन्नई का आगमन 14 जुलाई 1998 को नेवरा तिल्दा में हुआ था। श्री राठी ने स्थानीय सभा को समाज भवन निर्माण हेतु उत्साहित किया। काफी समय बीतने के बाद भी संसाधन के अभाव के कारण विलंब से यह प्रेरणा रंग लाई। आखिरकार 16000 वर्ग फीट (100 बाय 160 वर्गफीट) के प्रांगण में 14 दिसंबर 2016 को अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के भूतपूर्व कोषाध्यक्ष दामोदरदास मूंदड़ा राजनांदगांव एवं रामरतन मूंदड़ा भाटापारा एवं क्षेत्रीय विधायक जनकराम वर्मा (बलौदा बाजार) के कर कमलों द्वारा भूमिपूजन एवं भवन निर्माण कार्य शुरू हुआ।

अनहोनी को होनी कर दिखाया

यहाँ जो हुआ वह वास्तव में अनहोनी को होनी करने जैसा ही है। अब तक दो मंजिला भवन निर्माण कार्य इस प्रकार है-भू-तल पर 4000 वर्ग फीट का एक हॉल, 18 बाय 12 वर्गफीट के अटैच लेटबाथ के 6 कमरे, 1000 वर्गफीट का भव्य किचन। प्रथम तल पर 18 बाय 12 वर्गफीट के 4 व 22 बाय 12 वर्गफीट के 5 कमरे लेटबाथ अटैच सहित 3000 वर्गफीट का हॉल 4-4 लेटबॉथ कॉमन तथा 1000 वर्गफीट का एक किचन। उपरोक्त निर्माण कार्य पूर्ण कर चुके बंधुओं की पृष्ठभूमि यह है कि ये समाज के मूलतः 13 परिवार व चौके के हिसाब से 30 परिवार तथा आसपास के शहर के मिलाकर कुल 40 परिवार हैं। इनमें से 80 प्रतिशत परिवार नौकरीपेशा (प्राइवेट संस्थानों में) हैं। शेष छोटा-मोटा व्यापार कर जीवनयापन करते हैं।

समाज बने सहयोगी

अभी-भी भवन की साज-सज्जा तथा फ्लोरिंग आदि शेष है। जिसकी अनुमानित लागत 40-45 लाख रुपए है। स्थानीय समाज ने इस निर्माण कार्य को पूर्ण करने में सहयोग की समस्त समाजजनों से अपील की है। इसके निर्माण में भूतल 4000 वर्ग फीट सभागृह हेतु 21 लाख रुपए, प्रथम मंजिल सभागृह हेतु 15 लाख रुपए व कमरे के लिए 2.5 लाख रुपए सहयोग राशि अपेक्षित है। यही अनिवार्य नहीं है, अन्य राशि भी स्वीकृत है। सहयोग राशि बैंक ऑफ इंडिया के 'माहेश्वरी समाज नेवरा' के खाता क्रमांक 935910110006139 IFSC Code - BKID 0009359, MICR Code - 492013501 में जमा की जा सकती है।

भवन निर्माण से संबंधित जानकारी एवं सहयोग के लिये भवन अध्यक्ष डॉ. रमेश भट्टड़ 9424212145, 9301536040 पर सम्पर्क करे।

लाहोटी को गोल्ड मेडल के साथ पीएचडी

नौखा (बीकानेर). समाज सदस्य राधेश्याम लाहोटी को श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी उदयपुर द्वारा वैदिक एस्ट्रोलॉजी में 'ज्योतिष एवं रोग' विषय पर रिसर्च करने पर डाक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि गोल्ड मेडल के साथ प्रदान की गई। श्री लाहोटी ने यह शोध कार्य डॉ. हर्षद जोशी के निर्देशन में पूर्ण किया। संभवतः पूरे बीकानेर जिले में इस विषय पर यह पहला शोध कार्य है। गौरतलब है कि श्री लाहोटी पूर्व में ज्योतिष विषय में डिप्लोमा कोर्स एवं मास्टर डिग्री पूर्ण कर चुके हैं। उदयपुर में आयोजित होने वाले आगामी दीक्षांत समारोह में श्री लाहोटी को सम्मानित किया जाएगा।

जिंदगी को बदलने में कभी वक्त नहीं लगता है। मगर कभी कभी वक्त को बदल जाने में पूरी जिन्दगी लग जाती है..

शिवमहापुराण कथा का आयोजन

देवधर (झारखंड). बाबा बैजनाथधाम की पावन धरा पर शिव महापुराण की कथा का आयोजन गत 18 मार्च से माहेश्वरी भवन सभागार में मूंधड़ा परिवार के तत्वावधान में किया गया। शुभारंभ प्रादेशिक सभा अध्यक्ष विनयकुमार माहेश्वरी ने किया। माहेश्वरी महिला संगठन एवं युवा संगठन ने विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया। इस शोभायात्रा में महिला संगठन की अध्यक्ष इंदू मूंधड़ा, उपाध्यक्ष वीणा मूंदड़ा, सचिव आशा नेवर, सदस्य रंजना मूंधड़ा, विमला माहेश्वरी, सुनीता मूंधड़ा, इंदू मूंधड़ा की टीम ने पथ संचालन में सहयोग प्रदान किया। इसी के अंतर्गत 25 मार्च को रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ।

दक्षता समिति ने मनाई रजत जयंती

हैदराबाद. गत 30 मार्च को महिला सशक्तिकरण की दिशा में पच्चीस वर्षों से समर्पित महिला दक्षता समिति की राज्य इकाई ने रजत जयंती समारोह मनाया। चंदानगर स्थित समिति के परिसर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू थे। विशिष्ट अतिथि गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा तथा सम्मानित अतिथि तेलंगाना राज्य के उपमुख्यमंत्री मोहम्मद महमूद अली, सासंद के. विश्वेश्वर रेड्डी तथा शेरीलिंगमपल्ली के विधायक अरेकापुडी गांधी थे। महिला दक्षिता समिति की संस्थापक व अध्यक्ष डॉ. सरोज बजाज ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व समिति के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समिति द्वारा सहयोगियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कंस्ट्रक्शन कमेटी के चेयरमैन तथा ट्रस्टी रामअवतार सर्राफ, वाइस चेयरमैन तथा ट्रस्टी सज्जन गोयनका, ट्रस्टी प्रमोद केडिया, सत्यनारायण धानुका, जया डागा, अर्चना मालानी, सुरेश लाहोटी, प्रकाश गोयनका, जया बाहेती तथा सुभाष गोयनका शामिल थे। महिला दक्षता समिति की स्मारिका का विमोचन भी मंचस्थ अतिथियों ने किया। समारोह में तेलंगाना के प्रिसिंपल सेक्रेटरी राजेश्वर तिवारी, सेवानिवृत आईएएस विनोद के. अग्रवाल, रमेश बंग आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन पराग बजाज ने किया।

महिलाओं को दिया रोजगार

अहमदाबाद. गत 31 मार्च और 1 अप्रैल को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा दो दिनी एनएस लाइफ स्टाइल एक्जीबिशन के जरिये महिला उत्थान के लिए 37 स्टॉल दिए गए। इससे महिलाओं को रोजगार प्राप्त हुआ। 31 मार्च को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा महावीर जयंती एवं हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर सुंदरकांड का पाठ करवाया गया।

गुरूर में इंसान को कभी इंसान नहीं दिखता
जैसे छत पर चढ़ जाओ तो
अपना ही मकान नहीं दिखता।

11 प्याऊ का किया संचालन

भीलवाड़ा. महेश ब्रिगेड टीम ने रामनवमी पर शहर में 11 शीतल जल प्याऊ संचालित की। प्याऊ का सामूहिक उद्घाटन सूचना केंद्र चौराहे पर हुआ। पूर्व सभापति ओम नारानीवाल, उद्योगपति जयेश बांगड़, भाजपा महामंत्री कल्पेश चौधरी, कैलाश सोनी और छीतरमल बाहेती अतिथि थे। अनिल लाहोटी, राकेश समदानी, अर्चित मूंदड़ा, मुकेश मेलाना, पंकज सोमानी, पिंटू मूंदड़ा, अनिल चौधरी, दिनेश बाहेती, अशोक तोषनीवाल, कमलकांत सोनी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने की प्रांजल की पेंटिंग की प्रशंसा

जोधपुर. शहर की एक होनहार बालिका की पेंटिंग देख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभिभूत हो गए। मूलतः तिवंरी के व हाल सूरत निवासी सीए अरविंद मुकनचंद सोनी ने सांसद सीआर पाटिल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री से औपचारिक मुलाकात की। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेट्स सूरत की ओर से 20 सीए, डेलिगेट्स के साथ व्यापार और जीएसटी के सरलीकरण के सिलसिले में पीएम मोदी से हुई चर्चा के दौरान श्री सोनी ने अपनी बेटी प्रांजल की बनाई पेंटिंग भेंट की। 12 वर्षीय प्रांजल की 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' थीम पर बनाई पेंटिंग देख प्रधानमंत्री अभिभूत हो गए। प्रधानमंत्री ने पेंटिंग की सराहना करते हुए इसे मुहिम से जोड़ने की बात कही।

निर्धन कन्याओं को विवाह सामग्री भेंट की

मेरठ. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर व नवरात्रि के उपलक्ष्य में गत 26 मार्च को 3 निर्धन कन्याओं के विवाह हेतु सामान दिया गया। इसके अंतर्गत कपड़े, बर्तन, आटा, कम्बल, घड़ी, ज्वेलरी व निजी जरूरत का सभी सामान व 5100 रुपये की धनराशि प्रत्येक कन्या के विवाह के उपलक्ष्य में दी गई। अध्यक्ष मधु डांगरा व मंडल की सभी सदस्याओं का पूर्ण रहा।

छात्रावास का 16वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

बेंगलुरु. स्थानीय माहेश्वरी छात्रावास द्वारा 16वां वार्षिकोत्सव ''उत्कर्ष-10'' फाउंडेशन के चेयरमैन गौरीशंकर सारडा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। अभी तक गत 16 वर्षों में छात्रावास के करीब 600 छात्रों ने देश-विदेश में अपनी कामयाबियों से समाज का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर पुराने सीनियर्स का सम्मान भी किया गया। उन्होंने अपने-अपने विचार भी रखे। सीनियर्स व जूनियर ने मिलकर एक एसोसिएशन का गठन करने का निर्णय भी लिया। प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। संचालन छात्रों की तरफ से डॉ. गोविंद सोमानी एवं उनकी टीम ने कार्य किया। आभार ललित मालानी ने माना।

स्पोर्टिंग क्लब ने मनाया हनुमान जन्मोत्सव

कोलकाता. बड़ा बाजार अंचल के श्री नींबूतल्ला भवन ट्रस्ट व इसकी सहयोगी संस्था श्री नींबूतल्ला स्पोर्टिंग क्लब द्वारा क्लब परिसर में श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। अमित दम्माणी ने श्री हनुमानजी का विधि-विधान के साथ दुग्धाभिषेक किया। इस अवसर पर आयोजित सामूहिक सुंदरकांड पाठ में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया। पूर्व विधायक संजय बक्सी भी सपत्नीक उपस्थित थे। कार्यक्रम में सुरेंद्रकुमार मूंधड़ा, घनश्यामदास मूंधड़ा (धन्नू), राजेश डागा, किशनलाल मोहता, जयकिशन झँवर, ईश्वरचंद बियानी, इंद्रकुमार मोहता, पुरुषोत्तमदास मिमानी, सुरेश डागा, मूलचंद राठी, किशनगोपाल मालू, श्यामसुंदर भैया आदि ने सहयोग दिया।

राजस्थान दिवस का हुआ आयोजन

बीकानेर. राजस्थान क्लब द्वारा गत 30 मार्च को राजस्थान दिवस का आयोजन वृंदावन हाल सिविल लाइन में किया गया। मीडिया प्रभारी राजकुमार राठी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरुण वोरा थे। अध्यक्षता मोतीलाल झाबक ने की। विशिष्ट अतिथि विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रमेश मोदी ने राजस्थानी समाज के सभी घटकों को एक सूत्र में पिरोने की बात कही।

दिल्ली प्रदेश में सदस्यता विस्तार जारी

दिल्ली. दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष किरण लढ़ा व सचिव श्यामा भांगड़िया तथा सदस्य उमा झंवर के नेतृत्व में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सदस्यता विचार में करीब 30 नए सदस्य बनाए गए। सुचिता समिति द्वारा पश्चिमी दिल्ली की नववर्ष पर आयोजित जगन्नाथ रथयात्रा में सहभागिता की गई। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की डोर खींचने में भी सदस्यों ने भागीदारी की। दिल्ली प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र द्वारा आयोजित रामनवमी के पावन पर्व पर भजन संध्या व सुंदरकांड का आयोजन हुआ। 31 मार्च को दक्षिणी क्षेत्र में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 32 महिलाएं व उत्तरांचल से राष्ट्रीय सहसचिव शर्मिला राठी भी उपस्थित थीं। सुरभि द्वारा दिल्ली प्रदेश के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र द्वारा गणगौर माता का सिंजारा मनाया गया। सुलेखा द्वारा रा. स्तर की पंचम प्रतियोगिता 'नारी तेरे रूप अनेक' के रिजल्ट घोषित किए गए। संवरना समिति द्वारा दिल्ली प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र द्वारा संवरणा समिति के अंतर्गत गरीब कन्या के विवाह में जरूरत का सामान व नकद राशि भेंटकर सहभागिता की गई।

बागड़ी ने किया प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

नागपुर. जीवन सुरक्षा प्रकल्प के तहत सदस्यों के लिए प्रशिक्षण शिविर 'गोल्डन अवरस' का आयोजन महाराष्ट्र राज्य आरोग्य विभाग, 'राज्य सरकार डायल-108' के सहयोग से किया गया। इसकी अध्यक्षता नागपुर महानगरपालिका महापौर नंदाताई जिचकर ने की। प्रमुख अतिथि वरिष्ठ समाजसेवक शरद बागड़ी, माझी मेट्रो व्यवस्थापक अनिल कोकाटे, भारती बागड़ी भाजपा शहर महामंत्री व भाजपा सत्तापक्ष नेता संदीप जोशी थे। राजू वाघ ने श्री बागड़ी का परिचय दिया। भाजपा द.प. के प्रभाग अध्यक्ष नितीन महाजन ने श्री बागड़ी का स्मृति चिह्न व भारती बागड़ी का पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया।

स्वर्णिम मौके का फायदा उठाने से बेहतर है, हर मोके को स्वर्ण में तब्दील करना।

समाज का स्नेह सम्मेलन सम्पन्न

इंदौर. श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाज का स्नेह सम्मेलन एवं सम्मान समारोह दलाल बाग में संपन्न हुआ। सम्मेलन के अतिथि सुभाष राठी, श्रीनिवास सोनी, राजेश भट्टड़ व सुरेश बाहेती थे। संस्था अध्यक्ष जयनारायण दम्मानी ने स्वागत भाषण देकर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मप्र फॉर्मासिल कौंसिल में उपाध्यक्ष पद पर मप्र शासन द्वारा युवा समाजसेवी घनश्याम काकाणी को मनोनीत किए जाने पर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा होली नृत्य नाटिका, युवा संगठन के द्वारा रंगारंग तंबोला एवं सखी संगठन के द्वारा फैंसी ड्रेस स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से अशोक डागा, कैलाश मूंगड़, लक्ष्मण माहेश्वरी, रामेश्वर असावा, डिंपल माहेश्वरी, नितेश मूंदड़ा, दीप्ति राठी, नीलेश मालपानी सहित अन्य समाजजन मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री कमलेश माहेश्वरी ने किया। आभार प्रदर्शन समदानी ने किया।

प्री–वेडिंग शूटिंग पर लगाई रोक

नागौर. जिला माहेश्वरी सभा की बैठक गत 1 अप्रैल को माहेश्वरी भवन, मकराना में जिलाध्यक्ष गोपीकिशन बंग की अध्यक्षता में हुई। इसमें अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा सोमनाथ मीटिंग में शादी से पूर्व जोड़ों की प्री-वेडिंग शूट के प्रचलन पर रोक लगाने के निर्णय के अंतर्गत जिला सभा द्वारा सर्वसहमति से रोक का निर्णय लिया गया। नागौर जिलाध्यक्ष बंग ने बताया कि लाखों रुपए की फिजूलखर्ची के साथ भारतीय संस्कृति के विपरीत आचरण किए जाने वाली कुरीति को जड़ से उखाड़ना अति आवश्यक है। श्री बंग ने बताया कि प्रतिभावान सम्मान समारोह के आयोजन की तारीख 19 अगस्त निर्धारित की गई है। जिले से आये सभी समाजबंधुओं का मकराना पंचायत अध्यक्ष महेशकुमार रांदड़ व जिला सचिव पुरुषोत्तम लाहोटी ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। मीटिंग में मध्य राजस्थान प्रा. माहेश्वरी सभा अध्यक्ष केसरीचंद तापड़िया, सेवा सदन पुष्कर के महामंत्री रमेशचंद छापरवाल, मध्य राजस्थान प्रा. महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता रांदड़, युवा संगठन अध्यक्ष सुरेंद्र रांदड़, अभा माहेश्वरी सभा कार्यसमिति सदस्य महावीर बिदादा एवं कार्यकारिणी सदस्य संपतराज बिड़ला, राजेंद्रकुमार बंग, रामस्वरूप मोदी, पवन भंडारी, नंदकिशोर बजाज, द्वारकाप्रसाद हेड़ा, बिहारीलाल चांडक, अमरचंद रांदड़ सहित कई सदस्य मौजूद थे।

सोनी बने अध्यक्ष

इंदौर. कुष्ठ रोग के लिए आचार्य विनोबा भावे एवं दादाभाई नाईक द्वारा स्थापित कुष्ठ सेवा संस्था के त्रिवार्षिक चुनाव निर्वाचन अधिकारी जुगलकिशोर राठी एवं प्रो. सुरेशचंद मूंदड़ा के संरक्षण में हुए। इसमें समाजसेवी श्रीनिवास सोनी अध्यक्ष तथा लक्ष्मण माहेश्वरी वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए। संस्था के संरक्षक सागरमल खटौड़ एवं पवन चौकसे बनाए गए। संस्था के ऑडिट के लिए सीए संजय सोढ़ानी को ऑडिटर नियुक्त किया गया। उक्त जानकारी सचिव मनीषा शिरढोणकर ने दी।

बाहेती पुनः सदस्य मनोनीत

कोटा. लघु उद्योग काउंसिल ऑफ कोटा के अध्यक्ष एवं कोटा सिटीजन्स काउंसिल के चेयरमैन एलसी बाहेती को देश के शीर्षस्थ औद्योगिक संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की राजस्थान स्टेट काउंसिल द्वारा 2018-19 के लिए लगातार 11वीं बार सदस्य मनोनीत किया गया है। स्टेट काउंसिल राज्यस्तर पर सीआईआई की अपेक्स बॉडी है जिसके सुझावों एवं कार्यप्रणाली को राज्य सरकार के औद्योगिक, प्रशासनिक एवं आर्थिक मंत्रालयों में पूरी अहमियत दी जाती है।

जल व स्वास्थ्य सेवा में योगदान

अमरावती. श्री महेश सेवा समिति द्वारा नववर्ष गुड़ी पड़वा के दिन महेश भवन में पाणपोई की शुरुआत की गई। उसी दिन शल्य क्रिया हेतु 5 हजार रुपए की राशि चेक द्वारा अजय राधेश्याम राठी को दी गई। इसी क्रम में 31 मार्च को भी शल्य क्रिया हेतु 5 हजार रुपए की राशि चेक द्वारा शोभा घनश्यामदास जाजू को दी गई। गत 25 मार्च को माहेश्वरी सेवा मंच द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें कार्यकारिणी सदस्य डॉ. गणेश बूब को महेश रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया।

बराड़िया बने बैंक सलाहकार

सोलापुर. प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम बराड़िया के सुपुत्र जयप्रकाश बराड़िया (बार्शी) स्थानीय व्यापारी सहकारी बैंक के सलाहकार सर्वसम्मति से चुने गए। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

युवा संगठन शहर अध्यक्ष बने करनानी

बीकानेर. महेश भवन में हुई माहेश्वरी युवा संगठन शहर इकाई की बैठक में सर्वसम्मति से व्यवसायी रितेश करनाणी को युवा संगठन शहर अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। बैठक में अनेक युवाओं के साथ समाज के गणमान्यजन तथा माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गोपीकिशन पेड़ीवाल, मंत्री रघुवीर झंवर, किशन लोहिया, महेंद्र गट्टाणी, सुरेश राठी, अनिल चांडक, नवल राठी, कालू राठी, सुरेश पेड़ीवाल, भवानी राठी, देवानंद सोमानी, सुनील सारड़ा आदि उपस्थित थे। सभा में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने करनाणी का करतल ध्वनि से स्वागत किया।

खेल प्रशिक्षक को गोपीदास गोवर्धनदास ट्रॉफी से किया सम्मानित

नागपुर. क्रीड़ा भारती व नागपुर विवि स्पोर्ट्स एसोसिएशन का 'खेल खिलाड़ी खेलो' का छटवां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस सभागृह, महाराजबाग रोड पर आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा नागपुर शहर अध्यक्ष आमदार सुधाकर कोहळे व विशेष अतिथि राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त समाजसेवक, लेखक व पोर्टफोलियो कंसल्टेंट शरद गोपीदास बागड़ी थे। अतिथि इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस कॉलेज डायरेक्टर अत्राम, सेल्स टैक्स जीएसटी सेल्स टैक्स डिप्टी कमिश्नर विनोद गवई, भूतपूर्व मेयर व नगरसेवक सुनील अग्रवाल, प्रचारक क्रीड़ा भारती पदाधिकारी आ. बबनराव बडिये, ओलंपिक गोल्ड मेडल विनर कंचनबाला (दिव्यांग जो देख नहीं सकती) थी। इस मौके पर विवि के विजेता विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देने वाले कोच, प्राध्यापकों को श्री बागड़ी, आत्रम व अतिथियों के हाथों पुरस्कार दिए गए।

पिता की स्मृति में बागड़ी ने दी ट्रॉफी

श्री बागड़ी ने संबोधन में कहा कि खेलकूद यह जीवन का हिस्सा है व मनुष्य को पूर्ण स्वस्थ रखने व कुशलता से कार्य करने के लिए तन व मन दोनों की जरूरत है। बगैर स्वस्थ तन के मन स्वस्थ नहीं रह सकता। आज के बच्चों ने खुद को मोबाइल, कम्प्युटर में कैदकर लिया है। उनको खेलकूद में वापस लाने के लिए साधन व प्रोत्साहन जरूरी है। संयोजक संजय लोखंडे ने स्व. श्री गोपीदास बागड़ी का परिचय देते हुए कहा कि गोपीदासजी एक सच्चे वैष्णव थे, जो अपने सीधे सादे जीवन में सच्चाई पर चलते थे व भगवान पर भरोसा रखते थे। शरदजी भी पिताजी की सीख पर भगवान पर पूरा भरोसा रखते हुए सादगी, सच्चाई व परोपकार की राह पर चल रहे हैं। विशेष पुरस्कार 'गोपीदासजी गोवर्धनदासजी बागड़ी' के नाम की रोलिंग ट्रॉफी थी। 'गोपीदासजी गोवर्धनदासजी बागड़ी ट्रॉफी' महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा क्षत्रपति पुरस्कार प्राप्त त्रिलोकीनाथ सिधरा को दी गई, जो सियाल ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्रशिक्षक थे। श्री सिधरा परशुराम सर्व ब्राह्मण सचिव, महाराष्ट्र स्टेट काउंसिल के पूर्व सदस्य भी थे। प्रशांत बमबाल जो पोरवाल कॉलेज स्पोर्ट्स हेड हैं, को सफल क्रिकेट कोचिंग के लिए पी विमला नायडु ट्रॉफी दी गई।

महेश चौक का भूमिपूजन सम्पन्न

मलकापुर. रामनवमी की पावन पर्व पर स्थानीय महेश भवन के सामने वाले चौक का नामांतरण करके महेश चौक नाम दिया गया। यहां भगवान महेश का एक भव्य स्तूप बनाने का प्रयोजन है। बुलढाणा अर्बन के सर्वेसर्वा और समाज भूषण राधेश्याम चांडक की अध्यक्षता, नगराध्यक्ष हरिश रावल, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष मदनलाल मालपाणी, नगरसेवक अनिल गांधी, गोपाल राठी, समाज अध्यक्ष विनोदकुमार मूंधड़ा और समाजबंधुओं की उपस्थिति में इस जगह का भूमिपूजन किया गया। आगामी महेश नवमी के पूर्व इसका निर्माण पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

सहकारी संस्थाओं की समस्याओं का होगा समाधान

हैदराबाद. आबिद रोड स्थित आरजीए हॉल में तेलंगाना प्रदेश को ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन की सप्तम वार्षिक सभा संपन्न हुई। इसे संबोधित करते हुए फेडरेशन के अध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने कहा कि संस्था अपने सदस्यों की समस्याओं एवं कठिनाइयों को सक्षमता से नियामक संस्थाओं के समक्ष प्रस्तुत कर उनके सार्थक समाधान के लिये प्रयास कर रही है। हाल ही में तेलंगाना सरकार द्वारा प्रदेश की सहकारी संस्थाओं के लिए 1964 के नियमों में संस्थाओं के चुनावों की कुछ धाराओं में संशोधन प्रस्तावित किए हैं। इस पर विस्तृत परिचर्चा हेतु सहकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शीघ्र ही बैठक बुलाई जाएगी।

क्या खूब कहा है,गुलजार साहब ने

थक कर बैठा हूँ... हार कर नहीं..!!
सिर्फ बाज़ी हाथ से निकली है...
ज़िन्दगी नहीं.!!!!

निःशुल्क जांच व परामर्श

जयपुर. क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला एवं क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन 3 (सोडाला) के संयुक्त तत्वावधान में गत 4 मार्च को सामुदायिक केंद्र श्यामनगर जयपुर में निःशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जयपुर में पहली बार सभी माहेश्वरी डॉक्टरों ने इस शिविर में अपनी सेवाएं दीं। शिविर में हृदय रोग, ईएनटी, जोड़ प्रत्यारोपण, शिशु चिकित्सा, यूरोलॉजी, दंत चिकित्सा, होम्योपैथी, एक्यूप्रेशर, सुजोक रैकी, जनरल मेडिसीन के डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क जाँच की गई। एएसजी आई हॉस्पिटल द्वारा आंखों की जांच करके चश्मे के नंबर दिए गए। डॉ. बी. लाल क्लिनिकल लेबोरेटरी व जीवन ज्योति हास्पिटल द्वारा विभिन्न जांच की गई। शिविर का उद्घाटन मंजूदेवी मूंदड़ा ने किया। मुख्य अतिथि ब्रह्मप्रकाश मूंदड़ा, स्वागताध्यक्ष बजरंगलाल बाहेती व विशिष्ट अतिथि हुकमीचंद मूंदड़ा थे। चिकित्सकों का माल्यार्पण व स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया गया। शिविर के मुख्य संयोजक सत्यनारायण मोदानी थे। अध्यक्ष नवलकिशोर, सचिव प्रहलाददास खटौड़, कोषाध्यक्ष रमेशचंद्र जाखोटिया, संगठन मंत्री अशोक पचीसिया आदि मंच पर मौजूद थे। माहेश्वरी महिला संगठन जोन 3 की अध्यक्ष रेखा धूत, सचिव उमा सोमानी एवं सहसंयोजक सरोज मनिहार भी मौजूद थे। समापन पर आभार क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष नवलकिशोर झंवर ने माना।

हनुमान जन्मोत्सव का हुआ आयोजन

मोवा. महेश सभा द्वारा श्री सालासर हनुमान जन्मोत्सव महेश भूमि मोवा पर मनाया गया। महेश सभा के सचिव किसनगोपाल करवा ने बताया कि सुबह 8 बजे हनुमानजी की पूजा-अर्चना की गई। सुबह 11 बजे से मुंबई, नागपुर से विशेष आमंत्रित कलाकारों द्वारा हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ किया गया। शाम 5 बजे से टाटानगर से आये कलाकारों द्वारा झांकी एवं शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया। शाम 7 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष बिठला भूतड़ा, ओमप्रकाश लाहोटी, गोपाल राठी, सुशील लाहोटी, किसनलाल राठी, सुशील लखोटिया, नारायणदास चांडक, भगवतीप्रसाद सोमानी सहित कई समाजजन मौजूद थे।

जलसेवा केन्द्र का शुभारंभ

वरंगल. स्थानीय महेश कला समिति द्वारा जल सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। समिति गत 29 वर्षों से भीषण गर्मी में समाज बंधुओं के सहयोग से जल सेवा केंद्र का आयोजन करती आ रही है। गत एक अप्रैल को सुबह 10.15 बजे सुनील टॉकीज के बाहर जल सेवा केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि वेणुगोपाल मूंदड़ा अध्यक्ष प्रगतिशील मारवाड़ी समाज वरंगल द्वारा किया गया। इस वर्ष जल सेवा केंद्र में पेयजल का पूर्ण सहयोग मथुरादास गोपालदास सारडा की तरफ से दिया जा रहा है। हर दूसरे दिन करीब 2000 से 2500 राहगीरों में छाछ का वितरण भी सभी के सहयोग से किया जाता है। इस अवसर पर समाज के दामोदरदास मालाणी, दिलीप तापडिया, रणछोड़ बजाज, अनिल सोनी, जीतू मूंदड़ा, दिलीप कांकरिया, अशोक सोनी, प्रकाश कांकरिया सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

कुमुद विहार समिति के चुनाव

भीलवाड़ा. कुमुद विहार विकास समिति के चुनाव गत दिनों संपन्न हुए। इसमें सुरेश माहेश्वरी अध्यक्ष, बलवंतराय लढ़ा सचिव व अजय लोहिया निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुने गए। इसी तरह कॉलोनी के सांस्कृतिक मंत्री निरंजन पाटनी को एवं प्रचार मंत्री गणपत चौपड़ा को मनोनीत किया गया। समिति के संरक्षक तिलोकचंद छाबड़ा ने बताया कि कार्यकारिणी का गठन 2 वर्ष के लिए हुआ है।

'पृथ्वी पर कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है'
'जिसको समस्या न हो'
'और'
'पृथ्वी पर कोई समस्या ऐसी नहीं है'
'जिसका कोई समाधान न हो...

कैंसर जांच व जागरूकता शिविर

दिल्ली. गत 24-25 मार्च को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक माहेश्वरी सेवा सदन, कल्याण विहार के प्रांगण में मारवाड़ी युवा मंच, दिल्ली शाखा के सहयोग व जयचंद लाल करवा चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से निःशुल्क कैंसर जांच व जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें फोर्टिस अस्पताल शालीमार बाग के अनुभवी डॉक्टरों ने निःशुल्क परामर्श प्रदान किया। कैंसर की जांच मारवाड़ी युवा मंच की विशेष बस में की गई। इसमें रक्त की जांच व लैब, एक्स रे, मैमोग्राफी की सुविधा शामिल थी। शिविर का उद्घाटन जयचंदलाल करवा चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी व मंडल उपाध्यक्ष नंदकिशोर करवा, फोर्टिस अस्पताल फैशिलिटी डायरेक्टर महिपालसिंह भनोट, मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि अग्रवाल तथा मोबाइल वैन का उद्घाटन मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. जगदीशचंद्र मूना एवं भवन में नई लिफ्ट का उद्घाटन महावीरप्रसाद मंत्री व श्यामसुंदर बिहानी के द्वारा संपन्न हुआ। दो दिवसीय शिविर में लगभग 351 लोगों का जांच हेतु रजिस्ट्रेशन हुआ। इसमें सीबीसी के 287, पीएसए के 36, एक्स-रे के 57, मैमोग्राफी के 37 व पेप स्मीपयर के 44 टेस्ट किए गए। दंत चिकित्सक से 75 लोगों ने परामर्श लिया। फिजियोथैरेपी की निःशुल्क व्यवस्था थी।

हेड़ा परिवार की सती माता का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

धमाना . राजस्थान में हेड़ा परिवार की सती माता विराजमान हैं। यहां पर हर वर्ष बैशाख सुदी 10 को रात्रि जागरण होता है। सुबह प्रसादी की भी व्यवस्था रहती है। यहाँ पर धमाना-सिंहपुर व मुंगाना के हेड़ा परिवार आते हैं। इस वर्ष विशेष तौर पर शाहपुरा-फुलियाकला, साफला, भीलवाड़ा, नडियाद एवं वासद से भी कई हेड़ा बंधु शामिल हुए।

अक्सर वही दीए
हाथों से जला देते हैं
जिसको हम हवा से
बचा रहे होते हैं।

राजस्थानी थीम पर मनाया 71वां स्नेह सम्मेलन

इंदौर. माहेश्वरी मेवाड़ा पंचायती थोक डेढ़ सौ, इंदौर का 71वां स्नेह सम्मेलन 'राजस्थानी थीम' पर आयोजित हुआ। इसमें 3000 लोग सम्मिलित हुए। थोक अध्यक्ष मांगीलाल झंवर और मंत्री दिनेश चितलांग्या द्वारा थोक की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। महिला मंडल, युवा मंडल एवम सभी संयोजकगण बसंत भट्टर, जयकिशन डागा, मनीष जाखेटिया एवं मधु लड्ढा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल और शानदार आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बी.एल. मालपानी एवं विशेष अतिथि राजेश मूँगड, शैलेश होलानी थे। कार्यक्रम का संचालन मारवाड़ी में कुसुम लाहोटी एवं राजेश लाहोटी ने किया। आभार मनीष जाखेटिया ने माना।

महिला मंडल ने मनाया वार्षिकोत्सव

वरंगल. राजस्थानी महिला मंडल का वार्षिकोत्सव गत 07 अप्रैल को प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में मनाया गया। सर्वप्रथम मंडल कोषाध्यक्षा उषा सत्यनारायण बजाज ने वर्ष 2017-2018 का आय-व्यय का ब्यौरा सभा के समक्ष पेश किया। मंडल की मंत्री अनुराधा मूंदड़ा ने गत वर्ष मंडल द्वारा किये गये कार्यों की कार्य प्रगति रिपोर्ट सभा के सम्मुख पेश की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मीना किशनगोपाल लाहोटी ने सभी सदस्याओं को सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। इस वार्षिकोत्सव में समाज की नई बहुओं का सम्मान व कई मनोरंजन कार्यक्रम रखे गये। कार्यक्रम का समापन मंडल की सह मंत्री द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

हेड़ा बने माहेश्वरी सेवा संस्थान अध्यक्ष

कपासन. धमाना में माहेश्वरी सेवा संस्थान के द्विवार्षिक निर्वाचन संपन्न हुए। नाथूलाल हेड़ा के अनुसार नड़ियाद के उद्योगपति कालूराम हेड़ा की अध्यक्षता में हुए निर्वाचन में अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा, उपाध्यक्ष नाथूलाल हेड़ा, कोषाध्यक्ष गिरिराज हेड़ा सचिव लक्ष्मीनारायण राठी, सदस्य रामस्वरूप हेड़ा, प्रहलादराय हेड़ा एवं लक्ष्मीलाल हेड़ा को निर्वाचित किया गया। नाथूलाल हेड़ा, सुखलाल हेड़ा, कालूराम राठी, यशवंत आदि ने विचार रखें।

सामाजिक विषयों पर हुआ चिंतन

जबलपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निर्देशन में मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा प्रदेशाध्यक्ष विजय राठी, मप्र महेश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष त्रिलोक जाजू, प्रादेशिक संगठन मंत्री गोपाल बंग, प्रदेश संयुक्त मंत्री (नर्मदाचंल) अजय घुरका व राष्ट्रीय युवा संगठन मंत्री दीपक चांडक की उपस्थिति में माहेश्वरी समाज जबलपुर में संगठन के विभिन्न विषयों, प्री वेडिंग शूट, अन्न व्यर्थ न गंवाएं, जल संवर्धन, स्वच्छता अभियान, सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण जैसे गंभीर विषयों पर चिंतन एवं मनन किया गया। स्वागत भाषण जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष श्यामसुंदर जेठा ने दिया। संगठन आपके द्वार विषय पर विस्तृत जानकारी गिरीराज चाचा द्वारा दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष उत्तम माहेश्वरी ने किया। आभार माहेश्वरी मंडल सचिव दीपक मालपानी ने व्यक्त किया।

बंग बने सहकार भारती स्वागताध्यक्ष

हैदराबाद. सहकारी क्षेत्र की स्वायतशासी संस्था सहकार भारती द्वारा आगामी 28 व 29 अप्रैल को द्वितीय प्रादेशिक अधिवेशन का आयोजन हैदराबाद में किया जाएगा। सहकार भारती के तेलंगाना के अध्यक्ष पी. लक्ष्मीनारायण ने बताया कि इस आयोजन हेतु दक्षिण भारत की सहकारी क्षेत्र की सर्वप्रथम बहुराज्यीय अनुसूचित महेश बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग को स्वागताध्यक्ष मनोनीत किया गया।

आचार संहिता पालन पर सम्मान

जलगांव. यहां संपन्न हुए सतीश किसनलाल दहाड़ एवं संगीता दहाड़ (सुपुत्री) के विवाह में माहेश्वरी समाज की आचार संहिता का पालन किया गया। इसे लेकर जलगांव माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप के राजेश आगीवाल, महेश आगीवाल, दीपक हेड़ा, प्रकाशकुमार लाठी, दिलीप आगीवाल, सुरेश काबरा, अनिल जाखेटे, श्रीराम बिरला, अमोल सोमाणी, अरविंद दहाड़ द्वारा दहाड़ परिवार का सम्मान किया गया।

युवा संगठन ने किया कार्यशाला का आयोजन

भीलवाड़ा. पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन व समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक ओमप्रकाश तोषनीवाल के मुख्य आतिथ्य में नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा युवा कार्यशाला का आयोजन किया गया। संबोधित करते हुए श्री तोषनीवाल ने कहा कि युवा कभी झुकता नहीं है, नीर की तरह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर आगे बढ़ता रहता है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो. जगदीशप्रसाद कोगटा थे। नगर युवा संगठन अध्यक्ष हरीश पोरवाल ने बताया कि युवाओं के सर्वांगीण विकास, समाज के उत्थान में युवाओं की भूमिका के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी सहित विभिन्न विषयों को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। नगर मंत्री मनीष मूंदड़ा ने बताया समारोह में युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रप्रकाश नामधरानी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राकेश गग्गड़, राजेंद्र तोषनीवाल, तरुण सोमाणी, नवीन झंवर, विवेक पटवारी सहित कई युवा मौजूद थे।

दाना–पानी पात्र का वितरण

नागपुर. महात्मा बहुद्देशीय जनकल्याण संस्था की समिति हंसाबेन पाघडाल व कल्पतरु औद्योगिक महिला संस्था ने मिलकर बजाजनगर सीनियर सिटीजन गार्डन में नागपुर की गर्मी को देखते हुए सुबह पक्षियों के लिए हर घर आंगन में दाना-पानी के लिये पात्रों का वितरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवक शरद बागड़ी, भारती शरद बागड़ी व मधुभाई पटेल थे। नीलिमाताई ने मुख्य अतिथि श्री बागड़ी का परिचय दिया। संस्था की हंसाबेन ने श्री बागड़ी व कल्पतरु औद्योगिक संस्था की नीलिमा बावणे ने मधुभाई पटेल का पौधा देकर सत्कार किया। भारती बागड़ी का सत्कार शैलजा चाहांदे ने किया।

ये गलत है के हम वफादार नही है
सच तो ये है के हम अदाकार नही है

पत्नी की स्मृति में रक्त तुला दान

अमरावती. रक्तदान ने अमरावती जिले को पूरे राज्य में व्यापक पहचान दी है। शहर के रक्तदाताओं की ओर से अनेक कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। ऐसा ही एक रिकॉर्ड शहर के राठी परिवार ने अपने नाम किया है। अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद उनके वजन के अनुसार रक्त संकलन कर रक्ततुला दान अनिल राठी एवं परिवार ने किया। इसका इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में पंजीयन किया गया है। श्री राठी की पत्नी स्व. श्रीमती सुमन का 50 वर्ष की उम्र में ब्रेन ट्यूमर के चलते निधन हो गया था। 21 अक्टूबर 2016 को निधन होने के बाद स्व. सुमन की याद में हर माह विभिन्न सामाजिक उपक्रमों को आयोजित करने का संकल्प उन्होंने लिया। इसके अंतर्गत यह रक्ततुला दान किया गया। इसके अंतर्गत करीब 184 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

राठी को सुश्रिता नारी की उपाधि

खामगांव. समाज सदस्य अक्षय राठी की धर्मपत्नी को गत 1 अप्रैल को विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से चंद्रपुर में आयोजित सुश्रिता नारी प्रतियोगिता में सुश्रिता नारी की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे विदर्भ से आई प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उनकी उपलब्धियां, बुद्धिमानी, हाजिरजवाबी तथा परिवार को लेकर चलने की क्षमता आदि को परखा गया। सभी में चंचल राठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके चलते उन्हें सुप्रसिद्ध समाजसेविका पद्मश्री डॉ. रानी अभय बंग के हाथों सुश्रिता नारी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

समाज के चुनाव सम्पन्न

वरंगल. गत 8 अप्रैल को माहेश्वरी समाज वरंगल की सत्र 2015-2018 की वार्षिक सर्वसाधारण बैठक प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में आयोजित हुई। इस अवसर पर चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश लोया, दामोदर जाखोटिया, घनश्याम दरक को सत्र 2018-2021 की उपस्थिति में स्थानीय चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी, प्रथम उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जाखोटिया, द्वितीय उपाध्यक्ष नवलकिशोर मूंदड़ा, मंत्री नवलकिशोर मणियार, प्रथम सहमंत्री डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा, द्वितीय सहमंत्री जितेंद्र मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मणियार, सहकोषाध्यक्ष भगवानदास मालाणी, सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी, सहसांस्कृतिक मंत्री धनराज मणियार चुने गए। साथ ही 10 पदेन सदस्यों की घोषणा भी की गई।

पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन में माहेश्वरी कवि

हैदराबाद. पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के भुवनेश्वर स्थित ओडिशा प्रोजेक्ट के तत्वावधान में राजभाषा के अंतर्गत सैंडी टॉवर्स होटल सभागार में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हास्य व्यंग्य कवि वेणुगोपाल भट्टड़ (हैदराबाद), सुरेंद्र यादवेंद्र (बारी), अतुल ज्वाला (इंदौर), कवयित्री प्रेरणा ठाकरे (नीमच), कैलाश भट्टड़ (हैदराबाद) और जुगल बंग जुगल (हैदराबाद) ने काव्य पाठ किया। कवियों का पुष्प गुच्छ, शॉल व स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया। पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक संजय गुप्ता ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की।

हाऊजी गेम तंबोला का हुआ आयोजन

यवतमाल. हरिशरणम् ग्रुप द्वारा यवतमला शहर में पहली बार तंबोला महातंबोला का आयोजन हुआ। शहर के प्रसिद्ध होटल मिड टाउन में आयोजित इस कार्यक्रम में हाऊजी गेम खेलने वाली 225 सदस्याओं ने सक्रिय सहभाग लेकर पूरे 4 घंटे तक इस गेम का आनंद उठाया। तंबोला महातंबोला हाऊजी गेम का मुख्य आकर्षण सोना-चांदी राउंड था। इस प्रकल्प में राजश्री गांधी, संध्या अटल, शोभा गट्टाणी, प्रेमलता माहेश्वरी, अंजू बंग, सुधा रूंगठा, कविता बाजोरिया, अलका मूंदड़ा, रश्मि भूतड़ा, सुशीला बंग आदि ने सहयोग प्रदान किया।

जिंदगी में खत्म होने जैसा
कुछ नहीं होता
हमेशा,
एक नई शुरुआत
आपका इंतजार करती है.

होली एवं गणगौर की धूम

देश-विदेश के कोने-कोन में बसे माहेश्वरी समाजजनों ने रंगों का पर्व सामूहिक रूप से मनाया। इस पर्व पर स्नेह मिलन समारोहों के आयोजन के समाचार अभी-भी प्राप्त हो रहे हैं। इसके साथ ही सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से गणगौर पर्व भी सामूहिक रूप से मनाया गया

बीकानेर. माहेश्वरी समाज की एकमात्र पारिवारिक संस्था श्री प्रीति क्लब द्वारा गणगौर पर्व के अंतर्गत 'गवरजा गीत माला-2018' का कार्यक्रम स्थानीय जस्सूसर गेट के बाहर स्थित माहेश्वरी सदन में आयोजित किया गया। पवन राठी ने बताया कार्यक्रम के प्रारंभ में क्लब की सदस्याओं ने मां गवरजा की पूजा-अर्चना कर खोल भरने की रस्म निभाई। इस अवसर पर क्लब द्वारा गवरजा गीत माला के द्वितीय संस्करण का प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज की विभिन्न 10 मंडलियों ने गवरजा माता की गीत-गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन क्लब महामंत्री नारायणदास दम्माणी व कार्यक्रम संयोजक अशोक बागड़ी ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अंत में याज्ञवल्क्य दम्माणी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

भीलवाड़ा. गत 17 मार्च को चारभुजानाथ बड़े मंदिर में सुबह 10.15 बजे से छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। श्री माहेश्वरी समाज श्री चारभुजाजी मंदिर ट्रस्ट के मंत्री रामस्वरूप सामरिया ने बताया कि ठीक 12.15 बजे दोपहर को भगवानश्री की महाआरती शुरू हुई। इसके बाद छप्पन भोग लगाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष चंद्रसिंह तोषनीवाल ने बताया कि दोपहर बाद 4.30 बजे भगवान ने चांदी के विमान में विराजमान होकर भक्तों के साथ होली खेलने निकल पड़े। दूसरे दिन नववर्ष की शुभ बेला में प्रातः 8 बजे पुनः मंदिर पधारे।

हैदराबाद. श्री नृसिंह मंदिर ट्रस्ट बोर्ड गौर उत्सव समिति एवं संस्कार धारा के संयुक्त तत्वावधान में गणगौर उत्सव के उपलक्ष्य में आनंदोत्सव का आयोजन सुल्तान बाजार स्थित श्री नृसिंह मंदिर में किया गया। कार्यक्रम की प्रधान संयोजिका कलावती जाजू ने बताया कि मुख्य अतिथि मंजू बल्दवा, उद्घानकर्ता मुन्नाजी जाखोटिया, विशेष अतिथि उषा मालपानी थीं। मंच संचालन श्यामा नावंदर एवं सुरेखा सारडा ने किया। कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के त्योहारों के नृत्य प्रस्तुत किए गए। कंचन मोदानी द्वारा सारे पुरस्कार प्रदान किए गए।

सागार. स्थानीय नगर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर तीज का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इसमें राघवजी के मंदिर में गणगौर माता का पूजन किया गया। उसी दिन शाम के समय मंदिर में महिलाओं ने भजन गाए व भगवानजी को झाले दिए। यह कार्यक्रम लगभग 11 बजे तक चला। दूसरे दिन गणगौर विसर्जन का कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष हेमा जैथल्या, उपाध्यक्ष भावना परवाल, सचिव ममता चांडक, सहसचिव सरिता चांडक, कोषाध्यक्ष जया जैथल्या, सांस्कृतिक सचिव कविता जैथल्या सहित कई सदस्याएं मौजूद थी।

उज्जैन. श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल द्वारा गणगौर का फूलपाती चल समारोह निकाला गया। मंडल अध्यक्ष पुष्पा मंत्री, सचिव संगीता भूतड़ा, प्रगति मंडल अध्यक्ष आरती राठी व सचिव सरिता बाहेती की उपस्थिति में दोनों मंडलों की सभी सदस्याएं क्षीरसागर उद्यान में एकत्रित हुईं। वहां पर सभी ने गणगौर को झाले दिए। तत्पश्चात चल समारोह शहर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ गोलामंडी स्थित माहेश्वरी भवन पर पहुंचा। वहां पर महिलाओं के लिए आकर्षक गेम्स का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नववर्ष गुड़ी पड़वा के आगमन पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। मंडल की सुधा बाहेती, तेजूदेवी तोषनीवाल, संतोष सोडानी, सुभद्रा भूतड़ा, संध्या हेड़ा, गीता डागा, रमा लड्ढा, निर्मला देवपुरा, शांता सोडानी, विमला कासट आदि उपस्थित थीं।

नेवरा. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 15 मार्च को गणगौर का उत्सव शोभायात्रा के साथ मनाया गया। शोभायात्रा में महिलाओं ने केसरिया पहनावे का शृंगार किया। यात्रा नेवरा स्थित गोपाल मंदिर से शुरू हुई। इसमें जगह-जगह जलपान की व्यवस्था की गई। यात्रा के अंत में इसर गौरा की आरती की गई। आरती के पश्चात भोजन की व्यवस्था की गई। स्थानीय अध्यक्ष डॉक्टर आशा भट्टड़, सचिव अनिता भट्टड़, कोषाध्यक्ष विमला लाहोटी एवं समाज की सभी महिलाएं मौजूद थीं।

बीकानेर. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गत 1 अप्रैल को ''गणगौर महोत्सव-2018'' का आयोजन स्थानीय नृसिंह भवन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व राजस्थानी गणगौर गीतों के साथ हुआ। सामाजिक संवाददाता पवन राठी ने बताया कि गणगौर महोत्सव का शुभारंभ मां गवरजा की सवारी के साथ हुआ। महिला समिति की संरक्षिका किरण झंवर व समिति अध्यक्षा अंजली झंवर के अनुसार मां गवरजा की सवारी का मुख्य आकर्षण राजस्थानी वेशभूषा थी। विभिन्न माहेश्वरी संस्थाओं द्वारा शोभायात्रा का शीतल पेय पदार्थों से स्वागत सत्कार भी किया गया।

नागदा. माहेश्वरी समाज नागदा द्वारा कमला कृषि फॉर्म हाउस हताई पालकी पर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें महिला मंडल द्वारा गेम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व समाज द्वारा फूल-गुलाल से होली खेली गई। इसके बाद भोजन का आयोजन भी किया गया। उक्त जानकारी विपिन मोहता ने दी।

रायपुर. राजस्थान का पारंपरिक त्यौहार गणगौर उत्सव स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। माता गवरजा एवं ईसरजी की पूजा अर्चना महिलाओं द्वारा जलपान, खोल भराई एवं ओढ़ना साड़ी ओढ़ाकर तथा गवरजा गीत गाकर की गई। गत 20 मार्च को संध्या 7.30 बजे श्री गोपाल मंदिर सदर बाजार से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा श्री गोपाल मंदिर सदर बाजार से निकलकर सीटी कोतवाली चौक, सप्रे स्कूल चौक, श्याम टॉकीज तिराहा, बुढ़ापारा, सद्दानी चौक होते हुए श्री गोपाल मंदिर सदर बाजार में समाप्त हुई। शोभायात्रा का स्वागत माहेश्वरी युवा मंडल अध्यक्ष आशीष राठी, राजेश गोपाललाल राठी एवं सदस्यों द्वारा किया गया। सर्वश्रेष्ठ राजस्थानी वेशभूषा पहने हुए पुरुष, महिलाएं, युवक-युवतियां, बालक-बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। महामंत्री सुरेशकुमार बागड़ी ने सभी का अभिनंदन किया। अध्यक्ष विजयकुमार दम्मानी ने सभी सदस्य-सदस्याओं का आभार माना।

मोवा. ट्रांसगोमती माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में होली मिलन समारोह माहेश्वरी सत्संग भवन विपुल खंड गौमतीनगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि विनोदप्रकाश माहेश्वरी अध्यक्ष पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा, हरिकृष्ण राठी संरक्षक माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, गिरधारीलाल सोमानी, परमानंद माहेश्वरी, देवीप्रसाद माहेश्वरी, महेंद्रकुमार राठी, अजय माहेश्वरी, रवींद्र गांधी एवं ममता राठी ने किया। अजय माहेश्वरी ने अतिथियों का स्वागत किया। संगीत सम्राट फुलतारसिंह ने भी प्रस्तुति दी। माहेश्वरी सत्संग भवन के भूतल पर स्थित 7 कमरों के लिए एसी भेंट करने वाले विनोदप्रकाश माहेश्वरी, महेंद्र सोनी, वी. विजयवर्गीय, वेंकटेश माहेश्वरी को हरिकृष्ण राठी संरक्षक माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

ब्यावर. श्री माहेश्वरी महिला परिषद की अध्यक्ष मंजू तापड़िया ने बताया कि होली स्नेह मिलन के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम माहेश्वरी भवन में संपन्न हुए। मंत्री कुसुमलता मालू ने बताया कि कार्यक्रम में वर्षा तापड़िया, रेणु जागेटिया, नीतू राठी, अंजना हेड़ा, किरण राठी, अंजु काबरा, संगीता पसारी, प्रेम राठी, विष्णु मूंदड़ा, आशा मूंदड़ा आदि ने सहयोग प्रदान किया।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

व्यावसायिक जगत का शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो, जो मुंबई निवासी विजय कलंत्री की सेवाओं से अछूता हो। इन्हीं विश्वस्तरीय सेवाओं ने उन्हें बना दिया संपूर्ण विश्व के व्यावसायिक जगत के लिये अत्यंत विशिष्ट। उनके इन्हीं योगदानों में महाराष्ट्र के प्रथम प्राइवेट पोर्ट अथवा सेज की सौगात भी शामिल है।

महाराष्ट्र के प्रथम निजी पोर्ट के निर्माता विजय कलंत्री

टीम SMT

माहेश्वरी समाज ही नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिये मुंबई निवासी 69 वर्षीय विजय कलंत्री एक ऐसा गौरवशाली नाम है, जो देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में माहेश्वरी योग्यता व बुद्धि की गौरव पताका फहरा रहा है। अपने उद्योग समूह बालाजी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के माध्यम से श्री कलंत्री ने टैक्सटाइल्स, लीजिंग, फाइनेंस तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट आदि क्षेत्र में जो योगदान दिया वह उद्योग जगत में एक मिसाल बन गया है। कुछ समय पूर्व ही चेयरमैन के रूप में उनके नेतृत्व में उनकी कम्पनी ''दिधि पोर्ट लि.'' द्वारा महाराष्ट्र राज्य को प्रथम प्राइवेट सेक्टर पोर्ट तथा पोर्ट आधारित स्पेशल इकोनॉमिक जोन (सेज) की सौगात दी गई है। यह पोर्ट प्रारंभ भी हो चुका है और अब अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है। वर्तमान में यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिये शिपिंग तथा लॉजिस्टिक हब बन चुका है।

उच्च शिक्षा से लगाये सोच को पंख

श्री कलंत्री का जन्म 5 जनवरी 1949 को मुंबई में हुआ। श्री कलंत्री बचपन से ही प्रतिभावान रहे। उन्होंने शीर्ष संस्था **SASMIRA** से कॉमर्स तथा टैक्सटाइल के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की और स्व-व्यवसाय के रूप में उद्योग जगत में कदम रख दिया। उनकी प्रतिभा ने इस तरह रंग दिखाये कि उनके ये रंग देश की सरहदों को भी लांघते हुए सम्पूर्ण विश्व पर छा गये। प्रथम पीढ़ी के उद्यमी माने जाने वाले श्री कलंत्री स्वहित तक ही सीमित न रहे और उनकी योग्यता व क्षमता भारतीय उद्योग व्यवसाय को सम्पूर्ण विश्व के क्षितिज पर स्थापित करने के लिये भी समर्पित हो गई। इसके लिये उन्होंने उद्योग जगत की समस्याओं को न सिर्फ भारत सरकार या राज्य सरकार के समक्ष ही रखा बल्कि अंतरराष्ट्रीय संगठन जैसे ''वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन, यूएन इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन तथा इंडिया इंडस्ट्रीज काउंसिल व अन्य के सामने भी उठाया इन समस्याओं का यथासंभव समाधान भी निकलवाया।

कई शीर्ष कंपनी के डायरेक्टर

वर्ष 1985 में स्थापित उनका उद्योग समूह बालाजी ग्रुप ऑफ कंपनीज श्री कलंत्री के नेतृत्व में देश की शीर्ष कंपनियों में शामिल है। श्री कलंत्री इसको चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में सेवा दे रहे हैं। उनकी कंपनी टैक्सटाईल्स, ट्रेडिंग, आईटी, टेलीकॉम आदि के साथ ही पोर्ट, रेल, रोड, सेज, पावर आदि के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर में कार्य कर रही है। इसके साथ ही वीआईपी इंडस्ट्रीज लि, मान इंडस्ट्रीज लि., इंडियन एक्रिलिक्स, हिंदुस्तान हाउसिंग फाइनेंस व डेवलपमेंट कार्पोरेशन तथा विंध्याचल हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट लि. आदि के साथ ही राष्ट्रीयकृत बैंकों देना बैंक, सिडबी तथा केनरा बैंक आदि के डायरेक्टर के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

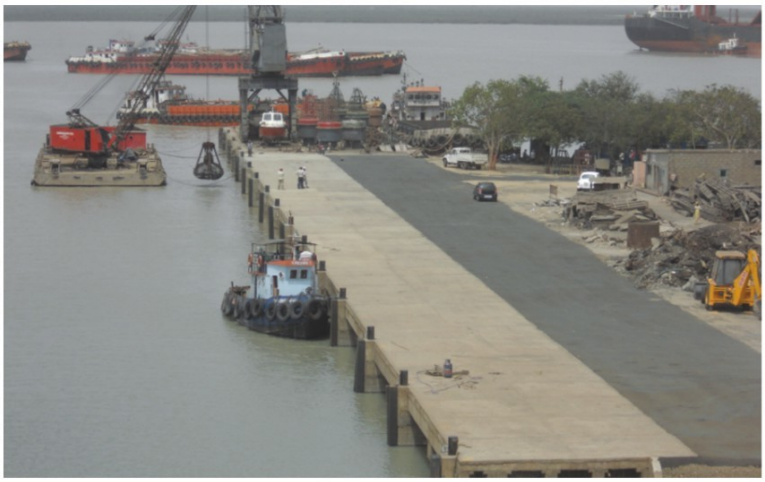

कैसा है उनके द्वारा विकसित सेज

उनकी कंपनी द्वारा दीघि (महाराष्ट्र) में विकसित ''दीघि सेज'' महाराष्ट्र मेरिटाईम बोर्ड के साथ अनुबंध के आधार पर 2 हजार एकड़ के वृहद क्षेत्र में तैयार किया गया है। इसमें कंपनी द्वारा 200 मिलियन यूएस डॉलर का निवेश कर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुविधाओं का विकास किया गया है। इसमें 100-100 हेक्टेयर में दो क्षेत्र भी कवर किए गए हैं। यहाँ कंपनी द्वारा डिस्एलिनेशन प्लांट, पावर प्लांट, सीवरेज प्लांट के साथ ही उपभोक्ताओं के लिए अत्याधुनिक वेयर हाउस, फ्रीजर व कूलर सुविधा, कंटेनर व कार्गो सुविधा, कंट्रोल्ड ह्युमिडिटी वेयर हाउसेस आदि कई सुविधाओं का विकास किया गया है।

कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवा

All India Association of Industries

World Trade Centers Association

श्री कलंत्री अपनी व्यक्तिगत व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद देश के उद्योग जगत को शिखर की ऊँचाई प्रदान करने के लिये कई शीर्ष व्यावसायिक संगठनों को भी अपनी महत्वपूर्ण सेवा प्रदान कर रहे हैं। इसके अंतर्गत वे संगठन ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज, इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेन ट्रेड व इंडो पोलिश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इण्डस्ट्रीज के प्रेसिडेंट हैं। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर्स एसोएिशन न्यूयार्क के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य तथा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के वाइस चेयरमैन हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की विभिन्न कमेटियों के सदस्य भी हैं। इनमें स्टैंडिंग कमेटी ऑफ स्माल स्कैल इंडस्ट्रीज, एक्सचेंज कंट्रोल कमेटी, ऑल इंडिया एक्सपोर्ट एडवायजरी कमेटी आदि शामिल हैं। इनके अतिरिक्त स्टील कन्ज्यूमर काउंसिल, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज डेराईवेटिव्ज काउंसिल बोर्ड, एडवाइजरी बोर्ड ऑफ कार्पोरेट, गवर्नेंस कमेटी ऑफ सेबी तथा सेंट्रल काउंसिल ऑफ कस्टम्स और एक्ससाईज को भी सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। श्री कलंत्री 'स्माल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी) तथा ''कर्मचारी राज्य बीमा निगम'' के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में भी शामिल हैं। इतना ही नहीं वे ''महाराष्ट्र स्माल स्कैल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि., देना बैंक तथा कैनरा बैंक जैसी अत्यंत प्रतिष्ठित कई संस्थाओं को डायरेक्टर के रूप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं।

उद्योग जगत को दी महत्वपूर्ण सौगात

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष के रूप में श्री कलंत्री ने देश के उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व करते हुए भारतीय उद्योगों की कई समस्याओं को तो शासन के सामने रखा ही, साथ ही इनके समाधान के लिये महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के वाइस चेयरमैन के रूप में उन्होंने देश के व्यवसाय तथा निवेश की वृद्धि के लिये इस सेंटर को प्रभावशाली बनाकर और भी आधुनिकता प्रदान करते हुए ट्रेड प्रमोशन आर्गेनाइजेशन के रूप में विकसित किया। श्री कलंत्री के नेतृत्व में डब्ल्यूटीसी और एआईएआई द्वारा संयुक्त रूप से प्रयास किये गये, जिनमें विश्वस्तरीय आयोजन ग्लोबल इकोनॉमिक समिट्स (सेज) तथा आईटीएम एक्सपर्ट आदि शामिल हैं। डब्ल्यूटीसीए के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के रूप में श्री कलंत्री ने कई महत्वपूर्ण इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन तथा कमेटियों को अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनमें श्री कलंत्री सदस्य भी हैं। डब्ल्यूटीसीए के साउथ एशिया के रीजनल को-ऑर्डिनेटर के रूप में वे न सिर्फ भारत बल्कि अफ्रीका, मध्य पूर्व सहित संपूर्ण दक्षिण एशिया के उद्योग व्यवसाय के विकास में भी अपना योगदान दे रहे हैं।

विश्व स्तर पर दिलाया सम्मान

विश्व स्तर पर दी जा रही महत्वपूर्ण सेवाओं ने श्री कलंत्री को सम्पूर्ण विश्व की सेलीब्रिटिज में शामिल कर रखा है। वे अभी तक उद्योग, शासकीय निकाय तथा सामाजिक आर्थिक क्षेत्र से संबंधित कई प्रतिष्ठित संस्थाओं और संगठनों द्वारा सम्मानित किए जा चुके हैं। ग्लोबल इकोनॉमिक समिट 2011 के दौरान श्री कलंत्री को डब्ल्यूटीसी मुंबई ऑफ लाइफ टाइम एचिवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पौलेंड शासन द्वारा सिविल क्षेत्र में दिये जाने वाले शीर्ष ''कमांडर क्रॉस ऑफ द ऑर्डर मैरिट'' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार रशिया के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन द्वारा भी देश के शीर्ष ''पुस्तिन अवॉर्ड'' से श्री कलंत्री को सम्मानित किया गया है।

जल नहीं तो कल हम नहीं

पानी पैदा नहीं किया जा सकता, केवल बचाया जा सकता है। कुछ कीजिए वरना हम प्यासे मर जाएंगे

टीम SMT

जल अमृत है। जब तक यह है हम जिंदा हैं, वरना हम मर जाएंगे। हम यानि इंसान ही नहीं धरती पर जीवन मात्र जल से ही संभव है। बीते 50 साल में बदली हमारी जीवन शैली का सबसे बुरा असर जल संसाधन पर पड़ा है। बढ़ती आबादी और जल के बेतहाशा दुरुपयोग से मांग और आपूर्ति के बीच खाई गहरा गई है। पीने का साफ पानी घटता जा रहा है। हालात यह है कि भारत जैसे देश में जहां पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म बोतल बंद पानी का कारोबार 200 अरब रुपए सालाना पहुंच गया है। ये अशुभ संकेत हैं। अंदेशा है कि ये भविष्य में तीसरे महायुद्ध की वजह बनेगा। इसका कोई हल नहीं है। सिवाय इसके कि हम पानी की बूंद-बूंद का सद्पुयोग करें।

पानी के हालात अकेले हिंदुस्तान में ही नहीं पूरी दुनिया में खराब हैं। इसी साल आई वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट 2018 के अनुसार अभी दुनिया की लगभग 2 अरब आबादी जलसंकट से जूझ रही है। यह दुनिया की कुल आबादी का 27 फीसदी है। पानी को लेकर यदि अभी से ही चिंता दूर नहीं की तो आने वाले कुछ वर्षों में लगभग 4 अरब लोग इस संकट की जद में आ सकते हैं। यूनेस्को की रिपोर्ट कहती है कि 30 वर्षों में दुनिया की आबादी वर्तमान के 7.7 अरब से बढ़कर 9.4 या 10 अरब तक पहुंच सकती है। ऐसे में जलसंकट का मुद्दा और गहरा जाएगा। पानी की कमी या साफ पानी की उपलब्धता न होने के कारण 2050 तक 5 अरब से लेकर 6 अरब तक की आबादी को जलसंकट का सामना करना पड़ सकता है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित एशियाई देश होंगे। यहां 73 प्रतिशत से ज्यादा की आबादी पानी की कमी से जूझेगी।

नदियां दम तोड़ रही हैं, हालात बिगड़ रहे हैं

यूनेस्को की 'वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट' के अनुसार 1990 के दशक से ही दुनिया के कई महादेशों की नदियां गंभीर रूप से प्रदूषण का शिकार हो रही हैं। एशिया, अफ्रीका और लेटिन अमेरिका की नदियां प्रदूषण के कारण सबसे ज्यादा गंदी हो रही हैं। यूनेस्को के अनुसार आने वाले समय में नदियों के पानी की गुणवत्ता में यह गिरावट और भी बढ़सकती है। इन महादेशों की नदियों में औद्योगिक और नगरीय कचरा गिराए जाने की मात्रा लगातार बढ़ते हुए 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह मानव स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालने वाला सबसे बड़ा कारक बन रहा है। साथ ही हमारे पर्यावरण को भी नदियों के प्रदूषित होने से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

2025 तक भारत जलसंकटग्रस्त देश

अभी हाल में जारी जल क्षेत्र में प्रमुख परामर्शदाता कंपनी ईए की एक अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत 2025 तक जलसंकट वाला देश बन जाएगा। अध्ययन में कहा गया है कि परिवार की आय बढ़ने और सेवा व उद्योग क्षेत्र से योगदान बढ़ने के कारण घरेलू और औद्योगिक क्षेत्रों में पानी की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। देश की सिंचाई का करीब 70 फीसदी और घरेलू जल खपत का 80 फीसदी हिस्सा भूमिगत जल से पूरा होता है, जिसका स्तर तेजी से घट रहा है। हालांकि घटते जलस्तर को लेकर जब-तब देश में पर्यावरणविदों द्वारा चिंता जताई जाती रहती है, लेकिन जलस्तर को संतुलित रखने के लिए सरकारी स्तर पर ठोस प्रयास किया गया हो, ऐसा नहीं दिखता।

घटते भूजल के लिए सबसे प्रमुख कारण तो उसका अनियंत्रित और अनवरत दोहन ही है। आज दुनिया अपनी जल जरूरतों की पूर्ति के लिए सर्वाधिक रूप से भूजल पर ही निर्भर है। लिहाजा, अब एक तरफ तो भूजल का ये अनवरत दोहन हो रहा है तो वहीं दूसरी तरफ तेज औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति को हो रहे नुकसान और पेड़-पौधों-पहाड़ों आदि की मात्रा में कमी के कारण बरसात में भी काफी कमी आ गई है। परिणामतः धरती को भूजल दोहन के अनुपात में जल की प्राप्ति नहीं हो पा रही है।

सीधे शब्दों में कहें तो धरती जितना जल दे रही है, उसे उसके अनुपात में बेहद कम जल मिल रहा है। बस, यही वो प्रमुख कारण है जिससे कि दुनिया का भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। दुखद और चिंताजनक बात ये है कि कम हो रहे भूजल की इस विकट समस्या से

निपटने के लिए अब तक वैश्विक स्तर पर कोई भी ठोस पहल होती नहीं दिखी है।

संकट का एक ही समाधान, संरक्षण करें

जल संकट से निपटने के लिए सबसे बेहतर समाधान तो यही है कि बारिश के पानी का समुचित संरक्षण किया जाए और उसी पानी के जरिये अपनी अधिकाधिक जल जरूरतों की पूर्ति की जाए। बरसात के पानी के संरक्षण के लिए उसके संरक्षण माध्यमों को विकसित करने की जरूरत है, जो कि सरकार के साथ-साथ हर जागरूक व्यक्ति का भी दायित्व है। अभी स्थिति ये है कि समुचित संरक्षण माध्यमों के अभाव में वर्षा का बहुत ज्यादा जल, जो लोगों की तमाम जरूरतों को पूरा करने में काम आ सकता है, खराब और बर्बाद हो जाता है।

अगर प्रत्येक घर की छत पर वर्षा जल संरक्षण के लिए एक-दो टंकियां लग जाएं व घर के आस-पास कुएं आदि की व्यवस्था हो जाए, तो वर्षा जल का समुचित संरक्षण हो सकेगा। जल संरक्षण की व्यवस्थाओं के अलावा दैनिक कार्यों में सजगता और समझदारी से पानी का उपयोग करके भी जल संरक्षण किया जा सकता है। जैसे, घर का नल खुला न छोड़ना, साफ-सफाई आदि कार्यों के लिए खारे जल का उपयोग करना। नहाने के लिए उपकरणों की बजाय साधारण बाल्टी आदि का इस्तेमाल करना आदि तमाम ऐसे सरल उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति रोज काफी पानी की बचत कर सकता है।

शहरों में होने वाले विकास और कांक्रीटीकरण के कारण भूजल संसाधनों को अवरुद्ध कर दिया गया है। इस कारण समस्या और बढ़गई है। हमारे शहरी समाज में बरसात के पानी को न तो प्राकृतिक तत्वों को बनाए रखते हुए इसका उपयोग करने के अनुकूल तरीके से रिचार्ज किया जाता है और न ही उसमें संग्रहीत किया जाता है। इसके अलावा, गंभीर रूप से जल निकायों में औद्योगिक कचरे और गंदगी का प्रवेश पीने योग्य पानी की उपलब्धता को कम कर रहा है। ज्यादातर इन क्षेत्रों में जलीय जीवन वाले प्राणी पहले ही लुप्त हो गए हैं। यह एक बहुत गंभीर उभरता हुआ संकट है। अगर हम इस समस्या के स्रोत को नहीं समझ पाएंगे तो हम कभी भी इस जटिल समस्या का स्थायी समाधान नहीं ढूढसकेंगे।

राज्य के स्वामित्व वाली एचएमडल्यूयूएस और एसबी तथा निजी मालिकों द्वारा संचालित 50, 000 से अधिक बोर कुएं हैं, जो भूजल को खींच रहे हैं। अब भूजल स्तर काफी कम हो गया है। अगर जमीनी जल रिचार्ज नहीं हुआ, तो आपूर्ति और भी बदतर हो जाएगी। जल को संग्रह की मांग, भंडारण, उत्थान और वितरण पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पानी की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। भारत के सभी मुख्य शहरों की यही कहानी है।

पानी की कमी की समस्याओं पर काबू पाने के लिए समाधान

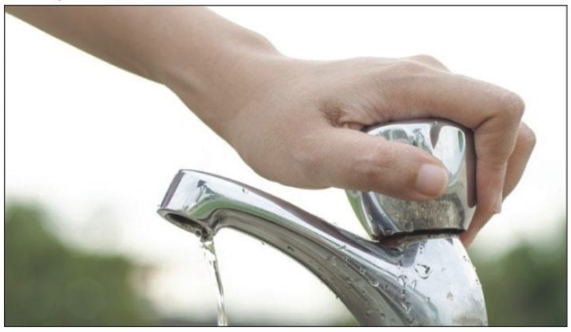

यदि भारत में बिना पानी वाले शौचालय का उपयोग किया जाये तो यह लगभग प्रतिवर्ष प्रति घर के हिसाब से 25,000 लीटर से ज्यादा पानी बचा सकता है। पारंपरिक फ्लश प्रति फ्लश छह लीटर पानी खर्च करता है। यदि घर के लड़कों सहित सभी पुरुष सदस्य पारंपरिक फ्लश का उपयोग करने के बजाय 'पानी मुक्त मूत्रालय' का उपयोग करें तो पानी की बढ़ती मांग पर सामूहिक प्रभाव काफी कम हो जाएगा। इसको कानून द्वारा अनिवार्य बनाया जाना चाहिए और शिक्षा और जागरूकता के द्वारा घर और स्कूल में अनुसरण किया जाना चाहिए।

घर पर बर्तन धोने के दौरान बर्बाद होने वाले पानी की मात्रा भी महत्वपूर्ण है। हमें अपने बर्तन धोने के तरीकों को बदलने और जल बहाने की आदत को कम करने की जरूरत है। यहाँ पर आपका एक छोटा कदम पानी की खपत में महत्वपूर्ण बचत कर सकता है।

प्रत्येक आत्मनिर्भर घर/फ्लैट और समूह आवास कॉलोनी में वर्षा जल संचयन करने की सुविधा होनी चाहिए। यदि जल संचयन करने की सुविधा को कुशलता से डिजाइन और ठीक से प्रबंधित किया जाये, तो यह अकेले ही पानी की मांग को काफी कम करने में सक्षम है।

गंदे पानी का शुद्धीकरण करके इसका पीने के अलावा इस पानी का अन्य कामों में उपयोग किया जा सकता है। गंदे पानी का शुद्धीकरण करने के लिए कई कम लागत वाली तकनीकें उपलब्ध हैं जो समूह आवास क्षेत्रों में कार्यान्वित की जा सकती हैं।

बहुत बार, हम देखते हैं कि हमारे घरों में, सार्वजनिक क्षेत्रों और कॉलोनियों में पानी लीक हो रहा होता है। एक छोटे से स्थिर पानी रिसाव से प्रति वर्ष 2,26,800 लीटर पानी का नुकसान होता है। जब तक, हम जल अपव्यय के बारे में नहीं जानेंगे और जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम उस पानी की मूल मात्रा का लाभ नहीं ले पाएंगे, जिसे हमें अपने सामान्य जीवन के साथ जारी रखना होगा।

श्री माहेश्वरी टाईम्स की अपील

माहेश्वरी समाज तो भगवान महेश का उपासक है। शिव जो हिमालय के वासी हैं, जिनके मस्तक पर गंगा हैं। जो जलप्रिय हैं और जल के अधिष्ठाता भी। समाज अपने क्षेत्र में जल संरक्षण अभियान की योजनाएं बनाकर जल जागरण करे तो यह भगवान महेश की सच्ची उपासना हो सकती है। ऐसा करके हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जलस्रोत सुरक्षित रख सकेंगे। जल रूप अमृत का यह दान महादान होगा।

जल जोगी हो गया

डॉ. विवेक चौरसिया

मैंने पुरखों सुना है रुद्रसागर में कभी जल रहता था। ताल एक महल था और जल उसका राजा। लहरें उसकी रानियां थी, जल-जीव नौकर-चाकर। पेड़ पहरेदार थे और पंछी चारण-भाट!

जल राजा महाकाल का सच्चा भक्त था। अपने भगवान के सान्निध्य में स्वयं भगवत्स्वरूप बन गया था। दान में दाताओं का दाता और अपेक्षा के नाम पर आशुतोष।

वह महाकाल की तरह ही प्रजापालक था और सद्गृहस्थ की भांति कर्तव्य परायण। वह संतों सा निःस्वार्थ और निर्मल था तो देवताओं-सा दिव्य!

उसके विस्तृत राजप्रासाद में सदा सबका स्वागत था। निर्धन पतित आते, पावनता धन ले जाते। प्यासों की प्यास बुझती, ज्ञान के भूखे प्रेरणा-पकवान पाते।

गहरे मन के गृहस्थ का घर मंगलकामनाओं से इतना मालामाल था कि खुशियों के नित नूतन कमल मुस्काते थे।

काल-ऋषियों ने पुराणों में उसकी कीर्ति कथाएं लिखकर अपने मोक्ष मार्ग सुनिश्चित किए थे। जमाने भले करवटें बदलते रहे पर जल-जहाँपनाह का जलवा कायम रहा।

पीढ़ियां इसकी गवाह हैं। पुरानी पीढ़ी से पूछ लीजिए, आज भी पचास प्रमाण बता देगी। मानो कल की बात है जब तटवासी ब्राह्मण परिवारों की तपस्वी गृहणियां पर्वों पर भोग के पकवान बनाने के लिए रुद्रसरोवर से घड़े भर ले आती थीं। इतना स्वच्छ और पेय था उसका जल।

अस्सी के सिंहस्थ से पहले तक सागर का साम्राज्य आबाद था और जल जिंदाबाद के जयकारों से तीर्थ गूंजता रहता था।

पहली बार तब जल को देस बेगाना लगा जब साल अस्सी के सिंहस्थ की कवायद में प्रासाद के तट-द्वार पर सरकारी अमला मानो कुर्की के इरादे से पहुँचा।

समय ही नहीं, लोग भी बदल गए थे। वे जल के रक्षक नहीं, उसकी जमीन के भक्षक थे। वे पुराणों की जगह फाइलें लिए आए थे। वे कलयुग के दिमागी दिवालिये थे। भीतर भरे लोभ से उनकी लार टपकती थी और जुबान लड़खड़ाती थी।

वे विनाश का उच्चारण विकास करते थे!

वे बीच सागर में नाला खींच गए। वह सागर में जल-राज के पतन की पहली पापपूर्ण पहल थी।

उस रात राजा इतना रोया कि पूरा घर आंसुओं से भर गया। अपनों के उपहास और उपेक्षा ने उसमें ऐसी उदासी भरी कि सबका भर्ता भृर्तहरि बन निकल पड़ा।

रुद्रसरोवर का जल जोगी हो गया

बरसों बाद तक उसके आंसुओं की नमी से टूटे घरौंदे के कीचड़ में यादों के कमल खिलते रहे। मुझे अपने बालपन की अच्छे से याद है, जब भारती भवन से भुजंगासन में झुकी सड़क से उतरते हुए बड़े गणपति के आते ही मेरे माता-पिता मुझे किनारे से बीच में ले लेते थे कि कहीं मैं गिर न जाऊं।

हरसिद्धि की राह में पतली पाल पर पैदल चलते हुए ठिठकते और

मुझे कहते, देख! कमल का फूल।

मेरे पिता ने उसमें जलज देखे थे, मेरे नसीब में पंकज आए। जैसे-जैसे मैं बढ़ता गया, सरोवर में जल के आंसू भी सूखते गए। जल को जलाकर जमीन जीतने वालों ने मेरी आँखों के सामने कीचड़ को पाटकर किनारों की बंदरबाट कर ली।

मैं देखता रह गया! कुछ न कर सका। सर्व साधारण सागर को बाहुबलियों की भुजाओं में समाते बेबस तकते रहे।

बरसात में जब कभी जोगी-जल चातुर्मास के लिए तीर्थ आया और उसने अपने पुराने घर की ड्योढ़ी पर दीप धरे तो सहज ही रह-रहकर रुद्रसागर रोशन होता रहा। जल ज्योति से जगमग, लेकिन पिशाचों का पेट अभी भरा न था। कभी संरक्षण के नाम पर तो कभी सौंदर्यीकरण के बहाने हर सिंहस्थ में वे आते रहे।

मनमौजी जल भूले से जब भी रुका, भगवा भेष के भू-भक्षी भोगियों ने हर बार उसे लतिया कर इतना धकियाया कि एक दिन जल-जोगी ने सागर में समाधि ले ली।

हर सिंहस्थ में उसकी समाधि की सजावट के नाम पर सरकार से लेकर समाज ने झूठ और लूट के मेले सजाए और माल कमाया।

जल के अतीत की जुगाली करने वाले जलज-दृष्टा भी देखते रहे और कीचड़ के कमल देखने वाली मेरी पीढ़ी भी तटस्थ तनी हरसिद्धि की पतली पाल को राजमार्ग-सा फैलते चुप रही।

जिसे निहारने पर आँखें थक जाती थी, वह सागर थककर सिमट गया। जल-जोगी की समाधि पर स्थल-भोगियों ने भगवा झंडे फहरा कर लहरों की लाशें ढंक दी।

जिसने पीढ़ियों को पाला था, जिसे उनको संभाला था, मात्र दो पीढ़ियों के देखते-देखते पिशाचों ने उस जल को उसी की जमीन में पाताल-पथी बना डाला।

जब आज मैं अपने बेटे को कहता हूं कि इस रुद्रसरोवर में मैंने कमल देखे थे तो वह पूछता है, पहले ये तो बताइए सागर कहां है?

क्या कहूं! यही कि इसी तरह हमने हर नगर-कस्बे में जल को जबरन जोग देकर समाधियां बना दी हैं। समाधियों पर फूल भले चढ़जाए, खिल तो नहीं सकते।

मेरे बचपन के पंकज ही सही, बचे कीचड़ में अब मिल तो नहीं सकते!

अब विकास के नाम पर सरकारी शिलालेख और कब्जाधारियों के मालिकाना हक की तख्तियां ही बची हैं।

हमारे पुरखों ने हमें सरोवर सौंपा था, हम तुम्हारी पीढ़ी को समाधि सौंप रहे हैं। कभी मन करें तो यहां आकर एक फूल फेंक जाना। ये ताल-महल है, कभी इसमें जल का राजा रहता था।

महेश नवमी की हार्दीक शुभकामनायें...

जे.पी. कोठारी ज्वेलर्स

सुंदरता, शुध्दता, विश्वास यही परम्परा...

श्री माहेश्वरी टाईम्स के पाठको के लिए विशेष छूट (प्रति लाने पर)

916 हॉलमार्क
सोना ज्वेलरी
और
सर्टिफाईड डायमंड ज्वेलरी
पर
केवल 200/– प्रति ग्राम
मजूरी (बनवाई)

Gaggad, Amravati. 91581 25949

नारी की भावनाओं के सम्मान में 80 वर्षों से सेवारत...

JP Kothari JEWELLERS

जवानमल प्रकाशचंद
कोठारी ज्वेलर्स

सराफा बाजार, अमरावती. फोन : ०७२१-२५७२७०१

यदि गत एक दशक को ही देखें तो अ.भा. माहेश्वरी महासभा ने समाज सुधार को लेकर कई प्रतिबंध लगाए। जैसे सामाजिक आयोजन में 21 व्यंजन, दिखावा न करना, अन्न की बर्बादी पर रोक व अब ''प्री वेडिंग शूट पर रोक '' आदि। ये प्रतिबंध वास्तव में समाज को नई दिशा देने वाले ही थे। लेकिन ये कितने प्रभावी हो पाये, यह सबके सामने है। आखिर ऐसा क्यों, कि ये सामाजिक प्रतिबंध प्रभावी नहीं हो पाते? इस पर समाज के प्रबुद्धजनों के विचार जानने की कोशिश की है, हमारी स्तम्भ प्रभारी सुमिता मूंधड़ा ने।

क्यों प्रभावी नहीं हो पाते सामाजिक प्रतिबंध?

प्रतिबंधों का पालन सख्ती से होना चाहिए

आज के दौर में माहेश्वरी समाज बुद्धिशाली एवं कुशल आर्थिक प्रबंधन के लिए पूरे देश में सुप्रसिद्ध है, फिर भी महासभा के पारित उचित सामाजिक प्रतिबंधों का पालन नहीं हो पाना चिंतनीय होकर माहेश्वरी समाज को गर्त में ले जाने के समान है। महासभा में एक दशक के सामाजिक प्रतिबंध जैसे विवाह में दिखावा, 21 से अधिक व्यंजन बनवाना, प्री वेडिंग शूट आदि धनाढ्य वर्ग का एवं उच्च प्रोफेशनल जॉब कार्यों में लगे युवा वर्ग का समाज पर थोपा गया जबरिया तोहफा है। यह सामाजिक प्रतिबंध महासभा के पदाधिकारियों एवं उच्च वर्ग के धनाढ्य वर्ग से यदि प्रारंभ हो तो इसमें विराम लगने की संभावना है। इन सभी कुरुति को हटाने हेतु भावनात्मक रूप से समाज के सभी वर्ग तैयार हैं, किंतु विवाह योग्य युवाओं (उच्च शिक्षित) एवं संपन्न लोगों की हठधर्मिता से ये प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं। इन सभी वैवाहिक कार्यक्रमों में हर शहर एवं गांव के समाज के पदाधिकारी यदि सम्मलित नहीं हों तो ऑटोमेटिक इन सभी सामाजिक प्रतिबंधों का पालन सुनिश्चित हो जाएगा। सभी समाजबंधुओं से मेरा करबंध निवेदन है कि ऐसी दिखावे की शादियों एवं कार्यक्रमों का दृढ़तापूर्वक बहिष्कार करें एवं यदि पहुंच भी जाएं तो वहां इसका विरोध कर बैरंग लौट आएं, तो ही यह प्रतिबंध लागू हो पाएंगे।

-ओमप्रकाश मूंदड़ा
तिरुपति बालाजी मंदिर, जीरापुर (मप्र)

शीर्ष पदाधिकारी भी अनपाएं

सामाजिक प्रतिबंध क्यों नहीं प्रभावी हो पाता। इसका मुख्य कारण यह है कि हमारी शीर्ष संस्था के पदाधिकारी नियम बनाते हैं, लेकिन देखने में यह आता है कि उनमें से अधिकांश पदाधिकारी स्वयं उन नियमों का पालन नहीं करते हैं। जब उनके परिवार में काम होता है तो प्रतिबंधित कार्य उनके सामने होते हैं एवं वो मूक होकर देखते रह जाते हैं। अगर सामाजिक प्रतिबंधों को समाज में लागू करना है तो सबसे पहले अपने स्वयं पर एवं अपने परिवार पर इन्हें लागू करना होगा। तभी हम समाज के अन्य लोगों से इसका अनुकरण करवा पाएंगे। अभी महासभा ने प्री वेडिंग शूट पर रोक लगाई है। हम सबको इस बात की जानकारी है कि इस पर बहुत ज्यादा खर्च आता है, तो साधारण एवं मिडिल क्लास परिवार तो वैसे भी इसे करने की क्षमता नहीं रखते एवं धनाढ्य व शीर्ष पदों पर बैठे पदाधिकारी अपनी शान समझ कर यह सब करते हैं। इनको रोकना किसी के बस में नहीं, शीर्ष पदाधिकारी एवं विशिष्टजन भी बहुत अधिक संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। सामाजिक प्रतिबंध को अगर प्रभावी करना है, लागू करना है तो हमें यह अपने ऊपर लागू करना होगा। जहां इसका पालन नहीं होता है, उस कार्यक्रम में नहीं आकर विरोध दर्ज करवाना होगा। तभी सामाजिक प्रतिबंध प्रभावी हो पाएंगे।

कमलकिशोर चांडक, जोधपुर
राज. प्रदेशाध्यक्ष -भारतीय जन फाउण्डेशन

समाज के बड़े लोग कारण

समाज के बड़े लोग ही सामाजिक प्रतिबंध लागू न होने का बड़ा कारण है। जैसे मांगलिक आयोजनों में अपव्यय को ही ले लें। जो बड़े लोग हैं, वे अपने हिसाब से बेतहाशा पैसा खर्च करते हैं। मध्यम वर्ग को भी बड़ों का ध्यान रखना पड़ता है। अतः उन्हें अपने आयोजनों में उनके हिसाब से खर्च करना पड़ता है। इसी देखादेखी के कारण समाज में दिखावा बहुत बढ़ गया है। अधिकांश सामाजिक प्रतिबंध का परिणाम यही होता है। बड़े लोगों द्वारा उनका पालन न किए जाने से अन्य वर्ग भी इनका पालन नहीं करता।

राजू भाई चाँडक
सूरत, समाजसेवी

पूर्ण प्रतिबंध तो असंभव

पूर्ण रूप से सामाजिक प्रतिबंध लगाना तो असंभव है। अभा माहेश्वरी महासभा में विचारधारा रखी जाती है। अगर कुछेक लोग भी इसका पालन कर लें, तो यह हमारे लिए बड़ी बात होगी। उच्च श्रेणी के लोगों, बड़े-बड़े व्यापारीगणों एवं बड़े उद्योगपतियों की भी अपनी मजबूरियां होती हैं, जैसे उन्हें अपनी समारोहों में बड़े व्यापारी दोस्तों, बड़े

अधिकारियों, उच्च स्तर के लोगों को बुलाना पड़ता है। उनके सामने दिखावा करना उनकी जरूरत भी हो जाती है। महासभा में 21 व्यंजन (आचार संहिता) की बार-बार बात की जाती है। पर अन्य बड़े खर्चे भी तो होते हैं, उनकी भी तो चर्चा होगी चाहिए जैसे महंगे होटल, समारोह स्थल, डीजे, बैंडबाजा, सजावट, टेंट आदि। सिर्फ खानापान पर अंकुश लगाने से क्या होगा? जिन घरों में नित्य रोजमर्रा में 10-12 चीजें बनती हैं, वह लोग समारोह में सीमित व्यंजन कैसे रखेंगे? फिर भी महाभा का प्रयास कुछ हद तक काम कर रहा है। लोगों में डर होता है कि आचार संहिता का पालन न करने पर विरोध होगा या महासभा से आमंत्रित अतिथि नहीं आएंगे। कुछ आदर्श विवाह कम खर्च में हुए भी हैं। प्री-वेडिंग शूट तो बंद होना ही चाहिए। भविष्य में इसका कुप्रभाव अवश्य दिखेगा। बच्चों की सोच और हमारी सोच में मेल नहीं बैठ पाता है, यह गलत है। तालमेल बैठाने की नितांत आवश्यकता है।

जेएम बूब
प्रदेशाध्यक्ष- पश्चिम राज.प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

संगठन में सुधार की जरूरत

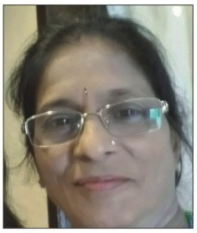

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा संपूर्ण माहेश्वरी समाज को संगठित करने के लिए गठित की गई। समाज के हित के लिए छोटे-बड़े निर्णय लेने और समाज के लिए कार्य करने के लिए यह संगठन कटिबद्ध है। फिर भी कहीं ना कहीं हमें संगठन में सुधार की आवश्यकता महसूस होती है। संगठन में कुछ फैसले जो समाज के हित में लिए जाते हैं पर उन पर अमल नहीं किया जाता है। मात्र पत्रों या सभाओं के भाषणों में कहने भर से समाज में फैसलों पर अमल होना मुश्किल है। इसके लिए कठोर दंड-विधान या बहिष्कार जैसा कदम उठाना चाहिए। संगठन से जुड़े लोग जब अपने जीवन में अपनी कही बात पर अमल करेंगे तो अन्य समाजबंधु भी करने लगेंगे। देखने में आता है कि खर्चों और दिखावे की सारी सीमाएं ही लांघ दी जाती हैं। हाँ, पारिवारिक, सामाजिक, व्यावसायिक स्तर के कारण बड़े लोग पूर्णतः अमल नहीं कर पाते हैं, पर एक मर्यादा में तो कर सकते हैं।

सरोज-श्यामसुंदर लड्ढा
कोलकाता

इच्छाशक्ति की कमी कारण

ऐसा हो नहीं सकता कि समाज में कोई प्रतिबंध लगे और समाज के सदस्य उसे नहीं माने। सिर्फ कमी है तो इच्छाशक्ति की। यदि किसी भी शहर के किसी विशेष समाज के ज्यादातर सदस्य एक साथ बैठक निर्णय करें एवं वहां के समाज के पदाधिकारियों को लिखें कि समाज को सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से मजबूत करना है तो महासभा के द्वारा पारित निर्णयों को लागू किया जाये एवं नहीं मानने वालों की भर्त्सना की जाए एवं हो सके तो उनके समारोह का बहिष्कार किया जाए। यदि प्रस्ताव लाने वाले सदस्य आगे जाकर स्वयं इसका पालन करेंगे तो प्रतिबंध जरूरी लागू होंगे। श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर ने अपनी 15 अप्रैल 2018 को प्रबंध कारिणी की बैठक में निर्णय लिया कि प्री वेडिंग शूट पर महासभा द्वारा लिया गए निर्णय का समर्थन करेंगे एवं सेवा सदन में होने वाले शादी समारोह में प्री वेडिंग शूट का किसी भी प्रकार का प्रदर्शन वर्जित होगा। भवन बुकिंग के पहले संकल्प पत्र भरवाया जाएगा। निर्णय की पालना पर पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। यदि सभी जगह की सामाजिक संस्थाएं आगे आ जाए तो महासभा द्वारा पारित निर्णय जरूर लागू हो सकते हैं। आज माहेश्वरी समाज में बच्चों को शिक्षित करने का जुनून है। माहेश्वरी महासभा के ट्रस्ट, प्रादेशिक संस्थाएं व स्थानीय समाज भी आगे आकर शिक्षा सहायता पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में समारोहों पर अपव्यय रोकना होगा। बचपन से ही यदि बच्चों में संस्कार व नैतिक शिक्षा पर ध्यान दिया जाए तो बच्चे बड़े होने पर स्वयं आचरण सही रखेंगे एवं दूसरों को अच्छे आचरण के लिए प्रेरित करेंगे एवं जो कुरीतियां बढ़ती जा रही है, उस पर प्रतिबंध लगाने के लिए आगे आएंगे।

- जुगलकिशोर बिड़ला
अध्यक्ष
श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

सही योजना बनाना जरूरी

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा में समाज सुधार हेतु कई कार्य हाथ में लिए गए लेकिन बहुत चाहते हुए भी उनको आशातीत सफलता नहीं मिल रही है। इसके लिए सही योजना बनाना जरूरी है। उदाहरण के लिए सामाजिक प्रतिबंध ''सभी मांगलिक आदि प्रसंगों पर व्यंजनों की सीमा'' को ही ले लें। यह नियम हर दृष्टि से आवश्यक व युक्तिसंगत है। सच्चाई है कि इससे न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक व राष्ट्रीय भावना भी पोषित होती है। हर कोई चाहेगा अन्न या खाद्य पदार्थों की बर्बादी नही हो। अतः इस हेतु संपूर्ण भारत में हर तरह की स्थानीय संस्थाओं का पूरा सहयोग लेकर उनके माध्यम से कर्म करें तो आशातीत सफलता मिल सकती है। इसी प्रकार प्री वेडिंग शूट पर रोक को ले लें। जहां तक मेरा मानना है कि जितना यह विषय गंभीर व जरूरी है, उतनी गंभीरता से एक्शन नहीं हो रहा है। इस कार्यक्रम के बहाने युवा वर्ग नैतिकता की हदें पार कर अति आधुनिक बनने की होड़ में है। मर्यादाओं का उल्लंघन कर अपना भविष्य खराब कर रहा है, जिसके अनेक दुष्परिणाम देखने में आ रहे हैं। भारतीय संस्कृति के यह बात शत-प्रतिशत प्रतिकूल है। इससे होने वाले नुकसानों का विस्तृत प्रचार-प्रसार मुख्य रूप से युवाओं द्वारा होना चाहिए। इसके लिए इस विषय के निष्णात युवाओं की टीम प्रशिक्षित कर इस के गलत परिणामों को हाईलाइट करना अतिआवश्यक है। युवाओं द्वारा नेतृत्व करने पर यह ज्यादा कारगर सिद्ध होगा।

- रामनिवास जैथलिया
पूर्व उपसभापति

इस विषय पर चिंतन जरूरी

माहेश्वरी समाज अपनी विशिष्ट सामाजिक व्यवस्था, अपने पारंपरिक रीति रिवाज आदि के लिए सदैव जाना जाता रहता है। लेकिन पिछले एक दशक से समाज में कुछ अवांछित परिवर्तन दिखने लगे हैं। जैसे जन्म-मरण, वैवाहिक आदि अवसरों पर अनावश्यक खर्चों में निरंतर वृद्धि व वैवाहिक अवसर पूर्व प्री वेडिंग शूट जैसी अनावश्यक प्रणाली का उद्भव आदि। अभा माहेश्वरी महासभा ने इसी बात को मद्देनजर कर समाज में बढ़ती बुराइयों पर नियंत्रण हेतु मार्गदर्शिका प्रेषित की गई, लेकिन वांछित परिणाम नहीं प्राप्त हुए। इसके लिए प्रभावहीन कार्यप्रणाली सर्वप्रथम जिम्मेदार है। इससे समाज के मध्य इनका प्रस्तुतीकरण स्पष्ट नहीं हो पाता। सामाजिक मानसिकता भी प्रमुख जिम्मेदार है। किसी भी परिवार को अथवा उसके मुखिया को आप सीख दें तो वह उसे अपने स्वाभिमान पर ले लेता है। वर्तमान में युवाओं में समाज के प्रति समर्पण भावना की कमी भी इसमें सहयोगी है। माहेश्वरी समाज का युवा वर्ग, अविवाहित युवा आदि अपने ही क्रियाकलापों में व्यस्त हैं। इंटरनेट, अपने व्यावसायिक कार्य, शिक्षा आदि से आगे समाज के प्रति उत्साहित नहीं है। एक सबसे बड़ा कारण संगठन द्वारा सामाजिक निर्णयों में समाज की सहभागिता का अभाव होना भी है। इससे दिशा निर्देश आदि पूर्णरूपेण सही होने पर भी समाज में प्रभावी नहीं हो पाते।

कालूराम हेड़ा, नडियाद (जिलाध्यक्ष)

नेतृत्व की शिथिलता का परिणाम

सामाजिक संस्थाओं द्वारा समाज सुधार हेतु लगाए गए प्रतिबंध वास्तव में प्रतिबंध न होकर दिशा निर्देश ही होते हैं। पर इनके लागू होने की सफलता दर कम होने का मुख्य कारण समाज के नेतृत्वकर्ता लोगों की शिथिलता है। सामाजिक संगठनों में नेतृत्व करने वाले अधिकांश लोग धनाढ्य वर्ग से आते हैं और पारिवारिक कार्यक्रमों में धन को पानी की तरह बहाना अपनी शान को बनाये रखने के लिए उन्हें आवश्यक लगता है। जब उन नेतृत्वकर्ताओं के यहां हर प्रतिबंध की धज्जियां उड़ती दिखाई देती हैं तो दूसरे समाजबंधु उनके पालन में क्यों रुचि दिखाएंगे? हर सुधार की शुरुआत अपने घर से ही करना होती है।

हालांकि कानूनन कोई किसी का सामाजिक बहिष्कार नही कर सकता पर सभी लोग आपसी सोच समझ से कितने भी बड़े आदमी का कार्यक्रम हो अगर आचार सहिंता का उल्लंघन हो और उसका बहिष्कार करें (जैसे शामिल होकर भोजन ना करे) तो भविष्य के लिए एक सबक बन सकता है। जब यह हर व्यक्ति स्वीकार कर लेगा कि अधिकांश समाजबंधु इन दिशा निर्देशों का पालन करने लगे हैं तो ना चाहते हुए अन्य लोगो को भी इन्हें मानना पड़ेगा।

इसका उदाहरण है इचलकरंजी जो कि वस्त्र उद्योग की नगरी है। यहां सभी समाजबंधु समान रूप से भोजन में 13 आइटम के नियम का पालन करते हैं। वहां के सामाजिक नियम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। वर्षों पहले पारित बारात में घोड़ी के सामने सड़क पर नहीं नाचने के नियम का राजस्थान के अधिकांश शहरों व सभी गांवों में आज तक पालन किया जाता है। मैंने इसके विपरीत प्रयास करने वाले बंधुओं के कार्यक्रमों से कई सामाजिक नेताओं को छोड़कर जाते भी देखा है।

श्रीकांत भूतड़ा, जालौर (राजस्थान)

स्वयं से करें शुरुआत

सामाजिक प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए सबसे पहले समाज का प्रत्येक बंधु स्वयं पर इन्हें लागू करें। फिर परिवार के प्रत्येक सदस्य को उस प्रतिबंध के बारे में बताकर उसे लागू करें। फिर समाज को प्रोत्साहित करे तो सामाजिक स्तर पर जो प्रतिबंध बनाए गए हैं वे प्रभावी होंगे। जो भी सामाजिक प्रतिबंध सामाजिक कार्यकर्ता (बंधु) बनाते हैं वे प्रतिबंध सबसे पहले स्वयं पर लागू करने की पहल कर परिवार से शुरुआत करेंगे, तो वे सामाजिक प्रतिबंध अवश्य प्रभावी होंगे। ऐसा मेरा विचार है।

रमेशकुमार सोनी, जोधपुर (समाजसेवी)

सभी की सहमति से बनाएं नियम

मानवमात्र की एक प्रवृत्ति होती है, जब भी कोई नियम या कानून उस पर लादा जाता है तब उसका विरोध करना या उसके विपरीत आचरण करना। यह सहज प्रवृत्ति बचपन से ही देखी जाती है। समाज के गणमान्य जब कोई नियम बनाते हैं, तब समाज में भी उसका मंथन होना आवश्यक है। उस नियम की अहमियत समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाना तथा निर्णय प्रक्रिया में सब को सम्मिलित करना अत्यावश्यक है। इसके अभाव में वह नियम लादा गया है, ऐसी भावना बनना स्वाभाविक है। समाज में जितना जोर-शोर तथा उत्साह पदाधिकारी चुनाव के समय देखने को मिलता है, उतनी ही समाज कार्य के समय निरुत्साह की भावना बाद में देखी जाती है। तहसील सभा से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कितने लोग इन निर्णयों की चर्चा समाज के मंच से करते हैं? इन नियमों का महत्व कितने लोग समाज के हर व्यक्ति को समझाने का प्रयास करते हैं? यही मुख्य कारण है कि लोग इन नियमों को अपना नहीं अपितु संगठन का मानते हैं। जब तक इन नियम को वे अपना नहीं मानेंगे तब तक उसका अनुसरण भी नहीं करेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि क्या जिस मंच से इन नियमों की घोषणा की गई, उन नियमों का पालन उस मंच पर बैठने वाले लोग निजी जीवन में कर रहे हैं?

गीता में एक वचन है, 'यद्यद्आचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।' इस गीता वचन के अनुसार जैसा बर्ताव समाज के श्रेष्ठ लोग करते हैं वैसा ही अन्य लोग अनुकरण करते हैं। एक भी आभूषण ना पहनने वाले भगवान महेश के भक्त दिखावे के लिए किसी भी हद तक जा रहे हैं यह चिंता का नहीं अपितु चिंतन का विषय है। मेरा सुझाव यह है कि नियम बनाने की प्रक्रिया में सबका विचार लें। नियमों का पालन स्वयं से शुरू करें। समाज के पदासीन व्यक्तियों पर नियम ना पालने पर उचित कारवाई हो। सादगी का सभी स्तरों पर अनुसरण हो।

अनुराधा मालपाणी, संगमनेर

स्वानुशासन की कमी

सामाजिक प्रतिबंध के प्रभावी न होने का मुख्य कारण व्यक्ति में स्वानुशासन की कमी, सामाजिक संगठन की अपने समाज पर पकड़ या पैठ का कम होना एवं दंड की कमी होना है। चूंकि हमारा समाज संपन्न एवं शिक्षित है, अतः जब संपन्नता एवं शिक्षा को जब महसूस होने लगे कि उसे सामाजिक संगठन की बहुत आवश्यकता नहीं है,तो वह सामाजिक प्रतिबंधों को बहुत गंभीरता से नहीं लेता है। इसी कारण यह प्रतिबंध प्रभावी ढंग से काम नहीं करते हैं। जब भी कोई नियम बनाए जाते हैं तो उनके पालन न होने की स्थिति में दंड का प्रावधान होता है चूंकि नियम या प्रतिबंध समाज बनाता है, तो दंड का स्वरूप बहुत कठोर नहीं हो सकता है। अतः प्रतिबंधों को प्रभावी बनाने के लिए सामाजिक संगठन को अपने समाज पर गहरी पकड़ बनानी पड़ेगी। अपने समाज का मूल्य उच्च स्तर पर बना रहे तो सामाजिक व्यक्ति को स्वानुशासन में रहना होगा एवं दंड का स्वरूप कुछ इस तरह से हो कि व्यक्ति इन प्रतिबंधों का पालन करने के लिए मजबूर हो।

- विवेक माहेश्वरी
बनखेड़ी, जिला होशंगाबाद

युवा पीढ़ी का समाज से दूर होना कारण

हर समाज में दो किस्म के लोग होते हैं। एक सकारात्मक विचार के होते हैं जो सरलता से सभी योग्य नियमों का पालन बड़ी सरलता से करते रहते हैं। इस श्रेणी के लोग समाधानी होते हैं और सुखी भी। दूसरी श्रेणी में जो लोग होते हैं वे नकारात्मक सोच रखते हैं। हर बात में खराबी ढूंढते रहने की आदत से मजबूर रहते हैं। इनसे स्वयं तो कुछ नहीं बन पाता, लेकिन हर बात में बहस करना, खामियां ढूंढना, नियम पालन से बचने के तरीके ढूंढते रहने में ही उनका अमूल्य समय बर्बाद होता है। इस श्रेणी के लोग सदैव टेंशन में रहते हैं एवं दूसरों को भी टेंशन देते हैं। इस स्वभाव के कारण कहीं-कहीं तो परिवार भी अशांत हो जाता है। पूर्व में घर के मुखिया भी आवश्यकता के अनुसार घर के बड़े बुजुर्गों का सहारा लेते रहते थे, 'घर में मां/बाबूजी को पूछकर बताऊँगा' कहकर काम सम्हाल लेते थे पर आजकल बहुत से परिवार में बड़े बुजुर्ग के रहते हुये भी बच्चों से पूछने की नई प्रथा चल पड़ी है। सही में तो आज के दादा-दादी जन अपने कर्तव्य में विफल रहे हैं। अपने बेटे पोते को संस्कारी नहीं बना पाए। इसी कारण आज का युवा समाज से जुड़ नहीं पा रहा है। कहीं-कहीं तो इतने मॉडर्न बन गए हैं कि मारवाड़ी माहेश्वरी कहलाने में भी संकोच करते हैं और यह मानसिकता सिर्फ और सिर्फ अपने समाज में ही पनपी है। बाप-दादा समाज से जुड़ा होगा, सामाजिक आचार संहिता का पालन करना चाहता भी होगा फिर भी लाचारी के कारण नहीं कर पाता है। घर में बेटा या बेटी पूछते हैं कि आपका समाज का बड़ा लोग नियम पाले कांई? इन बड़ा नेता लोंगा पर कानून क्यु नहीं लागे? ऐसी अनेक बातें हैं जिनके कारण चाहते हुए भी नियम लागू नहीं हो पाते।

-घनश्याम तोषनीवाल, बीजापुर, कर्नाटक

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
3000 से अधिक रिश्ते जोड़ने के पश्चात अब

श्री माहेश्वरी मेलापक
(माहेश्वरी समाज की विश्व स्तरीय डायरेक्ट्री)
विवाह योग्य युवक–युवतियों की
विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री 2018
प्रकाशन की ओर
जिसमें आपको मिलेंगे आपके अनुरूप रिश्ते
प्रोफेशनल व हाइटिक युवक–युवतियों की
पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

'आपकी आवाज'

यदि आप समाज के किसी भी संगठन की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट हैं, किसी योजना का लाभ आपको नहीं मिल पा रहा है या संगठनात्मक व्यवस्था में कमी को लेकर असंतुष्ट हैं, तो सप्रमाण जानकारी प्रेषित करें। हम आपकी बात जिम्मेदारों तक पहुँचाएंगे और उनके उत्तर प्राप्त होने पर उन्हें भी इस स्तंभ के माध्यम से प्रकाशित करेंगे।

क्यों किए चुनाव निरस्त?

लगभग 8 माह पूर्व आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव महासभा द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुए थे। इसके पश्चात हैदराबाद-सिकंदराबाद जिले के चुनाव निरस्त कर दिए गए। चूंकि इस जिले के प्रतिनिधि भी प्रदेश के चुनाव में शामिल थे। अतः इस आधार पर प्रदेश सभा के चुनाव को भी निरस्त कर दिया गया। प्रदेश सभा के समस्त निर्वाचित प्रतिनिधियों ने हैदराबाद-सिकंदराबाद जिला तथा प्रदेश के चुनाव निरस्त करने के पीछे महासभा को प्राप्त शिकायतों व कारण को जानने के लिए कई बार पत्र प्रेषित किए लेकिन न तो हमें संतोषजनक उत्तर मिला और न ही कोई हमसे स्पष्टीकरण लिया गया अथवा हमारा पक्ष जाना गया। इसके बाद महासभा द्वारा 'तेलगांना एवं आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा तदर्थ समिति गठित की गई। यह समिति निर्वाचित नहीं है फिर भी विधान में परिवर्तन करके चुनाव करवाने की तैयार की गई है। आखिर निर्वाचित संगठन को मान्यता न देकर तदर्थ समिति को महासभा ने मान्यता क्यों प्रदान की? इस प्रश्न का उत्तर भी हमें नहीं मिला।

▸▸ रामपाल अट्ठल
अध्यक्ष आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी व
अन्य पदाधिकारी

पाठकों से निवेदन - *इस स्तंभ के अंतर्गत ''समाज संगठनों की कार्यप्रणाली से कितने संतुष्ट हैं आप?'' विषयान्तर्गत पाठकों से विचार आमंत्रित हैं। समाज संगठन हमारे गौरव हैं, स्तंभ के माध्यम से उनकी कार्यप्रणाली में सुधार लाना हमारा कर्तव्य है। लेकिन कुछ पाठकों ने इस अर्थ को न समझते हुए अपने ऐसे विचार व्यक्त किए जो व्यक्तिगत आक्षेप व संगठन की गरिमा को क्षति पहुँचाने वाले थे। अतः समाज हित में हम उन्हें प्रकाशित करने में असमर्थ हैं। इस स्तंभ में जो पत्र वास्तव में समाज संगठनों की कमियों को सामने ला रहे थे, उन्हें ही समाहित किया गया।*

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.

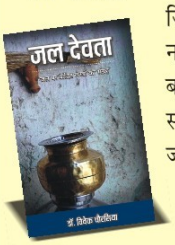

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का
अन्त नहीं बल्कि उन्हें
साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है
खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
की पुस्तक
''खूबसूरती से जीएँ
55 के बाद''.

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

a i s a k y o n

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है -
''ऐसा क्यों?'' लेकिन इसका
उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन
अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

ग्रीष्म ऋतु का मौसम ग्रीष्मावकाश के कारण जहाँ मौज-मस्ती का पर्याप्त समय लेकर आता है, वहीं अपने साथ इस मौसम की चुनौतियाँ भी लाता है। यदि इनकी थोड़ी सी भी अनदेखी की तो आपकी खुशियों को परेशानी का सबब बनते देर नहीं लगती।

कैसे रखें गर्मी में अपने आपको चुस्त-दुरुस्त

टीम SMT

बात एकदम ठीक है, धूप में निकलने से गोरा रंग काला हो जाने का खतरा अब बढ़ने लगा है। हमारी दादी के जमाने की बात और थी, जब वे धूप में रहकर भी काली नहीं पड़ती थी, उनके चेहरे की चमक बरकरार रहती थी, लेकिन आज जमाने के साथ-साथ धरती की परिस्थितियां भी बदल गई हैं। आसमान की ओजोन परत में छेद बढ़ने से धूप में अल्ट्रावायलेट किरणों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। आज सूरज की धूप से बचना पानी पीने के समान ही जरूरी हो गया है। सूरज की हानिकारक किरणों से बचना उतना ही कठिन हो गया है जितना कि रेगिस्तान में रहकर रेत से बचना। जैसे-जैसे ओजोन परत कमजोर होती जा रही है, वैसे-वैसे खतरा बढ़ता ही जा रहा है। इससे अल्ट्रावायलेट किरणों का खतरा बढ़ रहा है। यह न सिर्फ त्वचा को जलाती है बल्कि इसके अंदर तक जाकर सेल्स को प्रभावित करती है। इसके प्रभाव से त्वचा में झुरियाँ तथा झाइयाँ पड़ जाती हैं। जब आप हिल स्टेशन पर हों तब इससे बचने की ज्यादा जरूरत है। ठीक इसी तरह गर्मी जनित कई स्वास्थ्य परेशानियां भी उत्पन्न हो सकती हैं।

त्वचा को कैसे बचाएं

इससे बचने के लिए यही ठीक है कि आप धूप में न निकलें लेकिन व्यावहारिक रूप से यह बात संभव नहीं है। इसमें सनस्क्रीन का प्रयोग आपके लिए अत्यंत जरूरी हो गया है। यह कई रूपों में आता है जैसे लोशन, जैल, स्प्रे, क्रीम आदि। एक अच्छा सनस्क्रीन अल्ट्रावॉयलेट किरणों को रोकता या अवशोषित करता है लेकिन इसका चुनाव करते समय यह देखना बहुत जरूरी है कि यह अल्ट्रावॉयलेट ए तथा अल्ट्रावॉयलेट बी दोनों प्रकार की किरणों के लिए असरकारी हो। साथ ही यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि धूप में आपको कितनी देर तक रहना पड़ता है। अपने शरीर के उन हिस्सों पर अच्छी मात्रा में सनस्क्रीन लगाएँ जिन्हें धूप में एकदम खुला रहना है। कई बार पर्याप्त मात्रा में इसका प्रयोग न करने से कोई लाभ नहीं होता और दोष सनस्क्रीन की गुणवत्ता को जाता है। बाहर जाने के 15 मिनट पहले इसका प्रयोग करें ताकि यह अच्छी तरह से अवशोषित हो जाए, कुछ सनस्क्रीन ऐसे होते हैं जो त्वचा के साथ प्रतिक्रिया करके अपना काम शुरू करते हैं। अतः उनका कार्य आरंभ हो जाए, इस तरह के प्रयोग करें। वैसे हर सनस्क्रीन के साथ उसके प्रयोग के निर्देश लिखे ही होते हैं।

कैसे करें स्वास्थ्य की रक्षा

▸▸ गर्मी में दोपहर को घर से बाहर जाने से पहले एक गिलास ठंडा पानी अवश्य पीऐं तथा एक प्याज जेब में रखें। इससे लू का प्रभाव नहीं होता।

▸▸ तेज धूप में जाना हो तो सिर को ढंककर जाएँ, ताकि सिर पर धूप की सीधी किरणें न पड़ें।

▸▸ दिन में एक या दो बार नीम्बू-पानी-शकर डालकर पीएँ। इसके अतिरिक्त दही, छाछ या मीठा शरबत का सेवन करें। यदि संभव हो तो एक गिलास पानी में 1-2 चम्मच ग्लूकोज घोलकर पीएँ। इससे शरीर में शीतलता व तरावट बनी रहती है।

▸▸ धूप में तेज गर्मी में घूमते हुए ठंडा पानी या पेय न पीएँ। घर पहुँचकर भी तुरंत पानी न पीएँ। जब पसीना सूख जाए तथा शरीर ठंडा हो जाए तब पानी पीना चाहिए।

▸▸ गर्मी में हल्का भोजन करें। बासी भोजन तथा तेज मिर्च मसाले वाले, तले हुए नमकीन, बेसन से बने पदार्थों का प्रयोग न करें। खट्टा व बासी दही न खाएँ।

▸▸ गर्मी के दिनों में देर तक भूखे रहना उचित नहीं है। इस मौसम में तरबूज, संतरे, मौसंबी, हरी ककड़ी आदि का उपयोग सर्वोत्तम है।

▸▸ शाम का भोजन भारी, गरिष्ठ तथा तला हुआ नहीं होना चाहिए। सोने से कम से कम एक घंटा पहले भोजन करना चाहिए। भोजन में आम के पने का सेवन भी सर्वथा उचित है।

भारतीय कालगणना पद्धति में हर तृतीय वर्ष में एक अधिक मास अर्थात पुरुषोत्तम मास शामिल होता है। इसे हमारे धर्म शास्त्रों में इसके नाम के अनुरूप ही अत्यंत पवित्र माना गया है। इस बार अधिक मास ज्येष्ठ माह रहेगा, जिसमें 16 मई से 13 जून तक की अवधि पुरुषोत्तम मास होगी।

इस बार ज्येष्ठ माह रहेगा पुरुषोत्तम मास

टीम SMT

ज्योतिष की चंद्र गणना से जब सूर्य की एक ही संक्रांति में दो अमावस्याएं आती हैं, तब दूसरी अमावस्या वाले अमांत महीने की वृद्धि होकर मलमास (अधिकमास) बन जाता है। वर्तमान विक्रम संवत 2075 में ज्येष्ठ नामक अधिक मास है, क्योंकि वर्ष 2018 के 16 मई को सूर्य की मिथुन वृषभ संक्रांत में 15 मई 2018 की अमावस्या से 16 जून 2018 की अमावस्या तक कोई सूर्य संक्रांति नहीं है। इस प्रकार सूर्य की वृष संक्रांति में ही ज्येष्ठ की दो अमावस्याएं व्यतीत हो रही हैं। प्रथम अमावस्या के उपरांत द्वितीय अमावस्या तक का मास श्री पुरुषोत्तम मास अर्थात मलमास बन गया। इस प्रकार 2018 वर्ष में दो ज्येष्ठ मास घटित होंगे। भविष्य पुराण के अनुसार चंद्र और सौर मासों के अंतर को ही अधिक मास कहा गया है। सनातन धर्म तथा हिंदू संस्कृति में महीने की गणना चंद्रमा के हिसाब से की जाती है, परंतु मलमास, क्षय मास के उपाय द्वारा वर्ष को सूर्य के हिसाब से ठीक कर लिया जाता है।

पुराणों में पुरुषोत्तम मास

ऐसा कहा जाता है कि एक बार अत्यंत दुःखी होकर मलमास ने भगवान श्री हरि विष्णु से प्रार्थना कि हे करुणा निधान! क्या आप मुझ अभागे की पीड़ा को जानते हो? क्षण, लव, मुहूर्त, पक्ष, मास, दिन, रात्रि, नक्षत्र व सभी राशियाँ अपने-अपने स्वामी की आज्ञा से निर्भय होकर विचरण किया करते हैं। किंतु हे स्वामी! मुझ अभागे का नाम तो है, लेकिन न तो मेरा कोई स्वामी है और न ही कोई भी विवाह मुहूर्त, उत्सव, मांगलिक कार्य आदि मेरे समय काल में किए जाते हैं, यहाँ तक कि देवतागण भी मेरा निरादर किया करते हैं। इसलिए हे नाथ! मैं तो मरना चाहता हूं। तब मलमास की पीड़ा को समझकर दिनों के पालक श्री हरिविष्णु नारायण ने कहा, आज से मैं तुझे अपना नाम पुरुषोत्तम प्रदान करता हूं। जो लोग पुरुषोत्तम मास में जप, ध्यान, पूजन, दान, ईश्वर आराधना करेंगे वे इस लोक में सुख भोग कर सुख-समृद्धि को प्राप्त करेंगे। इसलिए आज भी अधिक मास में दान पुण्यादि कार्यों का बड़ा ही महत्व है। अधिक मास में संपूर्ण मास में श्री राधा-कृष्ण युगल का पूजन किया जाता है।

क्या करें

तीर्थ श्राद्ध दर्शन श्राद्ध प्रेत श्राद्ध सपिण्डनम्।।
चंद्र सूर्य ग्रहे स्नान मलमासे विधियते। (मनुस्मृति)

मलमास में प्राणघातक रोगादि की निवृत्ति के लिए रुद्र, महामृत्युंज्जय जपादि अनुष्ठान, कपिल षष्ठी आदि व्रत अनावृष्टि धारण के पुनश्चरण, ग्रहण संबंधी दान, जप, पुत्र जन्म के कृत्य, मरण के श्राद्धादि, पूजन से सीमांत तक के संस्कार आदि कार्य किए जा सकते हैं।

गोवर्धन धर्मवंदे गोपालधर्म गोप रूपिणा।
गोकलोत्सवमीशानं गोविंद गोपिकाप्रिय।। (श्रीमद् भागवत)

विशेष रूप से मलमास में प्रथम शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से द्वितीय कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तक श्री पुरुषोत्तम मास में भगवान का जप, ध्यान, श्री गोवर्धन की परिक्रमा, श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण-कीर्तन, गोरक्षा, गोसेवा, कन्या, विधवा, अनाथ, असहाय, साधु-संत, ब्राह्मणों की निष्काम सेवा के साथ धर्मानुसार आचरण से स्वयं, राष्ट्र और समाज के साथ विश्व कल्याण होता है। श्रीमद्देवी भागवत, भविष्योत्तर पुराण, हेमाद्रि पूजा, पंकज भास्कर, भविष्य पुराण, मनुस्मृति, वृहद नारद पुराण आदि में श्री पुरुषोत्तम मास का विशेष महत्व है। पुरुषोत्तम मास में परंपरानुसार श्री राधा-माधव का युगल पूजन किया जाता है। श्री नारायण के पूर्णावतार श्रीकृष्ण का मास पर्यंत ध्यान, जप, पूजन किया जाता है तथा समापन पर कांस्य पात्र में 33 मालपुओं का भोग लगाकर किसी योग्य ब्राह्मण को दान किया जाता है। तीर्थों में वास करना, पवित्र नदियों में स्नान, अवंतिकापुरी में शिप्रा स्नान कर नौ नारायण की पूजा करना, सप्त सागरों पर श्रीकृष्ण की पूजा करना एवं वहाँ दानादि प्रस्तुत करना तथा अवंतिका के चौरासी महादेवों की यात्रा तथा पूजन करना आदि का विशेष महत्व है।

ये हैं इसमें वर्जित

अग्नाधेय प्रतिष्ठ चयज्ञो दान व्रतानिच।
वेद व्रत वृषोत्सर्गचूढ़ाकरण मेरवला।।
गमनं देव तीर्थानां विवाह माभिषेचनम्।
यानं च गृह कर्माणि मलमासे विवर्जयते।। (गर्ग संहिता)

अर्थात् कुआं निर्माण, बाग-बगीचा लगाना, देव प्रतिष्ठा, किसी भी प्रयोजन के व्रत-उत्सव, अध्यापन, विवाह, ऋषि पूजन, तीर्थ दर्शन, संन्यास, कुआं पूजन, व्यापार का शुभारंभ व निंदित अन्न का भोजन तथा नशीली वस्तुओं व पदार्थों का सेवन मलमास में नहीं करना चाहिए।

उत्तर भारत का स्वर्ग बद्रीनाथ धाम

हिंदू धर्म के चारधाम वास्तव में देश के श्रेष्ठ पर्यटन स्थलों में भी शामिल हैं। इनमें ही शामिल है, उत्तर भारत का स्वर्ग बद्रीनाथ धाम भी। यह न सिर्फ साक्षात भगवान विष्णु की निवास स्थली के रूप में मान्य है, अपितु प्राकृतिक सौंदर्य के मामले में भी अद्वितीय है।

नवल माहेश्वरी

हिंदू धर्मावलंबियों के लिए तीर्थ यात्रा में चारधाम में से एक माना जाने वाला पर्व की चोटी पर स्थापित बद्रीनाथ मंदिर के बारे में मान्यता है कि भगवान साक्षात् यहां निवास करते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य भी यहाँ का ऐसा है कि आने वाला मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रहता। 15 मीटर ऊँचा यह मंदिर भगवान विष्णु को अर्पित है। आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित यह मंदिर बर्फीले तूफानों के कारण कई बार पुनः निर्मित हुआ है। सिंह द्वार इस प्राचीन मंदिर को एक नवीन छवि प्रदान करता है। मंदिर तीन भागों में विभाजित है। गर्भगृह, दर्शन मंडप और सभा मंडप। मंदिर परिसर में 15 मूर्तियाँ हैं। इनमें भगवान विष्णु की एक मीटर ऊँची काले पत्थर की प्रतिमा श्रद्धालुओं को बरबस ही अपनी तरफ आकर्षित करती है।

पुराणों में बद्रीनाथ धाम

बद्रीनाथ धाम अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ शृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। मान्यता है कि यह स्थल बदरियों (जंगली बेरों) से भरा रहता था इसलिए इसको बद्रीवन भी कहा जाता था। कहा जाता है कि जब गंगादेवी मानव जाति के दुःखों को हरने के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुईं, तो पृथ्वी उनका प्रबल वेग सहन नहीं कर सकी। अतः गंगा की धारा को बारह जल मार्गों में विभक्त किया गया। उनमें से एक है अलकनंदा। यही स्थल भगवान विष्णु के निवास स्थान के रूप में सुशोभित होने के बाद बद्रीनाथ कहलाया। 3133 मीटर की ऊँचाई पर स्थित वर्तमान मंदिर का निर्माण आठवीं सदी में आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा कराया गया था। उन्होंने एक मठ की स्थापना भी की थी।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

▸▸ **तप्तकुंड-** बद्रीनाथ मंदिर में जाने से पहले श्रद्धालु अलकनंदा के तट पर गर्म जल कुंड में स्नान करते हैं। यह कुंड अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है।

▸▸ **ब्रह्मपाल-** अलकनंदा के तट पर सपाट चबूतरे पर हिंदू अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए हिंदू धर्मप्रथा के अनुसार पिंडदान करते हैं। इसके समीप ही शेषनेत्र, चरण पादुक व नीलकंठ स्थित हैं।

▸▸ **भविष्य बद्री-** भविष्य बद्री, योगध्यान बद्री, वृद्ध बद्री व आदि बद्री। भविष्य बद्री तपोवन से घिरे वनों के बीच 2744 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आदि ग्रंथों के अनुसार यही वह स्थान है जहाँ बद्रीनाथ का मार्ग बंद हो जाने के बाद धर्मावलंवी पूजा-अर्चना के लिए आते हैं।

कैसे पहुंचें

भविष्य बद्री सलधार तक सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। ऋषिकेश से यहां की दूरी 274 किमी है। जोशी मठ से सलधार सिर्फ 19 किमी दूर पड़ता है। सलधार से यात्रियों को मंदिर तक पहुँचने के लिए छह किमी पैदल यात्रा करनी पड़ती है। निकटतम हवाई अड्डा है जौलीग्रांट, दूरी 297 किमी। निकटतम रेलवे स्टेशन 280 किमी।

▸▸ **कहां ठहरें-**

बद्रीनाथ में श्री माहेश्वरी सेवा सदन के भवन की सेवा आवास हेतु उपलब्ध है।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

'वाह रे युग'

खम्मा घणी सा हुक्म आजकल आपा सब राजनीति रो माहौल देख रियाँ हाँ.... कब कौनसो नेता आपरी पार्टी बदल देवे मतलब आपरो दल छोड़ ने विपक्षी दल में चलो जावे ध्यान ही नहीं पड़े ... अगर हुक्म आपा इतिहास में झांक ने देखा तो उण समय रा नेता या राजा रा विचार भाषण सुं एक बात समझ मे आ जावे की वे अहिंसावादी है यानी प्रेम शांति सुं शासन चलायों और राज्य रे आत्मसम्मान पर ठेस पहूंचाई तो विनो करारों जवाब भी दियो दूसरी और हिंसक राजा जो प्रजा पर क्रूरता सूं शासन करयो.. पर अब तो समझ ही नहीं आवे की कणे नेता जो अहिंसात्मक भाषण देवता वे हिंसावादी बण जावे ... और विपक्षी दल रे साथे हूँ जावे ...जिका नेता विपक्षी नेता रा लच्छेदार भाषणों सुं निंदा करता नहीं थकता था और आपरी ऊर्जावान वाणी सुं आम जनता ने आपरों बणा देता वे आज विपक्षी पार्टी में शामिल हुने तारीफ करता नहीं थक रियाँ है ...हुक्म इनमें दुविधा किने आवे? **आम जनता** ने आवे। उदाहरण देवा हुक्म अगर आपरे प्रिय नेता जो कांग्रेस पार्टी रा भाषण देने आपरी पार्टी में शामिल कियों वे कई नेता बीजेपी में घुस गया अब जनता बेचारी समझ नही पावे कि जो नेता कदेई पार्टी छोड़ ने वापस आपरे दल में आ गया तो आपा हंसी रा पात्र बण जावा अगर याणी हां में हां भर देवा क्योंकि हुक्म जुबान री कीमत ने **'आम व्यक्ति'** ज्यादा तवज्जो देवे ।।

हुक्म सच तो या है कि अब देश रो शासन भी 'आईपीएल' टीमों रे माफिक हूँ गयो है जो खिलाड़ी पिछली साल जिण टीम रा सरताज था वे इण बरस उन्ही टीम रे विरुद्ध चौका- छक्का लगा रियाँ है ..क्रिकेट प्रेमी समझ नही पावे आपरे प्रिय खिलाड़ी रो समर्थन करे या उने आउट हुवण री कामना करें।

इण युग में विचारक, विशेषज्ञ, वक्ता, प्रवक्ता, आलोचक, समालोचक, निन्दक सब दल- बदल रा शिकार हो रियाँ है ज्यों ठंडे में गर्म मिलाने खावणो और गर्म में ठंडो मिलाने खावणों शादी विवाह में एक स्पेशल आयटम सामने आ रियो है। समझ नहीं आवे हुक्म यों परिवर्तनशील युग है या दिमागी खुरापाती युग ...वाह रे युग थने नमस्कार

मुलाहिज़ा फरमाइये

झूठ बोलने के लिए
जुबां चाहिए.....
सच कहने के लिए तो
आँखे ही काफी है.....

जुबां से माफ़ करने में वक्त नहीं लगता..
दिल से माफ़ करने में उम्र बीत जाती है..

गजब के खरीदार हो आप राहे इश्क के,
आप मुस्कुरा देते हो और, हम बिक जाते है

हमें देख कर जब उन्होने मुँह मोड़ लिया....!!
एक तसल्ली सी हो गयी की चलो, पहचानते तो है...!!

कुछ लोग मेरी शायरी को यूँ छू कर चले जाते हैं,
जैसे रुक गए तो मरीज-ए-इश्क हो जायेंगे...!!!

शिकायत मौत से नही अपनों से है साहब?
जरा सी आँख क्या लगी कब्र खोदने लगे?

शोहरतों का पैमाना सिर्फ पैसा नहीं होता है
जो दिल पर राज करे वो भी मशहूर होता है...।।

नाराज सी जिदंगी को मना लेते हैं....
खुद को ही एक लतीफा सुना लेते है....!!

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी, मेरठ*

खुश रहें... खुश रखें...

धर्म के विरुद्ध संघर्ष यानी संसार के विरुद्ध संघर्ष

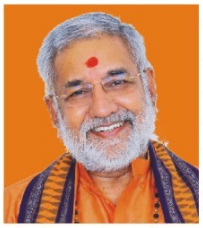

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

धर्म क्या है इसको लेकर सदैव बहस होती रहती है। कार्लमार्क्स का यह संवाद बहुत लोकप्रिय है कि धर्म जनता के लिए अफीम यानी नशा है। मार्क्स ने इस सवाल को बहुत पहले उठाया था कि धर्म से उत्पन्न रिक्तता को कैसे भरा जाए। मनुष्य धर्म की रचना करता है या धर्म मनुष्य की रचना करता है, यह बहस का एक पुराना मुद्दा है। किसी ने धर्म को मनुष्य स्वचेतना कहा है, स्वप्रतिष्ठा माना है, भटके हुए लोगों के लिए सद्मार्ग माना है।

मनुष्य रहता है, राज्य और समाज में। जीता है किसी धर्म में और कई बार धर्म और राज्य-समाज एक-दूसरे के लिए उल्टे नजर आते हैं। वे एक-दूसरे को शीर्षासन करते हुए देखते हैं लेकिन तमाम प्रगतियों के बाद अब यह तय हो गया है कि धर्म के विरुद्ध संघर्ष का मतलब है, संसार के विरुद्ध संघर्ष। संसार में अध्यात्म की जो सुगंध होती है, उस तक पहुंचने के लिए धर्म एक साफ-सुथरी पगडंडी है। धर्म को संसार में उलझाएँ तो अनेक विवाद हैं लेकिन अध्यात्म से जोड़ें तो उससे भी अधिक समाधान हैं। जैसेः अध्यात्म से जुड़कर आश्रम का नाम दिया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम। ब्रह्मचर्य आश्रम ज्ञान की उपासना को बताता है। गृहस्थाश्रम में प्रेम, सहयोग और त्याग के प्रयोग किए जाते हैं, वानप्रस्थ में परिवार की मर्यादित आसक्ति को छोड़कर सेवा की जाए इसका आग्रह होता है तथा संन्यास आश्रम का अर्थ है निर्माण। एक ऐसा जीवन जो सिर्फ परमात्मा के लिए होगा। देखा जाए तो इन चारों ही आश्रमों का केंद्र परिवार तथा उसका प्रबंधन होता है।

संन्यास भारतीय संस्कृति का मौलिक शब्द है। इसलिए धर्म को अध्यात्म से जोड़कर खूब लाभ उठाया जा सकता है और संसार में उलझा कर हानि भी प्राप्त की जा सकती है।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
Internationally
Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.70.50
98.22.88.25.66

Computerised
Horoscope
Most Advanced
Mathematical
Software in India
Windows
based Software
Accurate Calculations
Accurate Charts
Full Screen VIEW Facility
Use any printer -
Dot Matrix or Inkjet or Laser.
Choice
of 6
Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu
Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66
Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

ढोकार डालना

सामग्री : 100 ग्राम चने की दाल, 1 आलू (टुकड़ों में कटा हुआ), 1 प्याज बारीक कटा हुआ, 1 छोटा चम्मच साबुत जीरा, 2 तेजपत्ता, 2 दालचीनी, 1 इलायची, 2 लौंग, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर, 2 बड़ा चम्मच दही, 2 छोटा चम्मच अदरक का पेस्ट, 3-4 हरी मिर्च, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच घी, तेल जरूरत अनुसार, नमक स्वादानुसार, पानी जरूरत के अनुसार

विधि- ढोकार डालना बनाने के लिए सबसे पहले चने की दाल को रातभर भिगोकर रख दें। अगले दिन दाल को ब्लेंडर में डालकर अदरक, हरी मिर्च और नमक के साथ महीन पीस लें। मीडियम आंच में एक कड़ाही में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही पिसी हुई चने की दाल डालकर कड़छी से चलाते हुए अच्छे से भून लें। भूनते हुए दाल को पूरी तरह से सूखा लें और आंच बंद कर दें। भुनी दाल को तुरंत ही एक प्लेट में फैलाकर 10 से 15 मिनट के लिए रख दें। तय समय के बाद आप देखेंगे कि दाल जम गई है। अब आप इसे मनचाहे आकार में काट लें। (आप बर्फी का शेप भी दे सकते हैं)। मीडियम आंच में एक दूसरी कड़ाही में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही तैयार बर्फी को सुनहरा होने तक तल लें और प्लेट में निकालकर रख लें। अब इसी तेल में आलू को भी तलकर प्लेट में निकाल लें। तेल में अब जीरा, तेजपत्ता, दालचीनी, इलायची और लौंग डालकर भून लें। जीरे के चटकते ही प्याज, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर, अदरक का पेस्ट, दही और नमक मिलाएं। जैसे ही मसाला पूरी तरह से भून जाए यानि जब मसाला तेल छोड़ने लगे, तब आलू और पानी डालकर 5 मिनट तक उबलने रख दें। तय समय के बाद चने के दाल की बर्फी डालें और दोबारा 2 मिनट तक पकाएं।

पुनम राठी, नागपुर
9970097423

आज लगभग अधिकांश परिवार एक विकट समस्या से जूझ रहे हैं, यह समस्या है बच्चों के संस्कारविहीन होने की। बच्चे हिंसक, आक्रामक, चिड़चिड़े व घमंडी होते जा रहे हैं। सभी चिंतित हैं कि आखिर क्या होगा, उनका भविष्य? आईये देखें कुछ दशकों में क्या बदला, जिसने हमारे नौनिहालों को बदलकर रख दिया?

संस्कारों से दूर हटते बच्चे

शरद गोपीदास बागड़ी, नागपुर

आज के आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक युग में बच्चों की परवरिश बहुत जटिल प्रक्रिया बन गयी है। पुराने समय में परिवार बड़ा होने से बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची, बुआ, भाइयों-बहनों का साथ, संस्कार, प्रेम, प्यार, अपनापन व सहयोग मिलता था। बच्चा सबके साथ रहकर बहुत कुछ देखकर, सुनकर, सहकर, समझकर सिखता था तथा केयरिंग व शेयरिंग का महत्व समझता था। दादा-दादी, नाना-नानी अपने अनुभव के आधार पर बच्चों में अच्छे संस्कार डालते थे। संयुक्त परिवार में साथ रहने के फायदे बहुत हैं, लेकिन आज परिवार एकाकी हो गए। घर में माता-पिता व अधिकतर एक बच्चा रहता है। माता-पिता दोनों बहुत व्यस्त हो गए हैं। माता-पिता समय नहीं देकर किसी अच्छे नामी स्कूल में बच्चे को डालकर, उसे नये-नये आधुनिक साधन देकर अपने फर्ज की इतिश्री समझते हैं। बच्चे को खुश रखने की होड़ में उसकी हर जायज/नाजायज मांग पूरी की जाती है। बच्चे को 'ना' सुनने की आदत ही नहीं। अब धीरे-धीरे बच्चा जिद्दी, घमंडी होता जाता है। वह हर चीज पर अपना अधिकार समझने लगता है। उसमें केयरिंग व शेयरिंग की भावना खत्म हो जाती है। बच्चा सुबह से स्कूल जाता है व दोपहर को घर है आता, फिर ट्यूशन जाता है व रात को वापस घर आता है।

बच्चों के लिए समय नहीं

स्कूल में सहपाठियों के पास नए-नए उपकरण, गैजेट, साधन देखकर उसका भी मन ललचाता है। अपने माता-पिता घर परिवार की तुलना अपने से ऊंचे बड़े घर के दोस्तों से करने लगता है। बचपन से ही उसमें या तो अंहकार या हीनता की भावना आने लग जाती है। वह हर समय अपनी व घर की तुलना अपने दोस्तों, सहपाठी के माता-पिता घर-परिवार से करता है। एक कहावत है कि अगर आप भविष्य में अपने बच्चों की यादों में रहना चाहते हो तो उसे पूरा समय दो।

पंचतत्वों से बनी दूरी

आज बच्चों के मन से कुछ जानने, समझने कि जिज्ञासा खत्म हो गई क्योंकि उसे हर चीज आसानी से गुगल पर मिलने लगी है। कुछ भी जानना है, गुगल देख लिया। इसका मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत नुकसान है। आज बच्चों का पंचतत्व से रिश्ता खत्म सा हो गया अर्थात पहले बच्चे बाहर खेलते थे। उनका आकाश, धरती, बारिश, हवा, धूप (गरमी) से मिलन होता था। इसी कारण हमारी धरती पर विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस आदि संत-महापुरुषों ने जन्म लिया था। अब बच्चे सिर्फ मोबाइल (इनडोर गेम) में कैद हो गए हैं। इससे उन्हें प्रकृति के गुण व उसकी ऊर्जा नहीं मिलती। यह ऊर्जा बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास में बहुत सहायक होती है।

भोजन व मनोरंजन सब दूषित

पहले बच्चों को दादी-नानी के हाथ का शुद्ध पौष्टिक आहार खान-पान में मिलता था, जिससे उनका शरीर, दिमाग व समग्र विकास होता था। आज बच्चे खानपान के नाम पर बस पिज्जा, बर्गर, मैगी इत्यादि अत्यंत नुकसानदेह खाना खा रहे हैं जो उनके शरीर दिमाग के लिये नुकसान देह है। आज बच्चों के हाथ में मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दिनभर रहते हैं जिसकी किरणें बच्चों के शरीर, दिमाग व आंखों को नुकसान पहुंचा रही हैं। यह एक तरह का स्लो पॉयजन है। आज दो-तीन साल का बच्चा भी मोबाइल का इतना आदी हो गया है कि बिना मोबाइल के वह गुमसुम हो जाता है। परिस्थितिवश बच्चे के थोड़ा सा रोने पर सबसे आसान साधन है बच्चे को मोबाइल दे दो, वह चुप हो जाएगा। धीरे-धीरे बच्चा मोबाइल का ऐडिक्ट (गुलाम) हो गया। वह मोबाइल में इंटरनेट पर अच्छा-बुरा सब देखता है व समय आने पर उस पर रिऐक्ट भी करता है।

अपने-आपको भी बदलें

बच्चे सिर्फ हमारी बातें सुनकर नहीं सीखते। वे हमारी एक-एक बात को देखते और नोटिस करते हैं। बच्चों के लिए उनके माता-पिता ''हीरो'' होते हैं। कभी-कभी परिस्थितिवश कुछ बातें हमारे बस में नहीं होती, मजबुरीवश हमें करना पड़ता है। परंतु कुछ बातों में सामंजस्य बैठाकर सुधार किया जा सकता है। आज हो सकता है दो पीढ़ी की सोच, वैचारिक मतभेद या परिस्थितिवश आपका अपने बच्चे के दादा-दादी अर्थात आपके माता-पिता से तालमेल नहीं बैठ रहा हो। ठीक है, परंतु आपके अपने जिद, इगो से ज्यादा महत्वपूर्ण आपके बच्चे का सुनहरा भविष्य है व बच्चे के भविष्य के लिये बच्चे के दादा-दादी से तालमेल बिठाना जरूरी है। बच्चे के आने वाला सुनहरा भविष्य भी तो है। हमको हमारे बच्चे के आने वाले भविष्य के खातिर भी तालमेल बैठाकर समझौता करना चाहिए। यह हमारे सुनहरे भविष्य के लिया अच्छा है। आज के परिवेश में कोशिश की जा सकती है कि हम अपने अंहकार को त्याग कर, ईगो, जिद को हटाकर सोच को बदलकर बच्चों को अधिकतम परिवार के बुजुर्ग सदस्यों दादा-दादी नाना-नानी का साथ, संस्कार व प्यार दिला सकते हैं।

(लेखक ख्यात समाजसेवी व पोर्टफोलिया कन्सल्टेंट हैं)

एक वैश्या से हार गए थे स्वामी विवेकानंद

बात उस समय की है जब स्वामी विवेकानंद राजस्थान की एक छोटी-सी रियासत खेतड़ी के महाराजा के अमेरिका जाने वाले पहले मेहमान थे। अब महाराजा तो महाराजा ठहरे! अब स्वामी विवेकानंद का स्वागत कैसे करें? और अमेरिका जाता है संन्यासी, पहला संन्यासी, स्वागत से विदा तो होनी ही चाहिए। हर एक की अपनी भाषा होती है, अपने सोचने का ढंग होता है, महाराजा और क्या करता, तो राजा ने उनके लिए एक स्वागत समारोह रखा। उसके लिए उसने बनारस से देश की सबसे बड़ी जो ख्यातिनाम/प्रसिद्ध वैश्या थी, उसको बुलवा भेजा। बड़ा जलसा व वैश्या का नाच रखा। यह भूल ही गए कि किसके लिए यह स्वागत-समारोह हो रहा है, विवेकानंद के लिए? जैसे ही स्वामी विवेकानंद को इस बात की जानकारी मिली कि राजा ने स्वागत समारोह में एक वेश्या को बुलाया है, तो वे संशय में पड़ गए। अब आप स्वामीजी की दशा समझ सकते हैं। मन को चोट लगी कि यह कोई बात हुई, संन्यासी के स्वागत में वैश्या? आखिर एक संन्यासी का वैश्या के समारोह में क्या काम? यह सोचकर उन्होंने समारोह में जाने से इनकार कर दिया और अपने कक्ष में बैठे रहे। साधारण भारतीय संन्यासी की धारणा यही है। हाँ, इंकार कर दिया जाने से। अपमानित महसूस किया अपने को, अपने अनुभव को। यह तो असम्मानजनक घटना हो रही है।

वैश्या बड़ी तैयार होकर आयी थी। संन्यासी का स्वागत करना था, कभी किया नहीं था, संन्यासी के स्वागत में कोई नाच-गान। बहुत तैयार होकर आयी थी, बहुत पद याद करके आयी थी 'कबीर के, मीरा के, नरसी मेहता के। लेकिन जब यह खबर वैश्या तक पहुंची कि उसकी वजह से वे इस कार्यक्रम में भाग लेना ही नहीं चाहते, तो वह काफी आहत हुई, बहुत दुःखी हुई कि संन्यासी नहीं आएंगे। उसने एक गीत नरसी मेहता का गाया-बहुत भाव से गाया, खूब रोकर गाया, आंखों से झर-झर आंसू बहे और गाया। उसके भाव थे कि एक पारस पत्थर तो लोहे के हर टुकड़े को अपने स्पर्श से सोना बनाता है, फिर चाहे वह लोहे का टुकड़ा पूजा घर में रखा हो या फिर कसाई के दरवाजे पर पड़ा हो। अगर वह पारस ऐसा नहीं करता अर्थात पूजा घर वाले लोहे के टुकड़े और कसाई के दरवाजे पर पड़े लोहे के टुकड़े में फर्क कर सिर्फ पूजा घर वाले लोहे के टुकड़े को छूकर सोना बना दे और कसाई के दरवाजे पर पड़े लोहे के टुकड़े को नहीं, तो वह पारस पत्थर असली नहीं है यानी पारस पत्थर तो दोनों को छूकर सोना कर देता है।

उस भजन की कड़ियां विवेकानंद के कमरे तक आने लगी और विवेकानंद के हृदय पर ऐसी चोट पड़ने लगी जैसे सागर की लहरें किनारे से टकराए, पछाड़ खाए। फिर मन में बड़ा पश्चाताप हुआ क्योंकि भजन वाली बात बहुत चोट कर गयी, घाव कर गयी। यह विवेकानंद के जीवन में बड़ी क्रांति की घटना थी। श्री रामकृष्ण परमहंस जो नहीं कर सके थे, उस वैश्या ने किया। स्वामी विवेकानंद अपने आप को रोक न सके, आंख से आंसू गिरने लगे-यह तो चोट भारी हो गयी। अगर तुम पारस पत्थर हो, तो यह भेद कैसा? पारस पत्थर को वैश्या दिखाई पड़ेगी, सती दिखाई पड़ेगी? पारस पत्थर को क्या फर्क पड़ता है-कौन सती, कौन वेश्या? लोहा कहां से आता है, इससे क्या अंतर पड़ता है? पारस पत्थर के तो स्पर्श मात्र से सभी लोहे सोना हो जाते हैं। विवेकानंद उस घटना का बहुत स्मरण करते थे कि एक वैश्या ने मुझे उपदेश दिया। यह भेद, सच्चे ज्ञानी के पास अभेद है। पापी जाए या पुण्यात्मा जाए वह तो दोनों को छूता है, दोनों को स्वर्ण कर देता है। उसकी आंखों का जादू ऐसा है, उसके हृदय का जादू ऐसा है।

स्वामी विवेकानंद यह नाम आते ही न सिर्फ हर भारतीय बल्कि कई विदेशियों का सिर भी सम्मान से झुक जाता है। आखिर स्वामीजी थे ही आदि शंकराचार्य के बाद सनातन संस्कृति के ऐसे प्रख्यात विद्वान जिनकी विद्वता के सामने पूरी दुनिया नतमस्तक हो गई थी। लेकिन आपको यह जानकारी आश्चर्य होगा कि वे ही स्वामी विवेकानंद एक वैश्या से हार गए थे।

▸▸ गोवर्धनदास बिन्नानी, बीकानेर

स्वास्थ्य का इंडीकेटर मूलांक

पं.अखिलेश शर्मा, उज्जैन

वर्तमान दौर में सतत रूप से बढ़ते बीमारियों के खतरे ने हर किसी को चिंता में डाल दिया है। चिंता है तो यह कि हम किस-किस बीमारी से सतर्कता बरतें। बीमारियों की फहरिश्त भी तो लंबी है। यदि सभी की सतर्कता में जुट गए तो फिर अन्य जिम्मेदारियाँ कैसे निभाएंगे? इसी समस्या का समाधान छिपा है, आपके मूलांक में जो बता सकता है, किससे बरतें सतर्कता।

ज्योतिष एक ऐसा प्राचीन विज्ञान है, जिसे अब वैज्ञानिक भी मान्य करने लगे हैं। अंक ज्योतिष द्वारा किसी व्यक्ति के बारे में भविष्यवाणी करते समय मूलांक का बहुत महत्व होता है। आपका जन्म जिस दिनांक को हुआ है उस दिनांक के अंकों का एक अंकीय योगफल ही मूलांक है। जैसे यदि आपका जन्म दिनांक 17 है तो 1+7=8 अर्थात् मूलांक 8 होगा। यही मूलांक ज्योतिष विज्ञान में आपकी बीमारियों का आइना भी है। जानिए अपने मूलांक से अपनी नजदीकी बीमारियों को।

1 इस मूलांक वालों को हृदय रोग होने की सर्वाधिक आशंका होती है। अतः ऐसे आहार-विहार से परहेज करें जिससे हृदय प्रभावित होता है। सूर्य उपासना, रविवार व्रत व सूर्य दर्शन उपयुक्त।

2 ऐसे जातकों को अधिकांश पैर के रोगों की समस्या रहती है। अपच, गैस व पाचन की समस्या बनी रहती है। पाचन तंत्र की खराबी भी बड़ी समस्या बन सकती है। सतर्क रहें। शिव उपासना व सोमवार व्रत उत्तम।

3 सामान्यतः इस मूलांक वालों को स्नायु संस्थान अर्थात न्यूरल समस्या आती है। अतः तनावों से मुक्त रहने की आदत बनाएँ। हड्डियों में दर्द, थकावट आदि की भी संभावना। विष्णु उपासना, पूर्णिमा व्रत व सत्यनारायण कथा श्रेष्ठ।

4 जातकों को अधिकांशतः एनीमिया की समस्या आती है। न्यूनाधिक रूप से यह रोग जीवनभर बना रहता है। गणेश उपासना, गणेश चतुर्थी व्रत आदि श्रेष्ठ। रक्तवृद्धि वाले आहार को ग्रहण करें।

5 फ्लू, जुकाम आदि रोग इन्हें न्यूनाधिक रूप से लगे ही रहते हैं। जहाँ तक हो सके इस स्थिति से बचने का प्रयास करें। लक्ष्मी उपासना, पूर्णिमा व्रत व सत्यनारायण की कथा श्रवण करें।

6 इस मूलांक से संबंधित जातकों को फेफड़ों से संबंधित रोग की आशंका बनी रहती है। कई मामलों में ये रोग मृत्यु के कारण भी बनते हैं। अतः अपने फेफड़ों को लेकर सतर्क रहें और सुखी रहें। शुक्रवार का व्रत, संतोषी माता की पूजा आदि श्रेष्ठ।

7 व्यक्ति अधिकतर चर्मरोग से पीड़ित रहते हैं। चर्म से संबंधित कोई न कोई बीमारी इन्हें सतत रूप से बनी रहती है। चाहे वह छोटे रूप में ही क्यों न हो। नृसिंह भगवान की उपासना, हनुमान दर्शन व मंगलवार व्रत श्रेष्ठ।

8 इस मूलांक से प्रभावित व्यक्ति लीवर की समस्या से परेशान रहते हैं। इससे संबंधित जो भी बीमारियाँ हैं वे छोटे या बड़े रूप में घेरे रह सकती हैं। शनिदेव की उपासना, शनिवार का व्रत आदि उत्तम।

9 मूलांक के जातक 'मसल्स' की समस्या से छोटे या बड़े किसी रूप से प्रभावित रह सकते हैं। आहार को संतुलित रखें। हनुमान उपासना व मंगलवार का व्रत श्रेष्ठ।

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- आपके लिये यह माह अच्छा एवं सफलता प्रदान करेगा। कॅरियर के लिए महत्वपूर्ण फैसला लेंगे। संतान से संबंधित प्रकरण हल करेंगे। मित्र एवं परिवारजनों से सहायता मिलेगी। मांगलिक एवं धार्मिक कार्य होंगे। मकान, जमीन से संबंधित रुके कार्य पूर्ण होंगे। माह के उत्तरार्द्ध में खर्च अधिक होगा। आर्थिक स्थिति श्रेष्ठ एवं धन की प्राप्ति होगी। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। नेत्र से संबंधित कष्ट रहेगा। प्रेम प्रसंगों में टकराव उत्पन्न होगा। सामाजिक क्षेत्र में वर्चस्व बढ़ेगा।

वृषभ- यह माह आपके लिये मान-सम्मान में वृद्धि एवं प्रतिष्ठित लोगों से मेल-जोल का लाभ मिलेगा। संतान पक्ष की चिंता दूर होगी। विरोधी बढ़ेंगे। घर में शुभ कार्य मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। राजनैतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। नौकरी में परेशानी बनी रहेगी। पारिवारिक एवं जीवन साथी से मतभेद बने रहेंगे। मनोरंजन, दिखावा आदि पर खर्च होगा। इंटरव्यू, परीक्षा एवं प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। यात्रा द्वारा लाभ मिलेगा।

मिथुन- आपकी राशि वालों के लिये इस माह में संत या महापुरुष का सान्निध्य प्राप्त होगा। नौकरी में पदोन्नति होगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। बड़े बुजुर्गों की कृपा व आशीर्वाद से लाभ, उन्नति एवं लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। वाहन सावधानी पूर्वक चलाये। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत के बाद सफलता प्राप्त होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता बनी रहेगी। अजनबी लोगों से दूरियां बनाए रखें। स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा। संतान के कोई कार्य से परेशानी एवं उलझन बनी रहेगी। न्यायालीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी।

कर्क- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। धन की प्राप्ति, प्रतिष्ठा अधिकार की प्राप्ति होगी। पैतृक सम्पत्ति मिलेगी, किंतु वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसायिक यात्रा होगी। शेयर, सट्टा, वायदा बाजार से लाभ, वाहन, मकान का सुख प्राप्त होगा। उत्तम भोजन का लुत्फ आएंगे। मनोरंजन घूमने-फिरने पर खर्च करेंगे। जीवन साथी का सुख मिलेगा। नई चुनौतियों का डटकर सामना कर लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

सिंह- यह माह आप सुकुन एवं शांति से काम करना पसंद करेंगे। मकान, साज-सज्जा पर खर्च, वैववाहि जीवन में मधुरता आऐगी। विवाह संबंध होंगे। साझेदारी कार्य में लाभ होगा। राजकीय एवं अधिकारी वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। संतान की शिक्षा अध्ययन विषयों को पूर्ण करेंगे। नये लोगों से संपर्क बढ़ेगा। किंतु माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। लापरवाही से बनते कार्य बिगाड़ सकते हैं। विरोधी प्रबल रहेंगे। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे।

कन्या- यह माह आपके लिये मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, नये-नये लोगों से संपर्क, मौज-मस्ती, ऐश्वर्य के साधनों में वृद्धि। सरकारी अटके कार्य पूर्ण होंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति, विवाह-मांगलिक कार्य होंगे। माता-पिता से विशेष स्नेह मिलेगा। प्रेम प्रसंग में मधुरता बढ़ेगी। आलस्य बना रहेगा। घर में नये मेहान का आगमन होगा। गणेश जी की आराधना करें।

तुला- यह माह में आप किसी वरिष्ठ अधिकारी के संपर्क का लाभ लेंगे। मांगलिक एवं शुभ कार्यक्रम में व्यस्त रहेंगे, किंतु वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। आय में वृद्धि, रुका हुआ धन प्राप्त होगा। विपरित योनी की ओर रुझान बना रहेगा। धार्मिक यात्रा, पिकनिक, मनोरंजन, दिखावा पर व्यय अधिक करेंगे। सामाजिक कार्य व जनकल्याण से जुड़े कार्यों की ओर आकर्षित रहेंगे। अति विश्वास करना हानिकारक सिद्ध होगा। संतान संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये उत्तम सफलता प्रदान करने वाला होगा। उच्चाधिकारियों व वरिष्ठ व्यक्तियों की सलाह मिलेगी। घर में विवाह, मांगलिक कार्य होंगे। शुभ समाचारों की प्राप्ति। अपनो के द्वारा विश्वासघात, धोखा खाना पड़ेगा। अनावश्यक विवाद में उलझेंगे। फिर भी भाग्य आपका बुलंदी पर रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। आर्थिक पक्ष सुदृढ़ होगा। पाचन तंत्र, शीत प्रकापे, चर्म रोग से संबंधित कष्ट रहेगा। अपने परिश्रम से सफलता अर्जित करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। वाहन-मकान सुख में वृद्धि होगी।

धनु- यह माह आपके लिये भाग्यवर्धक रहेगा। शिक्षा में सफलता मिलेगी। लंबी यात्रा होगी। कानूनी कार्यों में सफलता मिलेगी। आपकी योग्यता व काबिलीयत सामने आकर लक्ष्य को प्राप्त होगी। मकान, प्लाट, नवीन वाहन सुख में वृद्धि होगी। प्रेम प्रसंग में सफलता। वाणी एवं गलत फहमी के कारण मित्र भी शत्रु बन जावेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

मकर- यह मकान आपके लिये धन संपदा में वृद्धि कारक रहेगा। वाद-विवाद में विजय हासिल होगी। नौकरी में तरक्की के योग प्रबल रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। नये वाहन सुख प्राप्त होगा, किंतु स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां बनी रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। भौतिक सुख दिखावा वस्त्रादि पर व्यय करेंगे।

कुंभ- यह माह आपके लिये लाभकारी एवं राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। जीवन साथी से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। शिक्षा क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी एवं आशातित सफलता मिलेगी। आलस्य को योग, कानूनी मसलों से दूर रहने का प्रयास करें। नवीन विनीयोग में सावधानी बरते। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। आंखों से कष्ट, वाहन में अनावश्यक जोखिम नहीं उठावे। विरोधी परास्त होंगे। पुत्र संतान के योग, धार्मिक यात्रा, विवाह समारोह में भाग लेंगे। भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करेंगे। प्रेम प्रसंग के योग रहेंगे।

मीन- यह माह आपके लिये लंबी यात्रा स्थान परिवर्तन करने वाला होगा। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। धन आगमन के योग प्रबल रहेंगे। प्रेम के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। शिक्षा में अनुकूल परिणाम आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें एवं विवादों से बचे, स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। गूढ़ रहस्यमय ज्ञान में वृद्धि, विरोधी परास्त होंगे। नवीन कार्य आरंभ करेंगे एवं सफलता अर्जित होगी। दोस्तों से सहयोग विवाह संबंध का निर्धारण होगा। स्वास्थ्य के संबंध में सावधानी बरते। नौकरी (अधिनस्थ) लोग आपकी निंदा करेंगे।

नहीं रही नि:स्वार्थ समाजसेवी श्रीमती राजकुमारी राठी

सूरत. टैक्सटाइल मशीनरों की ख्यात इम्पोर्ट फर्म "ओरेंज 'ओ' टेक प्रा.लि. के संचालक शिवजी राठी की धर्मपत्नी व समाजसेवी जयकिशन राठी की भातृवधु श्रीमती राजकुमारी राठी का गत 11 मार्च को निधन हो गया। आपका अंतिम संस्कार अगले दिन 12 मार्च को शाम 4 बजे उमरा श्मशान पर हुआ। यहां उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए क्षेत्र के कई गणमान्यजन उपस्थित थे। आप मधूसुदन, वेणुगोपाल व श्रीनिवास काबरा की बहन थीं। आप अपने पीछे पुत्र आयुष राठी व भतीजे-भतीजी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

विलक्षण थीं श्रीमती राठी

पारिवारिक दायित्वों के कारण स्व. श्रीमती राठी किसी समाज संगठन से सीधे तौर पर सम्बद्ध नहीं थीं, लेकिन उनके धार्मिक व समाज सुधारक स्वभाव से उनका संपूर्ण जीवन ही समाजसेवा बन गया था। कुछ वर्ष पूर्व उनके पुत्र मयंक राठी का असामयिक दुःखद निधन हो गया था। इसके बाद उनकी प्रेरणा से राठी परिवार ने जो किया वह मिसाल बन गया। उन्होंने अपनी विधवा पुत्रवधू का न केवल पुत्री की तरह विवाह कर उसे विदा किया बल्कि उनके पति सौरभ तोतला को धर्मपुत्र की तरह अपनाया भी। इतना ही नहीं अपने अंतिम समय के कुछ माह पूर्व जब उन्होंने नया फ्लैट खरीदा तो अपने पुराने फ्लैट का संपूर्ण सामान ही लोगों में बांट दिया था।

श्रीमती संतोषदेवी चांडक

वर्धा. किराना व्यवसायी हरगोविंद चांडक की भाभी श्रीमती संतोषदेवी ओमप्रकाश चांडक का 50 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। इस दुखद घड़ी में भी परिवार ने अपना सामाजिक दायित्व निभाते हुए 2 दृष्टिहीनों लोगों को दृष्टि मिल सके इसके लिए उनके नेत्रदान की इच्छा प्रकट की। इस कार्य में भंवरलाल, जेठमल चांडक, श्याम, गणेश चांडक के साथ अनिल केला, मुरली केला, मनोज मोहता, विजय राठी, नेत्र मित्र परिवार के अजय राठी आदि का सहयोग रहा।

श्री बालकृष्ण माहेश्वरी

इंदौर. समाज सदस्य संजय माहेश्वरी के पिता व प्रेमनारायण,सत्यनाराय, ओमनारायण, गोविंद, राजेश के काकाजी श्री बालकृष्ण माहेश्वरी (भूतड़ा) का गत 28 मार्च को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्री शोभा ओमप्रकाश पसारी, मीना मुरलीधर झंवर, आशा प्रमोद मंत्री तथा पौत्र-पौत्री, नाती-नातिन आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

ख्वाब भले टूटते रहे मगर,
हौंसले फिर भी ज़िंदा हो

मालू को शोक

इंदौर. मप्र राज्य खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद मालू की बुआ मां श्रीमती रामस्वरूपी देवी का लंबी बीमारी के बाद 82 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अंतिम संस्कार जूनी इंदौर मुक्तिधाम पर किया गया। श्री मालू ने मुखाग्नि दी। शोक सभा में जगमोहन वर्मा, ललित पोरवाल, प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, ईश्वर बाहेती, सत्यनारायण मंत्री, राजेश मूंगड़, नितिन पाटीदार, भानु चौबे, विनोद खंडेलवाल, शिव अजमेरा, प्रहलाद सेठ, पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री सुशीलकुमार बागड़ी

नागपुर. श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष, ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा सदस्य एवं प्रसिद्ध समाजसेवी श्री सुशीलकुमारजी चंपालालजी बागड़ी (86वर्ष) (श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत के वर्तमान अध्यक्ष प्रमोद बागड़ी के पिता एवं नागपुर जिला युवा संगठन के अध्यक्ष प्रतीक बागड़ी के दादाजी) का गत 24 मार्च को निधन हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती जेठादेवी बिहाणी

मालदा टाउन (प.बं.). श्रीमती जेठादेवी बिहाणी धर्मपत्नी स्व. श्री छगनलाल बिहाणी जो कि मूल रूप से बीकानेर निवासी होने के साथ वर्तमान में पश्चिम बंगाल के गंगारामपुर (मालदा टाउन) में निवास कर रहे थे, उनका स्वर्गवास गत 1 अप्रैल को हो गया। आप अपने पीछे 2 पुत्र व 6 पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री राजेशकुमार चितलांगी

बोल्लमपल्ली. आदिलबाद जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष मूलचंद चितलांबी के पुत्र राजेशकुमार चितलांगी का गत दिनों देहावसान हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री रणछोड़दास डागा

नांदुरा. स्थानीय प्रतिष्ठित डागा परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री रणछोड़दास डागा का गत 18 मार्च को 85 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे धर्मपत्नी, दो पुत्री एवं दोहित्र-दोहित्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

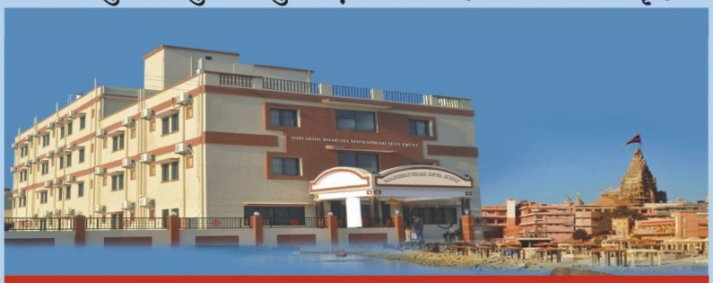

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111

E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

प्रेमकिशोर सिकची चॅरीटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद निर्मित

आलिशान 'सिकची रिसोर्ट', वलगांव

विशेषताएं : * निसर्गरम्य, शांत पवित्र वातावरण में शुभ कार्यों को यादगार बनाने का एक अनूठा अनुभव। * विदर्भ में उच्च कोटि के लिए नामांकित वातानुकूलित वास्तु में करीब 300 मेहमानों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था। * मंदिर, भव्य स्टेज, सभागृह, पार्किंग, जलप्रपात, बालवाटिका तथा अति आधुनिक शाकाहारी रेस्टारेंट का सानिध्य, एक सुंदर पिकनिक स्पॉट * रात–दिन कार्यरत प्रशिक्षित सेवकगण की उपस्थिति। * जनहित कार्यक्रम बिनामूल्य तथा सम्पूर्ण आय सामाजिक उत्थान के लिए व्यय करने का दृढसंकल्प।

'सिकची रिसोर्ट', वलगांव, नागपुर से करीब 160 कि.मी. तथा अमरावती से 10 कि.मी. दूरी पर अमरावती–परतवाड़ा मार्ग पर स्थित है। विविध पैकेजेस तथा अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

सचिन धरनकर
मो. 7507805264

Email : sikchi123@yahoo.com

पियूष शर्मा
मो.नं. 9637385336

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी विशेषांक होगा
समाज का गौरवशाली संस्कृति को समर्पित

महेश नवमी विशेषांक

इसमें ऐसे संग्रहणीय आलेख होंगे जो बनाऐंगे इसे अनमोल

अपनों को दे अपनी बधाई

क्या आप चाहते है कि इस पावन पर्व पर सभी बन्धुओं तक आपकी शुभकामनाएं पहुंचे। तो हम भेजेंगे आपकी शुभकामनाऐं, आपके अपने भाई बन्धुओं तक मात्र 2500/- में। इसमें पहुंचाना होगा आपका फोटो, परिचय एवं पता

व्यवसाय को भी दे सकते है ख्याति

यदि आप चाहते है देना अपनों को इस पावन पर्व की बधाई तो आप इस विशेषांक में प्रकाशित करवा सकते है, अपने प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान के विज्ञापन के साथ

शुभकामना संदेश

श्री माहेश्वरी टाईम्स पहुंचाऐगी
चार लाख से भी अधिक पाठको के दिलो तक

विज्ञापन दर

कव्हर अन्तिम पृष्ठ	रु.	31,000/-
कव्हर पृष्ठ 2 / 3	रु.	25,000/-
पूर्ण पृष्ठ	रु.	15,000/-
आधा पृष्ठ	रु.	10,000/-
स्ट्रीप	रु.	5,000/-

SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

MVPM Career Guidance Forum

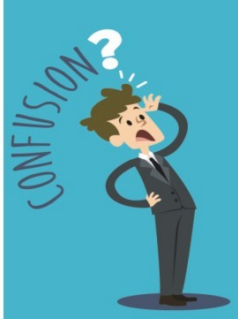

Exclusively Designed for

Students from Class 9th, 10th, 11th & 12th

What to Expect from this Forum?

- What is a Good Career?
- How to Identify suitable career?
- Process of Decision making
- Differentiating liking and ability
- Opportunities for Foreign Education
- How to correct/ Modify your path?
- Parallel careers
- Case Studies
- Conventional and Non conventional career options

Career options...

- Law
- Agriculture
- Armed Forces
- Engineering
- Commerce
- e-Commerce
- Civil Services
- Management
- Digital Careers
- Service Industry
- Artificial Intelligence
- Internet of Things (IoT)
- Medical/ Para Medical
- Shipping & Logistics
- Creative arts & Designs
- Media & Mass communication
- Humanities and Liberal Art

& many more...

26th May 2018, Saturday (9.00 am to 7.00 pm)

- *Common Sessions*
- *12-15 Concurrent specialised sessions*
- *Panel Discussion*

27th May 2018, Sunday (9.00 am to 6.00 pm)

- *Individual Career counselling by Expert counsellors*

Limited Seats!!!

Rs.5000

1 student +1 parent

Inclusive of GST

- Prominent Speakers
- Personalized counselling
- Exclusive session for parents
- Aptitude test
- Career Material
- Breakfast, Lunch & Tea

Register on

www.mvpm.org

: (020) 25671090 / 91

: admin@mvpm.org

For any further information please contact:

Mrs Amita Chandak	9881499821	Mr Rahul Boob	9422012455
Mr Amol Karwa	9860808888	Mrs Pratibha Kabra	9325500200

Hotel Orchid | **26th & 27th May 2018** | **Baner, Pune**

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 May 2018

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/Srimaheshwaritimesmagazine
http://srimaheshwaritimes.blogspot.in